राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 राज्य में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है, शिकायतों पर लगातार हो रही कार्रवाई : विजय

एआई और तकनीक के क्षेत्र में बिहार को अग्रणी राज्य बनाने के लिए युवा आगे आएं : सीएम 12

वर्ष : 14 | अंक : 147 | पटना,शनिवार, 05 सितंबर, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

जन्माष्टमी की धूम: सीएम सम्राट ने इस्कॉन मंदिर में की पूजा-अर्चना

प्रात: किरण

पटना। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर देशभर में उत्साह का माहौल है।पटना के इस्कॉन मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भगवान के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए लंबी कतार लगी, श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल रहा। मंदिर को फूलों और विशेष फूल बंगला झाकियों से बेहद मनमोहक तरीके से सजाया गया। मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण का 108 चांदी के कलशों और हजारों नदियों के पवित्र जल से महा-अभिषेक व 256 से अधिक व्यंजनों का भोग लगाया गया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर पटना स्थित इस्कॉन मंदिर में पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री इस्कॉन मंदिर के तीसरे तल पर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण का अभिषेक किया तथा उन्हें झूला झुलाया।मुख्यमंत्री ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमीह्व के पावन अवसर पर मैं सभी बिहारवासियों एवं देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। बिहार तरक्की के रास्ते पर निरंतर आगे बढ़ते हुए समृद्ध बने और भारत विकसित एवं सशक्त हो, ईश्वर से यही कामना करता हूं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन सत्य, धर्म, कर्म और लोककल्याण की प्रेरणा देता है। जन्माष्टमी का पर्व समाज में प्रेम, सद्भाव, भाईचारे और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है।

इसरो ने रचा इतिहास: ईओएस-05 सैटेलाइट सफलतापूर्वक लॉन्च

प्रात: किरण

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(इसरो) ने एक बार फिर शानदार सफलता हासिल करते हुए शुक्रवार तड़के जीएसएलवी-एफ 17 राकेट के जरिए ईओएस-05 उपग्रह को उसकी निर्धारित कक्षा में पहुंचाकर अपना मिशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इसरो ने शुक्रवार तड़के 2:55 बजे ईओएस-05 सैटेलाइट को श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ 17 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया था। सके कुछ समय बाद इस 2,300 किलोग्राम से अधिक वजनी उपग्रह को सटीक कक्षा में स्थापित कर दिया है। भारी बारिश के बीच, भारत के भरी जीएसएलवी-एफ 17 रॉकेट ने श्रीहरिकोटा रेंज से सुबह 02:55 बजे उड़ान भरी थी। लगभग 27.5 घंटे की सुचारू उल्टी गिनती काउंटडाउन) के बाद, रॉकेट ने हर मौसम में काम करने वाले दूसरे लॉन्च पैड से शानदार ढंग से उड़ान भरी। इसने सुबह के अंधेरे आसमान को रोशन कर दिया और नारंगी धुंआ छोड़ते ऐसी गड़गड़ाहट पैदा की जिससे धरती हिल गई।

इस दौरान इसरो चेयरमैन वी नारायणन और मिशन कंट्रोल सेंटर में मौजूद वैज्ञानिकों ने बहुत उत्सुकता और बेचैनी के साथ उड़ान के रास्ते पर नजर लगातार बनाए रखी दस साल की मिशन अवधि वाले इस 2,367 किलोग्राम वजनी उपग्रह को सब जीटीओ में भेजा गया। इसकी पेरिगी (पृथ्वी के सबसे करीब की दूरी) 170 किमी और एपोजी (पृथ्वी से सबसे दूर की दूरी) 28,934 किमी है, और यह भूमध्य रेखा से लगभग 19.28 डिग्री के झुकाव पर है। यह सब जियो सिनक्रोनस आर्बिट से काम करने वाला पहला उपग्रह है। इसलिए यह भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक अहम उपलब्धि है।इसरो ने इसके सफल प्रक्षेपण और कक्षा में स्थापित किए जाने के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, ईओएस -05 पृथ्वी पर नजर रखने वाला एक अत्याधुनिक उपग्रह है जो भू तुल्यकालिक कक्षा में काम करने वाला भारत का पहला उपग्रह है।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का लिया जायजा, राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में समय पर उपलब्ध हो राहत सामग्री,कोताही न हो : सम्राट

- सभी बाढ़ प्रभावित जिले के जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक जिले में बने रहें
- संवेदनशील एवं निचले क्षेत्रों की लगातार निगरानी हो

प्रात: किरण

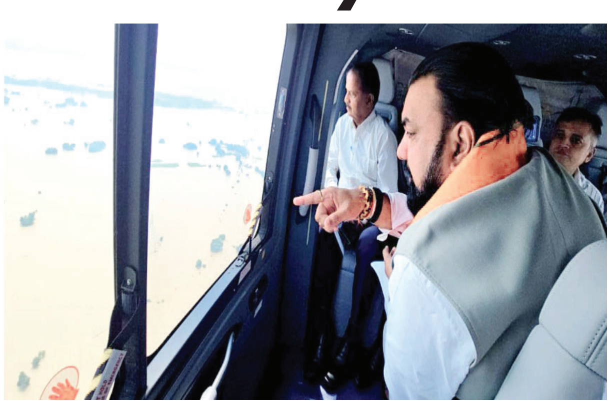

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार में बाढ़ की वर्तमान स्थिति का हवाई सर्वेक्षण किया। हवाई सर्वेक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने गंगा नदी एवं इसकी सहायक नदियों के जलस्तर, दियारा एवं निचले इलाकों में उत्पन्न स्थिति तथा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। सर्वेक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने लोक सेवक आवास स्थित ह्यसंकल्पह्व सभागार में अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर बाढ़ की स्थिति, जलस्तर, तटबंधों की स्थिति, राहत एवं बचाव कार्यों तथा प्रभावित क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अविलंब मरम्मती कार्य कराने तथा संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पूरी तत्परता के साथ राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने तथा प्रभावित लोगों तक आवश्यक सहायता शीघ्र पहुंचाने के निर्देश दिए।

प्रभावित लोगों की सूची तैयार कर तत्काल राहत पहुंचायें

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा बाढ़ प्रभावित लोगों की पहचान कर उनकी सूची तैयार करें एवं उन्हें तत्काल आवश्यक राहत उपलब्ध कराई जाए। किसी भी प्रभावित परिवार को सहायता के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े, यह सुनिश्चित किया जाए। प्रशासन की ऐसी व्यवस्था और सकारात्मक सहयोग रहे कि लोगों में किसी प्रकार का भय और अफरा-तफरी का माहौल न बने। प्रशासन को पूरी संवेदनशीलता के साथ लोगों के बीच रहकर राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता देनी है। प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के साथ बेहतर समन्वय बनाकर आवश्यकता के अनुरूप त्वरित कार्रवाई करे।

संवेदनशील स्थलों पर लगातार निगरानी एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि बक्सर से लेकर भागलपुर तक गंगा नदी के तटबंधों की सतत निगरानी करते रहें। तटबंधों में किसी भी प्रकार के बड़े कटाव या टूट की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए जल संसाधन विभाग एवं जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहे तथा संवेदनशील स्थलों पर लगातार निगरानी एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ राहत शिविर एवं सामुदायिक रसोई केन्द्र के माध्यम से लोगों को भोजन एवं राहत उपलब्ध कराते रहें, इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिये। प्रभावित लोगों को ससमय राहत सामग्री उपलब्ध करायें।

आपसी समन्वय के साथ पूरी मुस्तैदी से कार्य करें

मुख्यमंत्री ने बाढ़ की स्थिति की लगातार मॉनिटरिंग के लिए कमांड सेंटर को सीधे सीएम डैशबोर्ड से लिंक करने का निर्देश दिया, ताकि प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति, राहत-बचाव कार्यों और प्रशासनिक कार्रवाई की नियमित एवं प्रभावी निगरानी मुख्यमंत्री कार्यालय के स्तर से भी की जा सके। उन्होंने कहा कि बाढ़ की स्थिति में जीवन की सुरक्षा, त्वरित राहत और प्रभावी बचाव कार्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ पूरी मुस्तैदी से कार्य करें और स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखें। किसी भी आपात स्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी रखी जाएं तथा राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। बाढ़ की स्थिति में प्रभावितों को एसओपी के अनुसार पूरी सहायता उपलब्ध कराते रहें।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 27 एसडीआरएफ और 9 एनडीआरएफ टीमें तैनात

बैठक में बिहार मौसम सेवा केन्द्र के अधिकारी ने बताया कि वर्तमान मौसम पूवार्नुमान के अनुसार आनेवाले सप्ताह में भारी बारिश की कोई संभावना नहीं है। जल संसाधन विभाग के सचिव डॉ चन्द्रशेखर सिंह ने बताया कि सोन नदी के जलस्तर में आने वाले दिनों में कमी आने की संभावना है। गंगा नदी के जलस्तर में भी आगामी दिनों में कमी का रुझान रहने का अनुमान है। प्रयागराज में गंगा के जलस्तर में कमी का रुझान शुरू हो चुका है, जिसका प्रभाव आगे बिहार में भी देखने को मिलेगा। आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल ने बताया कि बाढ़ राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित क्षेत्रों में पूरी सजगता एवं तत्परता के साथ चलाया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ राहत शिविर एवं सामुदायिक रसोई केन्द्र के माध्यम से लोगों को भोजन कराया जा रहा है। एसओपी के अनुसार कार्यों को बेहतर ढंग से संचालित किया जा रहा है। सभी जिलाधिकारी पूरी तरह अलर्ट हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 27 एसडीआरएफ और 9 एनडीआरएफ टीमें तैनात की गयी हैं। आवश्यकता के अनुसार एसडीआरएफ और एनडीआरएफ टीमों के माध्यम से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

ये रहे मौजूद

बैठक में उप मुख्यमंत्री सह जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सदा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल, कृषि विभाग के प्रधान सचिव नर्मदेश्वर लाल, पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह, ग्रामीण कार्य विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह, जल संसाधन विभाग के सचिव डॉ चन्द्रशेखर सिंह सहित अन्य वरीय अधकारी मौजूद थे। बैठक में 13 जिले-जहानाबाद, अरवल, भोजपुर, नालंदा, रोहतास, औरंगाबाद, मुंगेर, भागलपुर, बेगूसराय, खगड़िया, लखीसराय, कटिहार एवं वैशाली के जिलाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े हुये थे, जबकि पटना के जिलाधिकारी कुंदन कुमार एवं वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के शर्मा बैठक में शामिल थे।

पटना सहित कई संवेदनशील जिलों में हाई अलर्ट जारी

गंगा समेत 8 नदियां उफान पर, बाढ़ से हालात गंभीर

- गंगा के बढ़ते जलस्तर से हड़कंप, कई गांव जलमग्न

प्रात: किरण

पटना। बिहार की 08 प्रमुख नदियां उफान पर हैं। पटना समेत करीब 13 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इस कारण कई जगहों पर लोग विस्थापित हो गए हैं। सड़क किनारे, सामुदायिक भवन आदि जगहों पर विस्थापित शरण लेने लगे हैं। संबंधित जिला प्रशासन लगातार स्थिति की निगरानी में जुटा है। पटना के अलावा बक्सर, मुंगेर और भागलपुर में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। भोजपुर, बेतिया, बेगूसराय, खगड़िया, रोहतास, जहानाबाद आदि जिले भी बाढ़ की चपेट में हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, राज्य में इस वर्ष बारिश के उतार-चढ़ाव और गंगा, गंडक, कोसी, बूढ़ी गंडक, पुनपुन तथा घाघरा जैसी प्रमुख नदियों के खतरे के निशान से ऊपर बहने के बावजूद स्थिति पर सतत निगरानी रखी जा रही है। गंगा नदी दीघा, गांधी घाट, हाथीदह, भागलपुर, कहलगांव, बक्सर और मुंगेर में खतरे के निशान के ऊपर है, वहीं गंडक, कोसी और अन्य नदियां भी उफान पर हैं। इसके बावजूद प्रशासनिक मुस्तैदी ने बाढ़ के प्रकोप को नियंत्रित करने में सफलता पाई है।

गंगा के अलावा पुनपुन और दरधा में भी उफान

गंगा के अलावा पुनपुन व दरधा के लगातार बढ़ते जलस्तर ने जिले के पश्चिम से पूर्व और दक्षिण से उत्तर तक दबाव बढ़ा दिया है। दक्षिणी पटना में पुनपुन श्रीपालपुर में खतरे के निशान से 2.29 मीटर और दरधा कोल्हाचक में 3.07 मीटर ऊपर पहुंच चुकी है।इससे मोकामा का जंजीरा दियारा पूरी तरह से बाढ़ की चपेट में आ चुका है। लोग स्कूल की छत पर शरण लिए हुए हैं और अन्य ऊंचे सुरक्षित स्थानों को जा चुके हैं।बख्तियारपुर के कई दियारा पंचायतों में निचले घरों में पानी पहुंच गया है। दूसरी तरफ पुनपुन-दरधा के उफान से गौरीचक बाजार सहित करीब तीन दर्जन गांव पानी से घिर गए हैं।फुलवारी प्रखंड में पुनपुन बांध से सटे चिहुंट, सकरैचा, मेहमानपुर, बकपुर और तारापुर समेत कई गांवों में भी ग्रामीण रातभर बांध और नदी की स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

693 सरकारी नावों का किया जा रहा परिचालन

आवागमन को सुलभ बनाने और सुरक्षित निकासी के लिए विभिन्न जिलों में कुल 693 सरकारी नावों का परिचालन किया जा रहा है। इनमें वैशाली में सर्वाधिक 155 नावों, समस्तीपुर में 88, भोजपुर में 87, पटना में 70, मधेपुरा में 58, खगड़िया में 43 और पूर्णिया में 35 नावों के माध्यम से लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जा रहा है।

खतरे के निशान से ऊपर बह रहीं ये नदियां

गंगाः दीघा एवं गांधी घाट, हाथीदह मोकामा), भागलपुर, बक्सर और मुंगेर। गंडकः डुमरिया घाट गोपालगंज के सिधवलिया, वैशाली के हाजीपुर। कोसीः बलतारा, खगड़िया के गोगरी, कुसैला कटिहार, बूढ़ी गंडकः खगड़िया सदर, पुनपुनः श्रीपालपुर पटना, घाघरा नदीः दरौली सिवान।

आपदा प्रबंधन विभाग सक्रिय

बाढ़ प्रभावित जिलों में पीड़ितों की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए जिला प्रशासन ने व्यापक स्तर पर राहत कार्य संचालित किए हैं। भागलपुर में गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण प्रभावित हुए लगभग 5000 लोगों के लिए 06 सामुदायिक रसोई केंद्र चलाए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से अब तक रिकॉर्ड 70,600 से अधिक थाली भोजन परोसा जा चुका है।

बिहार सरकार

शिक्षक दिवस

(5 सितम्बर, 2026)

संदेश

गुरूर्ब्रह्मा गुरूर्विष्णुः गुरूर्देवो महेश्वरः।
गुरूः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरूवे नमः।।

भारतीय गणतंत्र के द्वितीय राष्ट्रपति, आदर्श शिक्षक, विराट व्यक्तित्व के धनी, प्रज्ञावान राजनेता एवं महान विचारक डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती पर राज्य के सभी शिक्षकगण को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए मुझे अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है।

हमारा स्पष्ट विश्वास है कि सक्षम शिक्षक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से ही एक अच्छे और आदर्श राष्ट्र का निर्माण संभव है। शिक्षक वह शिल्पकार है, जो अन्य सभी शिल्पियों का जन्मदाता होता है। वे बच्चों में विवेकसम्मत तर्क, विश्लेषणात्मक सोच, आँकड़ों से गूढ़ अर्थ निकालने की समझ विकसित करते हैं। उत्कृष्ट शिक्षा से ही अच्छी सोच विकसित होती है, जिससे सम्पूर्ण सृष्टि एवं मानव समाज प्रकाशित होता है।

बिहार की समृद्ध ज्ञानस्थली नालंदा, विक्रमशिला और आर्यभट्ट की धरती पर **"भारतीय ज्ञान पद्धति"** के संवर्धन एवं **"गुरू–शिष्य परंपरा"** को पुनर्स्थापित करने के साथ ही आधुनिक शिक्षा के लिए हमारी सरकार लगातार संकल्पित है और इनमें शिक्षकों की भूमिका अहम है।

गुरू गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूं पांय।
बलिहारी गुरू आपने, गोविन्द दियो बताय।।

शिक्षक दिवस के इस पावन अवसर पर मैं सभी शिक्षकों के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ और कामना करता हूँ कि शिक्षक अपनी निष्ठा, समर्पण और परिश्रम से छात्र/छात्राओं को वैश्विक परिदृश्य के लिए तैयार करेंगे एवं भारतीय सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण रखेंगे।

शिक्षक दिवस के इस गौरवपूर्ण अवसर पर मैं सभी शिक्षकों/शिक्षिकाओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

(मिथिलेश तिवारी)

PR No.- 011197 (Education) D. 2026-27

सत्यमेव जयते

राज्यपाल, बिहार
GOVERNOR OF BIHAR

शिक्षक दिवस

(5 सितम्बर, 2026)

संदेश

बिहार लोक भवन
पटना–800022
BIHAR LOK BHAVAN
PATNA-800022

भारत के महान दार्शनिक, विश्वविख्यात् शिक्षाविद्, श्रेष्ठ बुद्धिजीवी एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती एवं शिक्षक दिवस के अवसर पर मैं बिहार सहित देश के सभी शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

शिक्षक विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान करने के साथ–साथ व्यक्तित्व एवं चरित्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे बच्चों में सहिष्णुता, विवेक, करूणा, विनम्रता, नैतिकता और संवेदनशीलता जैसे मानवीय गुण विकसित करते हैं तथा उनकी अन्तर्निहित प्रतिभा और क्षमताओं को निखारकर उन्हें जिम्मेदार एवं संवेदनशील नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों का यह योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण और सराहनीय है।

हम ऐसी शिक्षा व्यवस्था की अपेक्षा करते हैं, जो हमारी युवा पीढ़ी को ज्ञान और कौशल के साथ मानवीय मूल्यों एवं आदर्शों के प्रति भी सजग बनाए। हमारा विश्वास है कि शिक्षक विद्यार्थियों में सत्य, अहिंसा, त्याग, विश्व बन्धुत्व, नैतिकता, संवेदनशीलता एवं राष्ट्रप्रेम जैसी उदात्त भावनाओं का विकास करते हुए उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

शिक्षक दिवस के इस महत्वपूर्ण अवसर पर मैं राष्ट्र के सभी शिक्षकों के प्रति उनके समर्पण, सद्प्रयासों और अमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हुए उन्हें पुनः हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

ले.ज.सय्यद अता हसनैन (से.नि.)

PR No.-011195 (Education)D. 2026-27

संक्षिप्त खबरें

टुनटुन यादव ने वार्डों में विकास कार्यों का किया निरीक्षण, लोगों की समस्याएं सुनीं

फतुहा। शुक्रवार को मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सह लोजपा (रामविलास) नेता टुनटुन यादव ने वार्ड संख्या 22, 23 सहित अन्य वार्डों में नाली-गली, पेयजल, आवास समेत विभिन्न चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं और जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। वहीं, बीमार चल रहे वार्ड संख्या 23 के पार्षद ठाकुर प्रसाद तांती से उनके आवास पर जाकर मुलाकात कर उनका कुशल-क्षेम पूछा और स्वास्थ्य की जानकारी ली। मौके पर उपमुख्य पार्षद प्रतिनिधि बबन यादव, पार्षद दीपक कुमार, मो. मिंटू, पार्षद प्रतिनिधि मनोज कुमार, समाजसेवी सुधीर यादव, छोटू यादव, शंकर यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दनियावां में महतमाईन नदी की बाढ़ से टूटा तटबंध, सैकड़ों एकड़ धान की फसल डूबी; प्रशासन सतर्क

दनियावां। फल्गु नदी में अचानक आई बाढ़ और महतमाईन नदी सहित कई सहायक नदियों के जलस्तर में वृद्धि से दनियावां प्रखंड के कई गांवों में स्थिति गंभीर हो गई है। किसमिरिया गांव के पास शुक्रवार की अहले सुबह तटबंध टूटने से किशमिरिया, चकरजा, मुड़ेरा, मकसूदपुर, बांकीपुर, मछरियावां समेत कई गांवों का बड़ा भू-भाग जलमग्न हो गया और करीब 300 से 400 एकड़ में लगी धान की फसल पानी में डूब गई। इससे आक्रोशित ग्रामीणों और किसानों ने करीब डेढ़ घंटे तक बिहटा-सरमेरा एसएच-78 को जाम कर दिया। सूचना मिलने पर प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाकर सड़क जाम समाप्त कराया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पटना जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को प्रभावित इलाकों का त्वरित निरीक्षण करने तथा युद्धस्तर पर टूटे बांधों एवं तटबंधों की मरम्मत कराने का निर्देश दिया। निर्देश के बाद जल संसाधन विभाग के सहायक अभियंता अरविंद कुमार के नेतृत्व में बालू से भरी बोरियों और बांस की सहायता से टूटे तटबंध को बांधने का प्रयास किया गया, लेकिन पानी का तेज बहाव होने के कारण मजदूर मरम्मत कार्य में सफल नहीं हो सके। प्रशासन की ओर से बताया गया कि शनिवार को दोबारा प्रयास करते हुए नए सिरे से बांस का चाल तैयार कर तटबंध की मरम्मत शुरू की जाएगी। बाढ़ के कारण ग्रामीणों में भय का माहौल है, वहीं खरीफ फसल के बड़े पैमाने पर डूबने से किसान भारी नुकसान को लेकर चिंतित हैं।

गंगा नदी के जलस्तर बढ़ने से एक व्यक्ति गंगा नदी में डूब गया

दानापुर। नगर के अंतर्गत दियारा के मानस गांव में गंगा नदी के जलस्तर बढ़ने से एक व्यक्ति पानी के चपेट में आने से डूब गये। पहचान मानस के वार्ड नंबर 6 स्व राम लखन सिंह के पुत्र रवि शेखर सुधांशु 55 के रूप में किया गया जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग उन्हें बचाने को आगे बढ़े पर चारों ओर फैले पानी से सफलता नहीं मिली। उधर घटना की सूचना पर अंचलाधिकारी ने एसडीआरएफ टीम को भेजा। समाचार लेकर जाने तक एसडीआरएफ की टीम खोजबीन में जुटी थी। बताया जाता है कि रवि शेखर सुधांशु पानी फैलने के कारण अपने पुराने घर से सामान लेकर नए वाले घर में जा रहे थे। सड़कों एवं आसपास में पानी फैला होने के कारण वह ऊंचे स्थान पर बने अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान पानी के तेज बहाव में हुए डूब गए। जिला पार्षद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, मुखिया प्रतिनिधि मिट्ठू कुमार ने बताया कि डूबने की खबर के बाद लोग उन्हें बचाने को आगे बढ़े और पानी के तेज बहाव के कारण सफलता नहींमिली। एसडीआरएफ की टीम खोजबीन में जुटी है। अंचलाधिकारी दिलीप कुमार गुप्ता ने बताया कि मानस में तेज पानी के बहाव में एक व्यक्ति की डूबने की खबर है एसडीआरएफ की टीम को लगाया गया है।

कृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन किया गया।

दानापुर। खगौल नगर के अंतर्गत जय कन्हैया लाल की गूंज के साथ नगर समेत ग्रामीण इलाकों में भी कृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन किया गया। नगर के नौलखा मंदिर, एमईएस मंदिर, सदर बाजार राम जानकी मंदिर, गोलापर राम जानकी मंदिर, सुल्तानपुर, आनंद बाजार एवं ठाकुरबारी खगौल ग्रामीण इलाकों में जन्माष्टमी को लेकर झूलन सजाए गये अपराहन से ही पूजा स्थलों परश्रद्धालुओं की भीड़ पूजन के लिए पूजन स्थल पर पहुंचने लगे। नगर के सुल्तानपुर में अर्ध रात्रि में भगवान श्री कृष्ण के बाल रूप का पंचामृत अभिषेक की विशेष तैयारी की गई है। आयोजन प्रहर्ष व अभिषेक ने बताया कि रात्रि में 11:30 बजे लड्डू गोपाल की प्रतिमा का दूध दही घी मध्य शक्कर आदि से अभिषेक कराया जाएगा।

एसबीआई एफएमएल ने फतुहा के विस्टेक्स अस्पताल में आपात, ट्रॉमा और सर्जरी की सेवाएं शुरू की

50 गांवों और आसपास के इलाकों के चार लाख लोगों को पहुंचेगा सीधा फायदा

प्रातः किरण संवाददाता

फतुहा / पटना : एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एसबीआईएफएमएल) ने डॉक्टर्स फॉर यू (डीएफवाई) के साथ साझेदारी में फतुहा के मसढ़ी स्थित विस्टेक्स अस्पताल की अहम स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद की है। इसके तहत तीन प्रमुख इकाइयों के लिए जरूरी चिकित्सा उपकरण दिए गए हैं, आपात एवं ट्रॉमा केंद्र, केंद्रीय स्टरलाइजेशन सेवा विभाग (सीएसएसडी) और ऑपरेशन थिएटर (ओटी)। इससे अस्पताल समय पर आपात, ट्रॉमा, जांच और सर्जरी की सेवाएं दे पा रहा है। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ देबाशीष मिश्रा ने कहा कि एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड में हम ऐसी पहल के लिए प्रतिबद्ध हैं जो वंचित समुदायों तक जरूरी सेवाओं की पहुंच बढ़ाएं। विस्टेक्स अस्पताल में आपात, ट्रॉमा और सर्जरी की सेवाओं को मजबूत करने में हमारा सहयोग इसी सोच को दिखाता है, क्योंकि इससे लोगों के घरों के पास ही अहम सरकारी स्वास्थ्य ढांचा पुख्ता होता है। हम ऐसी साझेदारियों को अहमियत देते हैं जो स्थानीय स्तर पर टिकाऊ बदलाव लाएं।

उन्होंने कहा कि विस्टेक्स अस्पताल में करीब 50 गांवों और आसपास के इलाकों से रोज लगभग 300 मरीज आते हैं, और यह करीब चार लाख लोगों के इलाके की सेवा करता है। बेहतर हुए इस ढांचे से अनुमान है कि हर साल 2000 से 3000 मरीजों और उनके तीमारदारों को फायदा होगा, क्योंकि इससे आपात, जांच, सर्जरी और गंभीर देखभाल की सेवाएं उनके घर के पास ही उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया कि अप्रैल 2026 से अब तक विस्टेक्स अस्पताल ने स्थानीय स्तर पर 790 सर्जरी और आपात मामले संभाले हैं। अप्रैल में 171, मई में 286, जून में 186, जुलाई में 68 और अगस्त में 79। ये आंकड़े बताते हैं कि नई सुविधाओं की मांग बनी हुई है और उनका इस्तेमाल भी हो रहा है। यह पहल एसबीआईएफएमएल की उस प्रतिबद्धता को दिखाती है कि सरकारी स्वास्थ्य ढांचे को पुख्ता किया जाए और वंचित समुदायों तक समय पर तथा किफायती इलाज की पहुंच बढ़े।

जन्माष्टमी पर कबीर पंथी आश्रम मिठापुर पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन

कबीर साहेब की वाणी को बताया समाज का मार्गदर्शक

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व के अवसर पर कबीर पंथी आश्रम, मिठापुर में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पहुंचे, जहां आश्रम के महंत ब्रजेश मुनि महाराज ने उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान आश्रम परिसर में आध्यात्मिक एवं भक्तिमय वातावरण बना रहा। महंत ब्रजेश मुनि महाराज ने नितिन नवीन को आश्रम की धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों तथा सद्गुरु कबीर साहेब की विचारधारा के प्रचार-प्रसार की जानकारी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि कबीर साहेब की वाणी समाज को सत्य, सद्भाव, मानवता और आध्यात्मिक चेतना की दिशा प्रदान करती है तथा उनका संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने कबीर साईं मंदिर, पटना को महत्वपूर्ण आध्यात्मिक एवं धार्मिक स्थल बताते हुए आश्रम एवं मंदिर की धार्मिक-सामाजिक भूमिका की सराहना की और इसके विकास एवं आवश्यक कार्यों में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि अपने विधानसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधि के रूप में क्षेत्र के धार्मिक, सामाजिक एवं विकास कार्यों के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना उनका कर्तव्य है। उन्होंने आश्रम एवं संत समाज के मार्गदर्शन को समाज के लिए महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर संत-महात्मा, श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के साथ-साथ सद्गुरु कबीर साहेब के आध्यात्मिक संदेश को भी स्मरण किया।

शिक्षक दिवस पर इनर व्हील क्लब ऑफ आम्रपाली पटना ने किया महिला गुरुओं का सम्मान

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर इनर व्हील क्लब ऑफ आम्रपाली, पटना की ओर से एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाज और कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिला शिक्षिकाओं को सम्मानित कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया गया।

समारोह के दौरान क्लब की सदस्यों ने महिला कराटे शिक्षिका प्राची सिंह और कत्थक नृत्य शिक्षिका आकांक्षा कुमारी को अंगवस्त्र एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया। क्लब की वक्ताओं ने कहा कि अपनी-अपनी विधाओं में महिलाओं और बच्चियों को सशक्त तथा कला से जोड़ने का इनका प्रयास बेहद सराहनीय है।

इस अवसर पर सदस्यों के ज्ञानवर्धन और क्लब के प्रति जुड़ाव को मजबूत करने के उद्देश्य से एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य विषय ह्यअंतरराष्ट्रीय संस्था इनर व्हीलह्ण का इतिहास और उसके सामाजिक कार्य थे। सदस्यों का उत्साह बढ़ाने के लिए क्लब की आईएसओ ऊषा किरण की ओर से प्रतियोगिता की विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में क्लब की सभी प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकारिणी की वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहीं। सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को शिक्षक दिवस की बधाई दी और समाज सेवा के अपने संकल्प को और मजबूत करने का संकल्प लिया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव कार्य जारी

■ राहत शिविरों में सामुदायिक रसोई, चिकित्सा, पेयजल एवं शौचालय की समुचित व्यवस्था; पशुओं के लिए भी चारा, शेड एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

प्रातः किरण संवाददाता

पटना, 04 सितंबर 2026। पटना जिले से होकर बहने वाली नदियों के जलस्तर में वृद्धि के कारण प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर संचालित किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी श्री कुन्दन कुमारके निर्देश पर सभी अनुमंडल पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता एवं सुरक्षा में लगातार सक्रिय हैं।

निचले एवं जलजमाव वाले क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित निकालकर राहत शिविरों में लाने की कार्रवाई की जा रही है। राहत शिविरों में बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए *सामुदायिक रसोई, चिकित्सा एवं आवश्यक दवाइयों, स्वच्छ पेयजल, शौचालय सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं* की व्यवस्था की गई है, ताकि प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।प्रशासन द्वारा *पशुओं की सुरक्षा एवं देखभाल* के लिए भी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। प्रभावित क्षेत्रों में पशु चारा, पशुओं के लिए शेड तथा आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

जिले के विभिन्न अंचलों में राहत शिविर एवं सामुदायिक रसोई केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इनमें बाढ़ अंचल के मध्य विद्यालय कचहरी बाढ़, दानापुर अंचल के बलदेवा हाई स्कूल दानापुर, पाटलिपुत्र अंचल के मीनार घाट एवं बिंद टोली, अथमलगोला अंचल के उच्च माध्यमिक विद्यालय सबनीमा, बख्तियारपुर अंचल के मध्य विद्यालय घोषवरी एवं सिंचाई भवन बख्तियारपुर शामिल हैं।इसी प्रकार मोकामा अंचल में पंचायती राज कार्यालय नया कसहा, बिसहरी स्थान शिवनगर, भोला स्थान पुरानी कसहा, किसान भवन डुमरा जंजीरा, सामुदायिक भवन सीतारामपुर, विजयगढ़ तथा प्रखंड परिसर शिवनार में भी सामुदायिक रसोई एवं राहत शिविर संचालित किए जा रहे हैं।

जिलाधिकारी ने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों एवं अंचलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि राहत शिविरों एवं सामुदायिक रसोई केंद्रों में *मानक के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सा तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं* बाढ़ प्रभावित लोगों को उपलब्ध हों, यह हर हाल में सुनिश्चित किया जाए।बाढ़ प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने तथा आवश्यक आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जिले में आवश्यकता के अनुसार *कुल 72 नावों का निःशुल्क संचालन* किया जा रहा है। संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की आवश्यकता के अनुरूप नावों की उपलब्धता सुनिश्चित रखें। एस डी आर एफ की टीम प्रभावित क्षेत्रों मे 14 बोट के साथ लोगों की मदद मे लगी है.

तटबंध एवं क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मति एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य जारी*

पुनपुन बाढ़ सुरक्षा प्रमंडल अनीसाबाद अंतर्गत पालीगंज में पानी के ओवरफ्लो के कारण क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत की व्यवस्था कर ली गई है। जलस्तर घटते ही मरम्मत कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।वहीं, पुनपुन बाढ़ सुरक्षा प्रबंध, पटना सिटी अंतर्गत ओवरफ्लो एवं सीपेज के कारण दरधा नदी पर धनरुआ प्रखंड के सीताचक, वीर पंचायत एवं देवदाहा पंचायत में तटबंधों की मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य जारी है।इसी क्रम में महतमाइन नदी पर धनरुआ प्रखंड के कसमीरिया एवं बांकी पुर मुरायना तथा पुनपुन नदी पर लखनपुर, फतेहपुर, अलबख्शपुर एवं काली में तटबंधों की मरम्मती एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य युद्धस्तर पर कराया जा रहा है।

बाढ़ग्रस्त इलाकों में पहुंचे प्रखंड अध्यक्ष, लिया जायजा

प्रातः किरण संवाददाता

फतुहा। पूर्व मंत्री सह माननीय विधायक डॉ. रामानंद यादव के निर्देश पर शुक्रवार, 4 सितंबर 2026 को फतुहा प्रखंड अध्यक्ष अरविंद यादव के नेतृत्व में बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का स्थल निरीक्षण किया गया। इस दौरान महमदपुर, हिम्मदपुर, दलनपुर, रुकुनपुर, भगवानपुर, सुल्तानपुर, नरैना एवं विक्रमपुर समेत कई गांवों का दौरा कर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया गया। गंगा एवं पुनपुन नदी के जलस्तर में अचानक बढ़ोतरी के कारण कई गांवों की सड़कों के ऊपर से पानी बहने लगा है और ग्रामीण इलाकों में पानी फैल रहा है। इससे पहले गुरुवार, 3 सितंबर को विधायक डॉ. रामानंद यादव ने प्रखंड अध्यक्ष अरविंद यादव के साथ कई गांवों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को सड़क पर बह रहे पानी को रोकने के लिए आवश्यक स्थानों पर बांध बनाने का निर्देश दिया था, जिसके बाद कई जगहों पर बांध बनाने का कार्य किया गया। शुक्रवार को पानी बढ़ने की रफ्तार को देखते हुए अरविंद यादव ने अधिकारियों से प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल बालू उपलब्ध कराने की मांग की, ताकि पानी को घरों में प्रवेश करने से रोका जा सके। उन्होंने ग्रामीणों को हरसंभव मदद का आश्वासन देते हुए कहा कि बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और जरूरत के अनुसार राहत कार्य कराया जाएगा। इस अवसर पर पटना जिला महासचिव भोला सिंह, नवल किशोर मोची, मुरलीधर, संजीव कुमार, तुल्ला सिंह, रामवरण यादव, रामजी सिंह, रंजीत, महेंद्र कुमार, शिवधर यादव, ऋषिकेश यादव, सुरेश कुमार, पिंटू कुमार, नीरज सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद थे।

डीजीपी विनय कुमार ने खुसरूपुर बैकुंठनाथ धाम मंदिर में ओपी थाना का किया उद्घाटन, भोलेनाथ से मांगी प्रदेश की सुख-समृद्धि की मन्नत

प्रातः किरण संवाददाता

खुसरूपुर। बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने शुक्रवार को ऐतिहासिक श्री गौरीशंकर बैकुंठनाथ धाम मंदिर पहुंचकर नवनिर्मित ओपी थाना का उद्घाटन किया। मंदिर प्रांगण में न्यास समिति के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। नगर अध्यक्ष मिंटू कुमार ने डीजीपी को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया, जबकि पूजा-अर्चना के उपरांत मंदिर न्यास समिति के सचिव राजाराम सिंह ने उन्हें अंगवस्त्र एवं बैकुंठनाथ धाम मंदिर का स्मृति-चिह्न भेंट किया। उद्घाटन के बाद डीजीपी ने भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि के लिए मन्नत मांगी। उन्होंने कहा कि बैकुंठनाथ धाम आस्था का अद्भुत केंद्र है और बड़े धार्मिक आयोजनों के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर इस पुलिस ओपी का सृजन किया गया है। ओपी में एक ओपी प्रभारी, एक एसआई, दो एएसआई, 10 सिपाही और एक वाहन उपलब्ध कराया गया है। डीजीपी ने कहा कि पूजा के दौरान श्रद्धालुओं का ध्यान दर्शन पर रहता है, जिसका फायदा उठाकर असामाजिक तत्व चोरी जैसी घटनाओं को अंजाम देते हैं।

अब श्रद्धालुओं को यहां बेहतर एवं सुरक्षित वातावरण मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य के अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों पर भी आवश्यकता के अनुसार पुलिस चौकियां स्थापित की जाएंगी। खुसरूपुर थाना के अपने भवन नहीं होने के सवाल पर डीजीपी ने कहा कि जनप्रतिनिधि जमीन चिह्नित करें, जमीन उपलब्ध होते ही चार मंजिला आधुनिक थाना भवन का निर्माण कराया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि राज्य का कोई भी थाना किराए के मकान में संचालित न हो। इस अवसर पर पुलिस-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

स्मिथ एंड जोन्स ने रसिका दुगल के साथ नया अभियान किया लांच

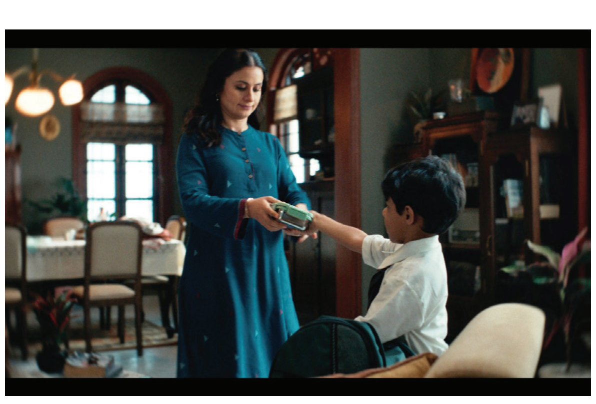

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के प्रमुख फूड ब्रांड स्मिथ एंड जोन्स ने अपने पास्ता मसाला के लिए एक नया टीवीसी लांच किया है, जिसमें मशहूर अभिनेत्री रसिका दुगल नजर आ रही हैं। रोजमर्रा के स्कूल टिफिन से जुड़ा यह अभियान, एक ऐसा लंच बॉक्स तैयार करने की खुशी को दशार्ता है जिसका बच्चे बेसब्री से इंतजार करते हैं और जिसे अपने दोस्तों के साथ शेयर करना पसंद करते हैं। आज की माताएं हमेशा बच्चों के खाने को रोमांचक और नया बनाने के नए-नए तरीकों की तलाश में रहती हैं। स्मिथ एंड जोन्स कुछ नया बनाने की इस उलझन और अनिश्चितता को पूरी तरह खत्म कर देता है। अभियान के बारे में बात करते हुए टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स में प्रेसिडेंट- पैकेज्ड फूड्स, कैपिटल फूड्स एंड सोलफुल, सुश्री दीपिका भान ने कहा कि हर मां स्कूल का दिन खत्म होने पर एक ही उम्मीद करती है कि बच्चे का टिफिन खाली वापस आए। स्मिथ एंड जोन्स में हमारा उद्देश्य है कि हम बच्चों के लिए बेहद स्वादिष्ट पास्ता पेश करके माताओं के इस काम को थोड़ा आसान बना सकें, जिसे बच्चे सचमुच पसंद करें। यह अभियान स्कूल के लंच-ब्रेक के उन रोजमर्रा के पलों से प्रेरित है, जिन्हें हममें से कई लोग बड़े प्यार से याद करते हैं–जहां दोस्त आपस में खाना शेयर करते हैं और लंच टेबल पर खूबसूरत यादें संजोते हैं।

गांधी मैदान में सजा देशभर के हस्तशिल्प का अनूठा संसार, गांधी शिल्प बाजार का हुआ भव्य शुभारंभ

■ 150 मास्टर कारीगरों के हुनर और हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी-सह-बिक्री, 10 सितंबर तक चलेगा आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना : वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, भारतीय हस्तशिल्प एवं राष्ट्रीय हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित गांधी शिल्प बाजार (नेशनल) - 2026 प्रदर्शनी-सह-बिक्री का भव्य शुभारंभ गाँधी मैदान, गेट नंबर 5 के पास किया गया। इस बाजार का उद्घाटन मुख्य अतिथि बिहार सरकार के डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के सचिव (आईएएस) शीर्षत कपिल अशोक, विशिष्ट अतिथि विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय के सहायक निदेशक (हस्तशिल्प) भारत सरकार मुकेश कुमार, पूर्व अपर विकास आयुक्त (हथकरघा) सोहन कुमार झा, उप विकास अधिकारी, उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान, बिहार सरकार सत्यानंद शर्मा, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता हेमा देवी, एचपीओ ऋषिन पाल, सामजसेवी अर्चना, एनसीएचएचडी के टेक्निकल एडवाइजर मनोज झा एवं प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर ललित बाबू द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। गांधी शिल्प बाजार में देश के विभिन्न राज्यों से आए 150 मास्टर कारीगर अपने हस्तशिल्प उत्पादों का प्रदर्शन और सीधे उपभोक्ताओं को बिक्री कर रहे हैं। इनमें 105 सामान्य वर्ग तथा 45 अनुसूचित जाति के कारीगर शामिल हैं। 1 से 10 सितंबर 2026 तक चलने वाले इस शिल्प बाजार में देश की अलग-अलग क्षेत्रों की पारंपरिक कला, शिल्प, वस्त्र, सजावटी सामान, घरेलू उपयोग की वस्तुएं सहित अनेक आकर्षक उत्पाद लोगों के लिए उपलब्ध हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, बिहार सरकार के सचिव शीर्षत कपिल अशोक ने कहा कि गांधी शिल्प बाजार हमारे कारीगरों की प्रतिभा और भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत को आम लोगों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि कारीगरों को बाजार उपलब्ध कराने और उनके उत्पादों की सीधे बिक्री को बढ़ावा देने से उनकी आय और आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलेगी। सहायक निदेशक (हस्तशिल्प) मुकेश कुमार ने कहा कि पटना में आयोजित यह बाजार बिहार वासियों के लिए देश के विभिन्न राज्यों की हस्तशिल्प परंपराओं को एक ही स्थान पर देखने और खरीदने का शानदार अवसर है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे कारीगरों के उत्पाद खरीदकर लोकल फॉर लोकल और भारतीय हस्तशिल्प की समृद्ध परंपरा को मजबूत करें। बाजार में मधुबनी चित्रकला, ब्लॉक प्रिंट, ग्लास वर्क, कालीन एवं रूम्स, कढ़ाई, विभिन्न प्रकार की कढ़ाई, पारंपरिक वस्त्र, बांस एवं बेंत शिल्प, आभूषण सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों की विविध एवं आकर्षक हस्तशिल्प कलाओं से निर्मित उत्कृष्ट हस्तनिर्मित उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। आगंतुकों को देश के विभिन्न राज्यों से आए कारीगरों एवं बुनकरों द्वारा निर्मित विशिष्ट, पारंपरिक एवं कलात्मक उत्पादों को देखने तथा उन्हें सीधे कारीगरों से खरीदने का अवसर प्राप्त होगा। विशेष आकर्षण के रूप में पूर्वोत्तर भारत के 30 से अधिक हस्तशिल्प कारीगर एवं बुनकर भी इस आयोजन में भाग ले रहे हैं, जिनके द्वारा क्षेत्र की समृद्ध कला, शिल्प एवं हस्तकरघा परंपरा को प्रदर्शित किया जाएगा। आगंतुकों को पूर्वोत्तर राज्यों के विशिष्ट हस्तशिल्प एवं हस्तकरघा उत्पादों को देखने, उनकी कला एवं शिल्प परंपराओं से परिचित होने तथा सीधे कारीगरों से उत्पाद खरीदने का विशेष अवसर मिलेगा। एनसीएचएचडी के टेक्निकल एडवाइजर मनोज झा ने कहा कि गांधी शिल्प बाजार का उद्देश्य कारीगरों को प्रत्यक्ष विपणन का अवसर प्रदान करना, उनके उत्पादों के लिए व्यापक बाजार उपलब्ध कराना तथा उनकी आय एवं आजीविका के अवसरों को सुदृढ़ करना है। साथ ही, यह आयोजन देश की समृद्ध हस्तशिल्प एवं हस्तकरघा परंपराओं के संरक्षण ।

पूर्व मध्य रेल

सं ईसीआर/सीएओ/कॉन/डब्ल्यू टी/उत्तर/13–26–27, दि. 02.09.2026

(निर्माण विभाग)

ई–निविदा सूचना

सं. पूमरे–मुप्रअ–नि–उ–निविदा–13–26–27

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई. निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा सूचना सं०: पूमरे–मुप्रअ–नि–उ–निविदा–13–26–27, **क्रम सं.** 1, **कार्य का नामः विवरणः** सोनपुर मंडल के खगड़िया–उमेशनगर के मध्य पुल संख्या 16 के पुनर्निर्माण के संबंध में पुल संख्या 16 (अप एवं डाउन लाइन) के एप्रोच में मिट्टी कार्य, ब्लैंकेटिंग एवं टर्फिंग तथा 1x30.5 मीटर+ 3x61 मीटर+ 1x30.5 मीटर OWG गर्डर के परिवहन, लॉन्चिंग एवं निर्माण/स्थापना तथा अन्य विविध कार्य।, **2. कार्य का लगभग मूल्यः** Rs. 34,59,61,540.66, **3. निविदा हेतु अग्रधन राशि जमाः** Rs. 69,19,200.00, **4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समयः** 29.09.2026 चौदह तीस बजे।, **6. बेबसाइट का विवरण, नोटिस बोर्ड जहाँ पर निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता जहाँ पर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है इत्यादिः**

उपरोक्त ई–निविदा के ई–निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होगें एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/उत्तर/पूमरे/महेन्द्रूघाट, पटना के कार्यालय में देखा जा सकता है।

द्रष्टव्यः निविदा सूचना में पाए गए किसी भी विसंगति विवरण के मामले में अंग्रजी संस्करण ही मान्य होगा। प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई–निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पन्द्रह दिन पहले वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण,
पूर्व मध्य रेलवे, महेन्द्रूघाट, पटना

पीआर/0865/सीएन/एन/एमएचएक्स/सीओएनएसटी/टी/26–27/48

राज्य में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है, शिकायतों पर लगातार हो रही कार्रवाई : विजय सिन्हा

उर्वरक की कालाबाजारी पर जीरो टॉलरेंस, 330 लाइसेंस रद्द एवं 72 मामलों में प्राथमिकी दर्ज

■ **अनियमितता पाए जाने पर लाइसेंस रद्द, निलंबन एवं प्राथमिकी सहित होगी कठोर कार्रवाई**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है तथा वर्तमान में किसी भी जिले में उर्वरक की कोई कमी नहीं है। किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप समय पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक निर्धारित मूल्य पर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्री ने बताया कि 04 सितंबर, 2026 की स्थिति के अनुसार राज्य में 3.44 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 1.52 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 2.48 लाख मीट्रिक टन एनपीके, 0.71 लाख मीट्रिक टन एमओपी तथा 1.17 लाख मीट्रिक टन एसएसपी का स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि उर्वरक का उप-आवंटन आवश्यकता एवं आच्छादन के आधार पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी क्षेत्र में कृत्रिम अभाव की स्थिति उत्पन्न न हो। कृषि मंत्री ने कहा कि निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री, कालाबाजारी, जमाखोरी तथा किसानों के साथ किसी भी प्रकार की अनियमितता को राज्य सरकार द्वारा गंभीरता से लिया जा रहा है। ऐसे मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि शारदीय मौसम, 2026-27 में 04 सितंबर, 2026 तक अनियमितता के विरुद्ध 72 उर्वरक प्रतिष्ठानों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है तथा 330 उर्वरक प्रतिष्ठानों के प्राधिकार पत्र रद्द किए गए हैं। कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए मुख्यालय स्तर पर उड़नदस्ता दल गठित किया गया है, जो प्राप्त शिकायतों के आधार पर लगातार निरीक्षण एवं जांच कर रहा है। इसके अतिरिक्त जिलों में कृषि विभाग के पदाधिकारियों की जांच टीम द्वारा नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। मंत्री ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे जिलों में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के साथ समन्वय स्थापित कर निरीक्षण दल द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है।

बिहार की धरती महान शिक्षकों और विद्वानों की हैः श्रवण

■ **शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर बिहार केसरी सम्मान में शामिल हुए ग्रामीण विकास विभाग मंत्री**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री सह जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र के वास्तविक निमार्ता होते हैं। उनके सम्मान से बड़ा कोई सम्मान नहीं है। प्राचीन काल से ही बिहार शिक्षा और शिक्षकों की भूमि रही है। नालंदा और विक्रमशिला जैसे विश्व प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों ने पूरी दुनिया को ज्ञान का प्रकाश दिया है। आचार्य चाणक्य से लेकर आर्यभट्ट तक, इस धरती ने महान शिक्षकों और विद्वानों को जन्म दिया है, जिन्होंने शिक्षा को हमेशा सर्वोच्च सम्मान दिया है।

मंत्री शुक्रवार को पटना के कंकड़बाग कॉलोनी में सरगम कला एवं समाज कल्याण मंच की ओर से बिहार केसरी सम्मान सह रंगारंग सांस्कृतिक समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इस दौरान मंत्री ने जदयू के वरिष्ठ नेता पंकज पटेल, पटना के प्रख्यात चिकित्सक डॉ. दिवाकर तेजस्वी, संस्था के अध्यक्ष विश्व मोहन चौधरी, कार्यक्रम संयोजक रिषभ राठौर, वरिष्ठ रंगकर्मी आलोक चोपड़ा, कलाकार शबनम परवीन, सिमरन कुमारी, सुनीता रंजन, आलिजा बानो सहित अन्य गणमान्य लोगों को सम्मानित किया।

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने इस्कॉन मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने पटना स्थित इस्कॉन मंदिर पहुँचकर भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। श्री निशांत कुमार ने कहा कि जन्माष्टमी का यह पावन पर्व हम सभी के जीवन में प्रेम, आस्था, शांति और सद्भाव का संदेश लेकर आए। भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से हर परिवार में सुख-समृद्धि रहे और प्रत्येक व्यक्ति स्वस्थ, प्रसन्न एवं सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें सत्य, धर्म, कर्तव्य और मानवता के मार्ग पर चलते हुए समाज के कल्याण के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। उनके विचार और शिक्षाएँ आज भी हम सभी के लिए प्रकाशस्तंभ हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने प्रदेशवासियों से इस पावन पर्व को आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाने की अपील करते हुए कहा कि आइए, जन्माष्टमी के इस शुभ अवसर पर हम सभी मिलकर एक स्वस्थ, समृद्ध, शांतिपूर्ण और सशक्त बिहार के निर्माण का संकल्प लें।

इस्कॉन मंदिर में नीतीश कुमार ने की भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार ने आज पटना स्थित इस्कॉन मंदिर पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण से बिहार की सुख-शांति, समृद्धि एवं प्रदेशवासियों के कल्याण की मंगलकामना की। भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच नीतीश कुमार ने मंदिर में कुछ समय बिताया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा तथा बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी भी उनके साथ उपस्थित रहे। वही इस्कॉन मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं कार्यकताओं ने भी श्री नीतीश कुमार का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद कार्यक्रम की शुरूआत आज से

■ **फरक्का जल संधि अंतरराष्ट्रीय समझौता, लेकिन 73 प्रतिशत बोझ अकेले बिहार उठा रहा है : उमेश**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने प्रेसवार्ता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद कार्यक्रम के संबंध में जानकारी साझा की और कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा सामने रखी। प्रेसवार्ता में बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी एवं प्रदेश प्रवक्ता नवल शर्मा भी मौजूद रहे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज 5 सितंबर से पार्टी के फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद कार्यक्रम की शुरूआत होने जा रही है। गंगा किनारे बसे बिहार के सभी 12 जिलों में चरणबद्ध तरीके से संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसकी शुरूआत बक्सर से होगी, जहां से गंगा बिहार में प्रवेश करती है, जबकि कार्यक्रम का समापन कटिहार जिले में होगा, जहां से गंगा बंगाल होते हुए बांग्लादेश की ओर जाती है। उन्होंने कहा कि फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद के माध्यम से राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा एवं मेरा आम लोगों, किसानों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकताओं तथा विभिन्न वर्गों से संवाद होगा। इस दौरान इस विषय पर उनकी राय और सुझाव लिए जाएंगे तथा जनभावनाओं और सुझावों को उचित मंच पर मजबूती के साथ रखने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार पिछले 30 वर्षों से फरक्का बैराज और फरक्का जल संधि की भारी कीमत चुका रहा है। नीतीश कुमार लंबे समय से फरक्का के कारण बिहार को हो रहे नुकसान और बिहार के जल हितों को लेकर लगातार आवाज उठाते रहे हैं। यह एक अंतरराष्ट्रीय समझौता है, लेकिन इसका 73 प्रतिशत बोझ अकेले बिहार उठा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि फरक्का बैराज के कारण गंगा में भारी मात्रा में गाद जमा होने से नदी की गहराई और जलधारण क्षमता प्रभावित हुई है।

लोजपा (रा) के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र विवेक ने किया पदभार ग्रहण

■ **राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने दी शुभकामनाएं**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को नवनियुक्त बिहार प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र विवेक के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र विवेक को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन को मजबूत और व्यापक बनाने की दिशा में अब नई ऊर्जा के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आगामी प्रदेश कमिटी में युवा शक्ति, महिला शक्ति और अनुभवी कार्यकताओं के समन्वय को प्राथमिकता देते हुए एक मजबूत एवं प्रभावी संगठन का निर्माण किया जाए। श्री चिराग पासवान ने कहा कि बिहार में पार्टी के संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी प्रदेश नेतृत्व और सभी कार्यकताओं की है। बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट के संकल्प के साथ पार्टी को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है।समारोह के दौरान बिहार प्रभारी सह जमुई सांसद अरुण भारती ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र विवेक को विधिवत पदभार ग्रहण कराया। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।समारोह में पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं अन्य पदाधिकारियों को भी सम्मानित कर नई जिम्मेदारियों के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर पार्टी नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि सुरेंद्र विवेक के नेतृत्व में बिहार में संगठन को और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं जनाधारयुक्त बनाया जाएगा तथा पार्टी आगामी समय में प्रदेश की राजनीति में और प्रभावी भूमिका निभाएगी।

तेजस्वी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी हालात का लिया जायजा

■ **कहा- डबल इंजन सरकार बाढ़ के संकट का स्थायी समाधान खोजने में विफल**

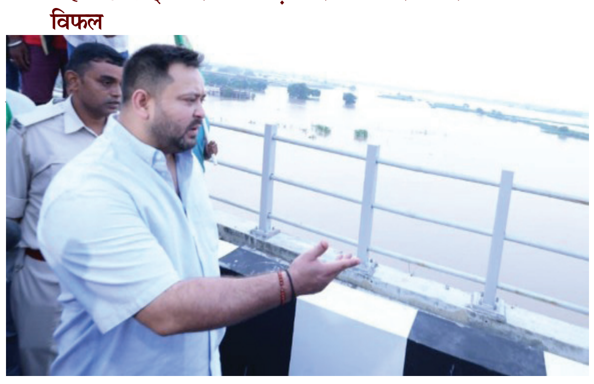

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी हालात का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि वास्तविक स्थिति चिंताजनक और गंभीर हैं। सच्चाई से कोसो दूर बिहार सरकार द्वारा बाढ़ प्रभावित लोगों की सुरक्षा, राहत और बचाव सुनिश्चित करने के लिए समुचित उपाय और ठोस व्यवस्था नहीं की गई है। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में बाढ़ आई नहीं बल्कि लाई गई है ताकि भ्रष्टाचारी सैलाब में एनडीए नेता गोता लगा सके। प्रत्येक वर्ष तटबंध निर्माण, कटाव निरोधी कार्यों, आपदा प्रबंधन, बाढ़ राहत-बचाव और शिविर के नाम पर हजारों करोड़ रुपए का गबन होता है। डबल इंजन सरकार बाढ़ के संकट का स्थायी समाधान खोजने में विफल है। नेता प्रतिपक्ष में कहा कि जब हर वर्ष तटबंध के नाम पर 4-5 हजार करोड़ रुपए खर्च होते है तो हर साल बांध टूट क्यों जाते है? एनडीए सरकार के पास बाढ़ से निपटने की कोई दीर्घकालिक योजना और दृष्टि नहीं है जिसके कारण लोगों को हर साल इस आपदा का सामना करना पड़ता है।

गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में 24 घंटे अखंड कीर्तन का भव्य शुभारंभ

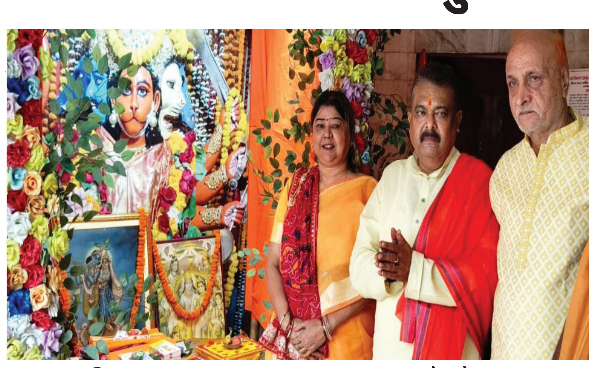

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम हुआ। यहां 24 घंटे के अखंड हरे कृष्ण महामंत्र कीर्तन का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अखंड कीर्तन की शुरूआत बिहार राज्य धार्मिक न्यास पार्षद के अध्यक्ष प्रो. रणबीर नंदन ने अपनी धर्मपत्नी नम्रता के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर एवं भगवान की आरती संपन्न की। आज बिहार राज धार्मिक न्यास पर्षद के अंतर्गत सभी मठ मंदिरों में जन्माष्टमी पूरे उल्लास के साथ मनाया जा रहा है और हम सभी मठ और मंदिरों के सम्मानित महंत एवं सभी न्यास समिति के सदस्यों को जन्माष्टमी के अवसर पर शुभकामना देते हैं। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन प्रेम, करुणा और धर्म की स्थापना का प्रतीक है। इस तरह के अखंड कीर्तन से समाज में सकारात्मक ऊर्जा और भक्ति भाव का संचार होता है। सभी प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं। यह अखंड कीर्तन अगले 24 घंटों तक अनवरत जारी रहेगा। इस अवसर पर मंदिर न्यास समिति के सदस्य, बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण के आदर्शों को जीवन में अपनाकर सत्य, धर्म और कर्म के मार्ग पर आगे बढ़ें : सरावगी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना,। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने भगवान श्रीकृष्ण के पावन जन्मोत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रदेशवासियों एवं समस्त श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं दी हैं। श्री सरावगी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें धर्म, सत्य, न्याय और कर्तव्य के मार्ग पर चलते हुए समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा देता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा दिया गया कर्मयोग का संदेश आज भी पूरी मानवता के लिए प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अधर्म के विरुद्ध धर्म की स्थापना और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का संदेश दिया। उनका जीवन हमें कठिन परिस्थितियों में भी सत्य एवं धर्म का साथ देने तथा अपने कर्तव्य से विमुख न होने की प्रेरणा देता है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि धर्म और सत्य की विजय तथा मानवता के कल्याण का संदेश देने वाला पर्व है। हमें भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात कर समाज में प्रेम, भाईचारा, सद्भाव और शांति को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण से प्रार्थना की कि उनकी कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं सद्भाव का संचार हो और बिहार निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़े।

अगस्त में अवैध शराब के खिलाफ एक लाख से अधिक छापेमारी, 11 हजार से ज्यादा गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार में पूर्ण शराबबंदी को सख्ती से लागू करने के लिए सरकार का अभियान तेज है। मद्य-निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग और बिहार पुलिस के संयुक्त अभियान में बीते अगस्त माह में अवैध शराब कारोबार पर बड़ी कार्रवाई की गई है। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, 1 से 31 अगस्त के बीच राज्य भर में 1 लाख 12 हजार से अधिक जगहों पर छापेमारी की गई है। इस दौरान करीब 10 हजार मामले दर्ज हुए और 11 हजार से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों में 8,100 से अधिक मामले शराब पीने के हैं, जबकि करीब 3,200 मामले शराब के निर्माण, बिक्री, भंडारण और तस्करी से जुड़े हैं। सबसे ज्यादा छापेमारी वाले जिलों में सारण सबसे आगे रहा, जहां 6,401 छापे मारे गए। इसके बाद पटना सदर में 6,333 छापे पड़े, जहां सबसे ज्यादा शराब की जब्ती भी हुई है। इसके अलावा गोपालगंज, पूर्वी चंपारण, अररिया, गया, सीतामढ़ी और नवादा में भी बड़े पैमाने पर कार्रवाई की गई है। अगस्त में 7 लाख 10 हजार लीटर से ज्यादा शराब जब्त की गई है, जिसमें 5 लाख 64 हजार लीटर देसी शराब, 1 लाख 44 हजार लीटर विदेशी शराब और 1,624 लीटर स्प्रिट शामिल है। इसके साथ ही 49,78 हजार किलोग्राम जावा महुआ भी जब्त किया गया है।

अब गांवों में प्राथमिक पशु चिकित्सा सेवाएं मुहैया कराएंगी सुधा सखियां

■ **सुधा सखियों को दिया जा रहा पशुओं की प्राथमिक चिकित्सा, पशु आहार और पशुपालन संबंधी आवश्यक सेवाओं का प्रशिक्षण**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार में पशु चिकित्सा और पशुपालन के क्षेत्र में मौन क्रांति लाने की तैयारी चल रही है, जिसकी कमान ह्यसुधा सखियोंह्ण के हाथों में होगी। बिहार के दुग्ध क्षेत्र में महिला सशक्तीकरण को नई दिशा देते हुए बिहार स्टेट मिल्क को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड (कॉम्फेड) नेसुधा सखी पहल की शुरूआत की है। इस पहल का विस्तार राज्य की 8 हजार 53 पंचायतों तक किया जाना है। इसके पहले चरण में 38 जिलों से चयनित महिलाओं के लिए छह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। यह प्रशिक्षण पटना स्थित कॉम्फेड के सभागार में 31 अगस्त से शुरू हुआ है और 05 सितंबर तक चलेगा। प्रशिक्षण के दौरान सुधा सखियों को पशुओं की प्राथमिक चिकित्सा, संतुलित पशु आहार, कृत्रिम गभार्धान और वैज्ञानिक पशुपालन से जुड़ी आवश्यक सेवाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के बाद ये सखियां गांव स्तर पर पशुपालकों और पशु चिकित्सकों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करेंगी। इस पहल से दो बड़े लाभ होंगे – एक तरफ ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भरता और स्थायी रोजगार का अवसर मिलेगा, वहीं दूसरी ओर पशुपालकों को अपने गांव में ही विशेषज्ञ मार्गदर्शन और सेवाएं मिल सकेंगी। इसे बिहार के दुग्ध क्षेत्र में महिला नेतृत्व और ग्रामीण सेवा-तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

7 हजार जीविका दीदियां बन चुकी हैं पशु सखी

इससे पहले कॉम्फेड और जीविका के संयुक्त प्रयास से करीब 7 हजार जीविका दीदियों को डेयरी और पशुपालन का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। ये प्रशिक्षित पशु सखियां अब अपने-अपने गांवों में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिला सदस्यों को प्रशिक्षण दे रही हैं। पशुपालन क्षेत्र के प्रथम चरण में पशु सखियों, आजीविका विशेषज्ञों और प्रत्येक प्रखंड के सीएलएफ नोडल को जिला स्तर पर प्रशिक्षित किया गया था, जिसके लिए कॉम्फेड और जीविका की ओर से जिला स्तरीय नोडल पदाधिकारी चयनित किए गए थे।

विभाग के अनुसार, ये पशु सखियां केवल डेयरी गतिविधियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि भेड़, बकरी, सूअर समेत अन्य लघु पशुओं का पालन करने वाली महिलाओं को भी अलग से प्रशिक्षण देंगी।

औरंगाबाद सामूहिक दुष्कर्म की जांच के लिए राजद की जांच समिति आज घटनास्थल पर जाएगी : एजाज

पटना ।राष्ट्रीय जनता दल के नेता एजाज अहमद ने बताया कि राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल को सूचना मिली की औरंगाबाद जिला के कुटुम्बा थानान्तर्गत ग्राम दुधमी में गरीब दलित समाज की बच्ची के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना हुई है, वह भी अस्पताल जाने के क्रम में। इस घटना को पार्टी ने काफी गंभीरता से लिया है और इसके लिए एक जांच समिति का गठन किया है। इस संबंध में कुटुम्बा थाना काण्ड संख्या-162/26, 31 अगस्त को भारतीय न्याय संहिता की धारा 70 (2) तथा 4/6 पॉक्सो एक्ट एवं अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की कई सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत काण्ड अंकित किया गया है ।ज्ञात हो कि पुलिस के द्वारा की गई कार्रवाई के बारे में जो जानकारी पार्टी के राज्य मुख्यालय, पटना को मिली है उसके अनुसार दो नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी पुलिस के द्वारा की गई है। किन्तु मुख्य अभियुक्त राजू कुमार सिंह उर्फ झुन्नु सिंह के द्वारा 04 सितंबर को संबंधित न्यायालय में समर्पण किया गया है। राष्ट्रीय जनता दल के राज्य मुख्यालय को यह भी जानकारी मिली है कि जिस गाड़ी से अपहरण एवं बलात्कार किया गया था, वह चार चक्के की गाड़ी बरामद कर ली गई है। परन्तु सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यह है कि इस दलित लड़की का मेडिकल जांच व परीक्षण का प्रतिवेदन अब तक सक्षम स्तर पर अप्राप्त है। विलम्ब होने से घालमेल होने की संभावना प्रबल हो जाती है।

एजाज ने बताया कि सभी बिन्दुओं पर विचारोपरान्त राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल के द्वारा इसकी पूरी गहनता के साथ जांच और परीक्षण करने हेतु पूर्व मंत्री सुरेश पासवान, के संयोजकत्व में 6 सदस्यीय जांच कमिटी गठित करने का निर्णय लिया गया है, जो इस प्रकार है सुरेश पासवान, सुबेदार दास, अमरेन्द्र कुमार कुशवाहा, समता देवी, सतीश दास, अनिल टाईगर सदस्य बनाए गए हैं। एजाज अहमद ने यह भी बताया कि जांच कमिटी से अपेक्षा की जाती है कि कमिटी के संयोजक एवं सभी सदस्य एक साथ घटना स्थल का स्थलीय दौरा कर एवं पीड़िता तथा पीड़िता के परिवार से मिलकर तथ्यों का संकलन करते हुए जिला के पुलिस अधीक्षक एवं जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद से मिलकर अब तक की गई कार्रवाई की ।

12 सितंबर को राज्यभर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

90 दिन पुराने ई-चालान पर 50 प्रतिशत छूट

■ **पटना के सिविल कोर्ट और गांधी मैदान में 12 सितंबर को होगा अदालत का आयोजन**

■ **7 से 11 सितंबर के दौरान नजदीकी डीटीओ ऑफिस में चालान जमा कर सकेंगे नागरिक**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार में वाहन मालिकों और चालकों के लिए राहत भरी खबर है। राज्यभर में 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 90 दिनों से अधिक समय से लंबित ई-चालानों का निपटारा 50 प्रतिशत राशि जमा कर किया जा सकेगा। परिवहन विभाग और यातायात पुलिस के सहयोग से यह विशेष अभियान सभी जिलों के न्यायालय परिसरों में चलेगा। इसके लिए 7 से 11 सितंबर के दौरान आम नागरिक डीटीओ ऑफिस में जाकर अपना चालान जमा कर सकेंगे। यह सुविधा चालान निपटारे में सहूलियत के लिए पहले से प्रदान की जा रही है।

राजधानी पटना में लोक अदालत का आयोजन 12 सितंबर को गांधी मैदान और सिविल कोर्ट में आयोजित किया जाएगा। आगामी आयोजन ह्यएकमुश्त यातायात चालान निपटान योजना-2026 के तहत किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य लंबे समय से लंबित ट्रैफिक मामलों का तेजी से निपटारा करना और लोगों को कानूनी प्रक्रिया में सुविधा देना है।

20 हजार चालान से 5 करोड़ रुपए जमा

इसके पूर्व मई माह में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में भी इसी तरह 50 प्रतिशत छूट के साथ 20 हजार से अधिक चालान निपटाए गए थे, जिसमें 5 करोड़ रुपए की राशि जमा की गई थी। अब राष्ट्रीय लोक अदालत में फिर से यह अवसर मिल रहा है।

प्रदूषण बीमा फिटनेस इत्यादि चालानों का होगा निष्पादन

लोक अदालत में मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं से जुड़े मामलों का निपटारा होगा। इनमें प्रदूषण प्रमाण पत्र न होना, बीमा न होना, फिटनेस प्रमाण पत्र की कमी, ड्राइविंग लाइसेंस या वाहन रजिस्ट्रेशन से जुड़े उल्लंघन, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग, बिना हेलमेट वाहन चलाना, सीट बेल्ट न लगाना, ओवर स्पीडिंग, रेड लाइट जंप और अन्य सामान्य यातायात उल्लंघन शामिल हैं।

इन मामलों में निर्धारित जुमार्ने पर 50 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। हालांकि, ओवरलोडिंग से जुड़े मामलों में इस राहत में शामिल नहीं किया गया है।

यातायात नियमों का पालन करें नागरिक : सचिव

परिवहन विभाग के सचिव राज कुमार ने वाहन मालिकों से अपील की है कि वे अपने जिले की लोक अदालत में पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाएं और लंबित चालानों से छुटकारा पाएं।

यह पहल केवल लोगों को आर्थिक राहत देने के साथ-साथ न्यायालयों पर बोझ भी कम करेगी। सचिव ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वाहन चलाते समय हेलमेट, सीट बेल्ट एवं निर्धारित गति सीमा का अनिवार्य रूप से पालन करें। यातायात नियमों का पालन न केवल कानूनी दायित्व है, बल्कि स्वयं की सुरक्षा के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

संक्षिप्त खबरें

हत्या के मामले में समझौते का दबाव बनाने को रची अपहरण की साजिश पुलिस ने खोला राज

सिंहवाड़ा(दरभंगा)। सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र में 17 वर्षीय किशोर के अपहरण का मामला पुलिस की तकनीकी और मानवीय जांच में फर्जी निकला। पुलिस के अनुसार, हत्या के एक मामले में समझौते का दबाव बनाने और वादी-गवाहों को झूठे मुकदमे में फंसाने के उद्देश्य से अपहरण की साजिश रची गई थी। शुक्रवार को सिंहवाड़ा थाना परिसर में प्रेस वार्ता में सदर एसडीपीओ-2 एसके सुमन ने बताया कि तीन सितंबर को राजो वार्ड-05 निवासी उर्मिला देवी ने पुत्र रौशन कुमार सहनी के अपहरण की सूचना दी थी। बताया गया था कि अपहर्ता उसके साथ मारपीट कर रहे हैं और इसका वीडियो परिजनों के मोबाइल पर भेजकर हत्या की धमकी दे रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी के निर्देश पर सदर एसडीपीओ-2 के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। इसमें सिंहवाड़ा, सिमरी, कमतौल व जाले थाना की पुलिस तथा तकनीकी टीम शामिल थी। मधुबनी व मुजफ्फरपुर पुलिस के सहयोग से रातभर छापेमारी की गई। पुलिस दबिश से घबराकर कथित अपहर्ता किशोर को मोटरसाइकिल से पनिशाला चौक पर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने उसे बरामद कर पूछताछ की तो अपहरण की पूरी कहानी सामने आ गई। पुलिस के अनुसार, सिंहवाड़ा थाना कांड संख्या 192/26 से जुड़े हत्या के मामले में समझौता कराने के लिए यह साजिश रची गई थी। प्राथमिक आरोपित दीपक सहनी की योजना के अनुसार राकेश सहनी, सुमन पासवान, ललन व सोनू कुमार के साथ मिलकर रौशन ने खुद ही अपहरण की झूठी कहानी तैयार की थी। उद्देश्य हत्या कांड के वादी और गवाहों पर झूठा केस कराकर समझौते का दबाव बनाना था। पुलिस के अनुसार, इस मामले की कड़ी राजो निवासी छोटकन देवी से जुड़े पूर्व के मामले से भी जुड़ती है। जमीन विवाद में मारपीट को लेकर डीएमसीएच में इलाज के दौरान दिए गए उनके बयान पर सिंहवाड़ा थाना कांड संख्या 192/26 दर्ज हुआ था। बाद में इलाज के दौरान 14 जून को उनकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि इसके बाद आरोपित पक्ष पर दबाव बनाने और दूसरे पक्ष को फंसाने के लिए अपहरण की साजिश रची गई। एसडीपीओ ने बताया कि किशोर का न्यायालय में बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। तकनीकी व मानवीय अनुसंधान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में तकनीकी शाखा के अमृत साह, सिमरी थानाध्यक्ष अरविंद कुमार सहित कमतौल, जाले व सिंहवाड़ा थाना के पुलिस पदाधिकारी शामिल थे।

बाइक में ट्रैक्टर ने मारी टक्कर में युवक की मौत

गोह(औरंगाबाद)। गोह थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राज्य मार्ग 120 कोसडीहरा मोड़ के समीप बाइक में एक अज्ञात ट्रेक्टर ने टक्कर मार दी। जिससे एक युवक की मौत हो गई और दो अन्य युवक घायल हो गए। घटना गुरुवार की शाम की है। मृतक गोह न्यू एरिया निवासी पप्पू चंद्रवंशी के 18 वर्षीय पुत्र प्रियराज कुमार के रूप में पहचान की गई है जबकि घायल गोह न्यू एरिया के जीवसी6 जयमंगल प्रसाद के 17 वर्षीय पुत्र देवा कुमार एवं उपहारा थाने के झरी गांव के निवासी मुकेश कुमार गुप्ता के 18 वर्षीय पुत्र अभिषेक कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया है। पुलिस ने शव को जिला मुख्यालय में पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौंपी दिया है। जबकि अन्य घायलों ओआ बेहतर इलाज के लिए गया रेफर कर दिया गया है। घटना के बारे में बताया जाता है कि उक्त तीनों युवक एक बाइक से कोंच तरफ जा रहे थे। कि कुछ ही दूरी पर पहुंचे वैसे ही तेज गति से आ रहा एक ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। ट्रैक्टर चालक गाड़ी के साथ फरार हो गया है। घटना के बाद मृतक के घर में मातम पसर गया है। परिजन को रो रोकर बुरा हाल है।

बिहार गौरव सत्येंद्र नारायण सिंहा की 20वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर में जम्होर विकास मंच के तत्वावधान में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री, औरंगाबाद के धरतीपुत्र, बिहार गौरव सत्येंद्र नारायण सिंहा जी की 20वीं पुण्यतिथि श्रद्धांजलि सभा के रूप में मनाई गई जम्होर विकास मंच के संरक्षक प्रदीप कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम उनके छायाचित्र पर उपस्थित लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित किया संचालन की जिम्मेवारी संस्था के सचिव राणा सुनील सिंह ने निभाई। तत्पश्चात उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा करते हुए संस्था के संयोजक सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि औरंगाबाद के धरतीपुत्र छोटे साहब ने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आजादी के पश्चात औरंगाबाद लोकसभा के प्रथम सांसद बने, शिक्षा मंत्री रहते मगध विश्वविद्यालय की स्थापना करकर शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाई थी। उनके शैक्षणिक सुधार ने युवाओं में एक प्रेरणास्रोत का काम किया था। उत्तरी कोयल नहर परियोजना की आधारशिला 1972 में रखकर सिंचाई के क्षेत्र में भी।

विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थानों का हब बनेगा दरभंगा, राज्यपाल से मिले सांसद

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा को विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थानों का हब बनाने तथा मिथिला की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में पहल तेज की जा रही है। इसी क्रम में स्थानीय सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने शुक्रवार को पटना स्थित राजभवन में बिहार के राज्यपाल सैयद अता हसनैन से मुलाकात कर दरभंगा एवं मिथिला क्षेत्र से जुड़े दो दर्जन से अधिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान सांसद ने राज्यपाल को मिथिला की परंपरा के अनुसार पाग एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। सांसद ने दरभंगा में पटना हाई कोर्ट की खंडपीठ स्थापित करने, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय एवं कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा देने, डब्ल्यूआईटी को केंद्र सरकार के अधीन संचालित करने तथा बेनीपुर एवं बिरौल कॉलेज में इंटीग्रेटेड बीएड की पढ़ाई शुरू कराने की मांग रखी। उन्होंने दरभंगा में आईआईटी, एनआईटी, आईआईएम एवं नेशनल डिजाइन इंस्टीट्यूट जैसे संस्थानों की स्थापना, मिथिला के धार्मिक व सांस्कृतिक स्थलों को मिथिला सर्किट से जोड़ने, बाढ़ के स्थायी निदान और औद्योगिक विकास की दिशा में पहल का आग्रह किया। डॉ. ठाकुर ने कहा कि दरभंगा में हाई कोर्ट बेंच की स्थापना से उत्तर बिहार के करीब आठ करोड़ लोगों को सुलभ न्याय मिलेगा और समय व आर्थिक बोझ कम होगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से भी पूर्व में चर्चा की जा चुकी है।

कृष्णोत्सव हम सबों की आस्था, सामाजिक एकता व भाईचारे का महापर्व : विधायक

प्रात: किरण संवाददाता

मनीगाछी(दरभंगा). दरभंगा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के मनीगाछी प्रखण्ड अंतर्गत मकरंदा, चनौर, मनीगाछी बाजार, राजे, अमई एवं सोनकी-सहला में शुक्रवार को 500 कुंवारी कन्याओं की भव्य कलश शोभायात्रा के साथ कृष्णोत्सव का शुभारंभ हुआ। स्थानीय विधायक सह जदयू जिलाध्यक्ष राजेश मंडल उर्फ ईश्वर मंडल की उपस्थिति में निकली कलश शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शोभायात्रा के दौरान ह्लनंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल कीह्व सहित भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।कलश शोभायात्रा में शामिल कुंवारी कन्याओं एवं श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण किया। शोभायात्रा के दौरान क्षेत्र में आस्था, भक्ति और उत्सव का अद्भुत माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर विधायक ईश्वर मंडल ने क्षेत्र के तेलहन, खरुआ सहित दर्जनों पूजा पंडालों का भ्रमण कर भगवान द्वारकाधीश के दर्शन किए। उन्होंने पूजा-अर्चना कर विश्व कल्याण, क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और आपसी भाईचारे की कामना की।विधायक ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें धर्म, सत्य, कर्म और लोककल्याण का संदेश देता है। कृष्णोत्सव जैसे धार्मिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और सांस्कृतिक एकता को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की कृपा सभी पर बनी रहे और समाज में शांति एवं समृद्धि कायम हो। इस दौरान पूजा समितियों के सदस्यों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने विधायक ईश्वर मंडल का पाग चादर एवं गुलदस्तों से स्वागत किया। मौके पर मुरारी मोहन मिश्र, रामविलास यादव, देवनारायण ठाकुर, अजय राम, विजय पोद्दार, राम ठाकुर, परितोष यादव, शंकर वर्णवाल, संजय यादव, धनेश्वर मंडल, सुनील सिंह अशोक गिरी, जेतेश्वर चौधरी, मनोज मंडल सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

सेवा संकल्प अभियान को लेकर भाजपा की जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा)। भारतीय जनता पार्टी दरभंगा पूर्वी जिला के तत्वावधान में बेनीपुर स्थित कपूर्री भवन परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों को समर्पित सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। अध्यक्षता भाजपा दरभंगा पूर्वी जिलाध्यक्ष विनय पासवान ने की, जबकि संचालन जिला सह कोषाध्यक्ष संतोष ने किया। कार्यशाला में जिला महामंत्री संजय सिंह उर्फ पप्पू सिंह एवं जिला प्रभारी राजीव रंजन विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यशाला में अभियान की रूपरेखा, संगठनात्मक तैयारियों, आगामी कार्यक्रमों तथा कार्यकताओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष विनय पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन सेवा, सुशासन और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण की प्रेरणादायी यात्रा है। अभियान के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा एवं जनकल्याण की भावना पहुंचाई जाएगी। अभियान के संयोजक संजय सिंह ह्यपप्पू सिंहह्न ने कहा कि यह केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्रनिर्माण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान है। उन्होंने जनधन, उज्ज्वला, प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत, जल जीवन मिशन, मुद्रा, पीएम किसान एवं डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं को जनकल्याणकारी उपलब्धियां बताया। जिला प्रभारी राजीव रंजन ने कार्यकताओं से सभी कार्यक्रमों को पूरी निष्ठा एवं सक्रियता से सफल बनाने का आह्वान किया। इस दौरान जनसंघ कालीन कार्यकर्ता बचनू मंडल के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष सरिता देवी, राधेश्याम झा, सुधा देवी, निरज चौधरी, प्रदीप प्रधान, रामनरारण ठाकुर, बैधनाथ प्रसाद सिंह, लाल मुखिया, सुधीर कुमार सिंह, चंदन ठाकुर, तृपित यादव, निभा देवी, रजनीश सुंदरम, रामभजन पासवान, प्रकाश सहनी सहित पार्टी के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, जिला कार्यसमिति सदस्य एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महामंत्र की गूंज से भक्तिमय हुआ मकरंदा, राधा-गोविंद मंदिर

● नौ दिनों से अनवरत संकीर्तन से गांव में उत्सव का माहौल, कृष्ण-भक्ति में सराबोर ग्रामीण

प्रात: किरण संवाददाता

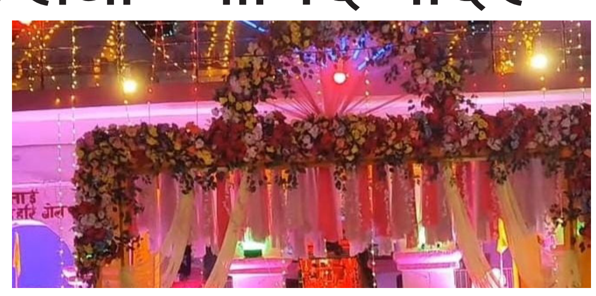

मनीगाछी(दरभंगा) . तीन दिवसीय कृष्ण जन्माष्टमी पूजा मनीगाछी प्रखंड क्षेत्र में धूमधाम से मनाया जा रहा है।मकरंदा एवं माउबेहट गाँव में स्थायी रूप से बने राधाकृष्ण मंदिर के साथ ही मनीगाछी, नेहरा, राघोपुर, जतुका सहित प्रखंड क्षेत्र के कई गाँवों में अस्थायी रूप से पूजा पंडालों में राधाकृष्ण की प्रतिमा स्थापित कर धूमधाम से कृष्ण जन्माष्टमी पूजा मनाया जा रहा है। इस अवसर पर मंदिरों एवं पूजा पंडालों को आकर्षक रंग बिरंगी लाईटों से सजाया गया है। इस अवसर पर कई पूजा स्थलों पर पूजा कमिटी के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है।इस अवसर पर जतुका में भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई। वहीं प्राचीन मकरंदा स्थित श्री राधा-गोविंद मंदिर इन दिनों भक्ति, आस्था और उल्लास के दिव्य प्रकाश से आलोकित है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन उत्सव को लेकर मंदिर परिसर में नौ दिनों से निरंतर महामंत्र संकीर्तन किया जा रहा है। हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे। हरे राम हरे राम, राम राम हरे हरेह्व की मधुर अनुगूंज से पूरा गांव कृष्णमय हो उठा है। सुबह से संध्या तक गूंजते महामंत्र के बीच वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा और उत्सव का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है।अत्यंत प्राचीन यह श्री राधा-गोविंद मंदिर क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां वर्षभर दूर-दराज से आने वाले साधु-संतों एवं महात्माओं की सेवा-सत्कार की परंपरा चली आ रही है। श्रद्धालुओं के लिए समय-समय पर भंडारे का आयोजन भी किया जाता है। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर को विशेष रूप से सजाया गया है। तथा धार्मिक अनुष्ठानों एवं कार्यक्रमों की तैयारियां की गई है। ग्रामीण प्रो प्रीतम कुमार मिश्र ने बताया कि नौ दिनों से चल रहे महामंत्र संकीर्तन ने पूरे गांव को उत्सव के रंग में रंग दिया है। उन्होंने कहा कि कलियुग में भगवान के नाम-स्मरण और संकीर्तन की महिमा अत्यंत व्यापक है। नाम-संकीर्तन मनुष्य को आध्यात्मिक शांति प्रदान करते हुए मुक्ति के मार्ग की ओर ले जाता है। शांतिपूर्ण पूजा सम्पन्न कराने को लेकर मनीगाछी, नेहरा एवं बाजितपुर थाना के थानाध्यक्ष क्रमशः रंजीत कुमार सिंह, मोती कुमार एवं मुकेश कुमार अपने अपने थाना क्षेत्र के पूजा स्थलों का लगातार भ्रमण कर पूजा कमिटी के सदस्यों से शांतिपूर्वक पूजा करने के लिए आग्रह कर रहे हैं। उन्होंने पूजा कमिटी के सदस्यों से असमाजिक तत्वों पर विशेष ध्यान रखने के लिए कहा। ऐसे लोगों की सूचना तुरंत थाना को देने के लिए कहा।

जनसंघ कालीन वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता बचनू मंडल को दी श्रद्धांजलि

प्रात: किरण संवाददाता

अलीनगर(दरभंगा)। प्रखंड अंतर्गत नरमा-नावानगर पंचायत के नावानगर निवासी एवं जनसंघ कालीन वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता स्व. बचनू मंडल के असामयिक निधन पर शुक्रवार को भाजपा कार्यकताओं द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यकताओं ने उनके तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन धारण किया तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। सभा को संबोधित करते हुए स्व. बचनू मंडल के पुराने साथी तुफानी बाबा ने उनके साथ बिताए दिनों एवं संगठन के प्रति उनके समर्पण से जुड़ी स्मृतियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि स्व. मंडल ने कठिन दौर में भी संगठन के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखी और कार्यकताओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष विनय पासवान ने कहा कि स्व. बचनू मंडल का जीवन संगठन के प्रति समर्पण और विचारधारा के प्रति निष्ठा का उदाहरण रहा। भाजपा जिला महामंत्री संजय सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने कहा कि उनके निधन से पार्टी एवं समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। उनका सरल व्यक्तित्व और कार्यकताओं के साथ आत्मीय संबंध सदैव स्मरणीय रहेगा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष लाल मुखिया, प्रदीप प्रधान, बैद्यनाथ प्रसाद सिंह, बब्लू झा, पंचायत अध्यक्ष श्रवण झा, गंगाराम सहनी, संतोष मंडल, रामसागर ठाकुर, राजीव झा, जानकी झा, कमलेश मंडल सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभा के अंत में उपस्थित लोगों ने शोकाकुल परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की कामना की।

शिक्षक : राष्ट्र-निर्माण का शिल्पकार : प्रो मुश्ताक अहमद

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। हर वर्ष 5 सितंबर को भारत में शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिन केवल शिक्षकों को बधाई देने, फूल भेंट करने या समारोह आयोजित करने का दिन नहीं है, बल्कि यह आत्ममंथन का भी एक महत्वपूर्ण अवसर है कि हम अपने शिक्षकों, अपनी शिक्षा-व्यवस्था और नई पीढ़ी के निर्माण के बारे में गंभीरता से विचार करें। कोई भी राष्ट्र तब तक वास्तविक अर्थों में प्रगति नहीं कर सकता, जब तक उसकी शिक्षा-व्यवस्था की नींव मजबूत न हो और उस व्यवस्था में शिक्षक को उसका उचित स्थान प्राप्त न हो। इमारतें, सड़कें, कारखाने, आधुनिक तकनीक और आर्थिक संसाधन किसी देश के विकास के लिए निस्संदेह आवश्यक हैं, लेकिन इन सभी संसाधनों को सही दिशा देने वाली मानवीय क्षमता का निर्माण करने का मूल दायित्व शिक्षक ही निभाता है। शिक्षक केवल पुस्तक का पाठ पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं होता। वह पीढ़ियों का शिल्पकार, समाज का मार्गदर्शक, चरित्र का प्रहरी और भविष्य का योजनाकार होता है। एक अच्छा शिक्षक अपने विद्यार्थी को केवल यह नहीं बताता कि दुनिया क्या है, बल्कि उसे यह सोचने की क्षमता भी देता है कि दुनिया कैसी होनी चाहिए। इसीलिए दुनिया के इतिहास पर दृष्टि डालें तो हर बड़े बौद्धिक, सांस्कृतिक और सामाजिक परिवर्तन की पृष्ठभूमि में शिक्षक, विचारक और शिक्षाविद् की भूमिका किसी न किसी रूप में अवश्य दिखाई देती है। भारत में शिक्षक दिवस डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। वे महान दार्शनिक, विद्वान, शिक्षक और भारत के दूसरे राष्ट्रपति थे। उनका व्यक्तित्व इस बात का प्रतीक है कि एक शिक्षक अपनी ज्ञान-संपदा, बौद्धिक दृष्टि और नैतिक चरित्र के माध्यम से राष्ट्रीय जीवन में कितना महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। उनके जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाना वास्तव में भारतीय समाज में शिक्षक के सम्मान और शिक्षा के महत्व की स्वीकृति भी है। किसी देश के विकास का वास्तविक पैमाना केवल उसकी प्रति व्यक्ति आय, ऊँची इमारतें या आधुनिक राजमार्ग नहीं हैं। वास्तविक विकास तब होता है, जब देश के नागरिक शिक्षित, जागरूक, जिम्मेदार, चरित्रवान तथा वैज्ञानिक और तार्किक सोच से संपन्न हों। यही वह बिंदु है जहाँ शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। एक डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, न्यायाधीश, प्रशासक, पत्रकार, साहित्यकार, उद्योगपति या राजनीतिज्ञ अपने-अपने क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त करने से पहले किसी न किसी शिक्षक से शिक्षा ग्रहण करता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो शिक्षक प्रत्यक्ष रूप से केवल कुछ विद्यार्थियों को शिक्षा देता है, लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से वह पूरे राष्ट्र के निर्माण में योगदान करता है। यदि शिक्षक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देगा तो उसके विद्यार्थी भविष्य में योग्य डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, प्रशासक और जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। यदि शिक्षक विद्यार्थियों में शोध, ईमानदारी, परिश्रम, सहिष्णुता और मानवता की भावना विकसित करेगा तो यही गुण समाज में भी स्थानांतरित होंगे। इसलिए शिक्षक का कार्य कक्षा की चारदीवारी तक सीमित नहीं है; उसका प्रभाव पूरे राष्ट्रीय जीवन पर पड़ता है। वर्तमान युग में जानकारी प्राप्त करना पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गया है। मोबाइल फोन, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने सूचनाओं की दुनिया को हमारी उँगलियों तक पहुँचा दिया है। एक विद्यार्थी कुछ ही सेकंड में किसी भी विषय पर हजारों पृष्ठों की जानकारी प्राप्त कर सकता है। ऐसे समय में यह प्रश्न और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है कि जब जानकारी हर जगह उपलब्ध है, तो शिक्षक की आवश्यकता क्या है? इसका उत्तर यह है कि शिक्षा केवल जानकारी एकत्र करने का नाम नहीं है। शिक्षा यह समझने का नाम है कि कौन-सी जानकारी सही है और कौन-सी गलत; किस सूचना पर विश्वास किया जाए और किस पर प्रश्न उठाया जाए; ज्ञान का जीवन में किस प्रकार उपयोग किया जाए और ज्ञान को विवेक में कैसे परिवर्तित किया जाए।

जयनगर में दो बड़े लूटकांडों का खुलासा, टॉप-10 वांछित अपराधी चंदन यादव गिरफ्तार

मधुबनी। जयनगर थाना पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने थाना क्षेत्र में हुए दो बड़े लूटकांडों का सफल उद्भेदन करते हुए जिले के टॉप-10 वांछित अपराधियों में शामिल कुख्यात अपराधी चंदन यादव को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 1 जून 2026 को रिलायंस स्मार्ट पॉइंट के पास रेडियंट कैश मैनेजमेंट सर्विसेज के कर्मी धर्मेंद्र कुमार महतो से हथियार के बल पर करीब 6.15 लाख रुपये से भरा बैग लूट लिया गया था। मामले में जयनगर थाना कांड संख्या 251/26 दर्ज किया गया था। घटना के उद्भेदन के लिए एसडीपीओ जयनगर के नेतृत्व में जयनगर थाना पुलिस एवं एसटीएफ की संयुक्त टीम गठित की गई थी। टीम ने तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज और मानवीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए औंसी थाना क्षेत्र से चंदन यादव को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान पुलिस के मुताबिक, चंदन यादव ने उक्त लूटकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार करने के साथ ही 24 नवंबर 2025 को जयनगर कमला पुल के समीप वैद्यनाथ सर्विस स्टेशन के मैनेजर दीपक कुमार से हथियार के बल पर हुई 8.50 लाख रुपये की लूट में भी अपनी संलिप्तता बताई। इस मामले में जयनगर थाना कांड संख्या 416/25 दर्ज है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की गिरफ्तारी से दोनों लूटकांडों का खुलासा हुआ है। लूटी गई राशि की बरामदगी तथा गिरोह के अन्य फरार सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस आरोपी के अन्य आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटा रही है। गिरफ्तार चंदन यादव मधुबनी जिले के जयनगर थाना क्षेत्र के सहोरिया गांव का रहने वाला है।

संस्कृत विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर सम्मान समारोह

दरभंगा।कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर शनिवार 05 सितम्बर को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। मुख्यालय के दरबार हॉल में अपराह्न 02 बजे कुलपति प्रो लक्ष्मी निवास पांडेय की अध्यक्षता में प्रस्तावित कार्यक्रम में शिक्षक पदाधिकारी समेत कई कर्मियों को सम्मानित किया जाएगा। संस्कृत प्रेमी विश्वविद्यालय के सिंडिकेट सदस्य सह सीनेटर विधायक डॉ विनय कुमार चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाएंगे। वहीं, प्रो० दिलीप कुमार झा के संयोजकत्व में आयोजित सम्मान समारोह की विशिष्ट अतिथि कैम्पस की एसबीआई शाखा की प्रबन्धक सुनीति होंगी। सेवानिवृत प्राचार्य डॉ० अमरनाथ मिश्र, डॉ० विनोद कुमार पाण्डेय तथा डॉ० श्रवण कुमार चौधरी की भी गरिमामय उपस्थिति रहेगी। डॉ० यदुवीर स्वरूप शास्त्री के मंच संचालन में आयोजित कार्यक्रम में प्रो दिलीप कुमार झा स्वागत भाषण देंगे जबकि धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ० दिनेश झा करेंगे।

नेपाली शराब की 120 बोतलो के साथ नाबालिग पकड़ा गया

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर भारत-नेपाल सीमा पर शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), जयनगर की ह्यबीह्व कंपनी ने 36 लीटर नेपाली शराब के साथ एक नाबालिग को पकड़ा है।जानकारी के अनुसार, 4 सितंबर की सुबह करीब 4:10 बजे सीमा स्तंभ संख्या 298/01 के समीप नाका पार्टी तैनात थी। इसी दौरान नेपाल की ओर से कुछ संदिग्ध व्यक्ति बोरे लेकर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करते दिखाई दिए। एसएसबी जवानों को देखते ही वे बोरे छोड़कर भागने लगे। कार्रवाई के दौरान एक नाबालिग को सामान के साथ पकड़ लिया गया। तलाशी में बोरे से नेपाली सोफी शराब की 300 मिलीलीटर वाली 120 बोतलें बरामद हुईं, जिसकी कुल मात्रा 36 लीटर बताई गई है। पकड़ा गया नाबालिग सीतामढ़ी जिले के चोरौत थाना क्षेत्र के परिगामा गांव का रहने वाला बताया गया है।एसएसबी के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में शराब नेपाल से भारत लाए जाने की जानकारी मिली है। बरामद शराब और नाबालिग को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मधवापुर थाना, मधुबनी के सुपुर्द करने की प्रक्रिया की जा रही है। 48वीं वाहिनी के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर अवैध शराब एवं अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी रोकने के लिए एसएसबी लगातार निगरानी और कार्रवाई कर रही है।

मधुबनी की सड़को के लिए विधायक माधव आनंद की पहल, आरडब्ल्यूडी सचिव को सौपे तीन प्रतिनिधित्व

रहिका और पंडौल की ग्रामीण सड़को के पक्कीकरण व जर्जर पथो के पुनर्निर्माण की मांग

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। मधुबनी विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण सड़कों के पक्कीकरण, जर्जर सड़कों के पुनर्निर्माण और बेहतर कनेक्टिविटी को लेकर विधायक माधव आनंद ने पहल की है। उन्होंने 3 सितंबर को बिहार विधानसभा में आरडब्ल्यूडी से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के दौरान क्षेत्र की सड़क समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।बिहार विधानसभा की शून्यकाल समिति के सभापति एवं मधुबनी विधानसभा क्षेत्र-36 के विधायक माधव आनंद ने ग्रामीण कार्य विभाग के सचिव को तीन अलग-अलग प्रतिनिधित्व सौंपे। पहले प्रतिनिधित्व में रहिका प्रखंड की विभिन्न महत्वपूर्ण ग्रामीण सड़कों को मुख्यमंत्री सड़क संपर्क योजना के तहत पक्कीकरण कराने का आग्रह किया गया। दूसरे प्रतिनिधित्व में विधानसभा क्षेत्र की अनुरक्षण अवधि समाप्त हो चुकी एवं जर्जर सड़कों की स्वीकृति प्रदान कर निर्माण और पुनर्निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने की मांग की गई।वही, तीसरे प्रतिनिधित्व में पंडौल प्रखंड की विभिन्न महत्वपूर्ण ग्रामीण सड़कों के पक्कीकरण, निर्माण एवं आपसी कनेक्टिविटी से संबंधित प्रस्ताव विभाग को सौंपा गया। तीनों प्रतिनिधित्वों के साथ संबंधित सड़कों की सड़कवार सूची एवं विस्तृत विवरण भी विभाग को उपलब्ध कराया गया है।विधायक माधव आनंद ने कहा कि ग्रामीण सड़कें केवल आवागमन का साधन नहीं हैं, बल्कि गांवों के विकास, किसानों की सुविधा, बच्चों की शिक्षा और आम लोगों के बेहतर जीवन से जुड़ी हैं। बेहतर सड़क एवं कनेक्टिविटी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि मधुबनी की जनता की जायज समस्याओं को विधानसभा में उठाने के साथ-साथ संबंधित विभाग के समक्ष रखना और उनके समाधान के लिए लगातार प्रयास करना उनका दायित्व है। उनका प्रयास है कि मधुबनी विधानसभा क्षेत्र का कोई भी गांव या टोला आवश्यक सड़क और बेहतर कनेक्टिविटी से वंचित न रहे।

मलिक लक्ष्मी नारायण मंदिर में 300 वर्षो से जारी कृष्ण जन्मोत्सव की परंपरा

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। बासोपट्टी प्रखंड के उछाल गांव स्थित ऐतिहासिक श्री श्री 1008 मलिक लक्ष्मी नारायण मंदिर में इस वर्ष भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव भव्य एवं पारंपरिक तरीके से मनाया जाएगा। मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की 300 वर्षों से अधिक पुरानी परंपरा आज भी अनवरत जारी है। जन्माष्टमी के अवसर पर आसपास के क्षेत्रों के साथ-साथ दूर-दराज से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं।स्थानीय श्रद्धालुओं के अनुसार, मंदिर परिसर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के साथ जन्म से लेकर छठियार तक छह दिनों तक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इस दौरान भजन-कीर्तन, रामनाम धुन संकीर्तन एवं भजन संध्या से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो जाता है। श्रद्धालुओं में मंदिर के प्रति गहरी आस्था है और उनका मानना है कि यहां सच्चे मन से की गई प्रार्थना से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। आयोजन समिति के अध्यक्ष मनोज झा एवं संरक्षक राजा बाबू ने बताया कि इस वर्ष महोत्सव को विशेष रूप से भव्य स्वरूप दिया गया है। समारोह में कई विशिष्ट अतिथियों एवं गणमान्य लोगों के साथ देश-प्रदेश के प्रसिद्ध कलाकार भी अपनी प्रस्तुति देंगे। उन्होंने बताया कि 4 सितंबर को संध्याकालीन भजन संध्या के बाद भव्य श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा। 5 एवं 6 सितंबर को 24 घंटे का रामनाम धुन संकीर्तन होगा। 7 एवं 8 सितंबर को दिल्ली के प्रसिद्ध भजन सम्राट मदन मोहन एवं उनकी टीम द्वारा भजन संध्या प्रस्तुत की जाएगी। वहीं 9 सितंबर को गायिका अमृत कुमारी एवं उनकी टीम की भजन संध्या के साथ छठियार उत्सव का आयोजन किया जाएगा।आयोजन समिति के अनुसार, जन्मोत्सव से लेकर छठियार तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन में अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष गोल्ड मेडल से अलंकृत ज्योतिष रत्न गुरुजी डॉ. गौतम ऋषि जी का पावन सानिध्य भी श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। इसके अलावा जिले के प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा सामाजिक एवं अन्य क्षेत्रों से जुड़ी कई विशिष्ट हस्तियों के शामिल होने की संभावना है।महोत्सव को लेकर उछाल गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा एवं कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

कृषि विश्वविद्यालय में प्रभावी शोध लेखन और प्रकाशन विषय पर कार्यशाला आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय द्वारा गुरुवार को प्रभावी शोध लेखन और प्रकाशन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन पंचतंत्र हॉल में किया गया। कार्यशाला में पीजी और पीएचडी के 150 से अधिक छात्रों एवं विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने ने भाग लिया। कार्यशाला में अध्यक्षीय भाषण देते हुए कुलपति डॉ. पी. एस. पाण्डेय ने कहा कि अच्छा शोध तभी सार्थक है जब वह सही मंच पर प्रकाशित हो और किसानों व वैज्ञानिक समुदाय तक पहुंचे। शोध लेखन केवल डिग्री के लिए नहीं, बल्कि ज्ञान के सृजन और राष्ट्र के विकास के लिए होना चाहिए। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय को कोशिश है कि पूसा का हर छात्र एवं वैज्ञानिक उच्च प्रभाव वाले जर्नल में प्रकाशन के कौशल में निपुण हो। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में प्रो. के. वीरंजनेयुलु, पूर्व प्रोफेसर एवं विश्वविद्यालय लाइब्रेरियन, वारंगल ने दो सत्रों में छात्रों का मार्गदर्शन किया। अपने व्याख्यान में उन्होंने कहा, कि आज के डिजिटल युग में केवल शोध करना काफी नहीं, उसे सही की-वर्ड, सही जर्नल और सही प्लेटफॉर्म पर प्रस्तुत करना आना चाहिए। उन्होंने छात्रों और वैज्ञानिकों को प्रीडेटरी जर्नल से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि शोध का एक अच्छा शीर्षक और सार ही आपके पेपर की आधी स्वीकृति तय कर देता है। दूसरे सत्र में उन्होंने छात्रों को विदेशी विश्वविद्यालयों में पोस्ट-डॉक्टरल अवसरों, फेलोशिप और वैश्विक शोध नेटवर्किंग के टिप्स दिए। कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए कालेज आफ बेसिक साइंस के अधिष्ठाता डॉ. अमरेश चंद्रा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों में शोध की गुणवत्ता और लेखन कौशल को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करना है। उन्होंने कहा कि अकादमिक दुनिया में आज वैज्ञानिक की पहचान है और इससे विश्वविद्यालय की रैंकिंग भी सुदृढ़ होती है। पीजीसीए के डीन डॉ. मयंक राय, ने कहा कि स्नातकोत्तर छात्रों के लिए शोध लेखन की बारीकियों को समझाना अत्यंत आवश्यक है और इस तरह की कार्यशालाएं उन्हें भविष्य में बेहतर वैज्ञानिक बनने में मदद करेंगी। कार्यशाला के दौरान प्रश्नोत्तर सत्र भी हुआ, जिसमें छात्रों ने जर्नल चयन, प्लेजरिज्म, इम्पैक्ट फैक्टर और रिसर्च प्रपोजल लेखन से जुड़े सवाल पूछे। कार्यशाला में डीन फिशरीज डॉ पी पी श्रीवास्तव, निदेशक एग्री-बिजनेस डॉ रामदत्त, पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ राकेश मणि शर्मा, डॉ कुमार राज्यवर्धन समेत विभिन्न शिक्षक वैज्ञानिक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है डॉ. श्याम शरण का

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। डॉ.श्याम शरण, असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, राजेंद्र कॉलेज,छपरा में शिक्षण का कार्य कर रहे हैं इसके पूर्व वे भारतीय डाक विभाग, सारण प्रमंडल, छपरा बिहार में (30.09.1997 से 29.05.2023) एवं कमला राय महाविद्यालय, गोपालगंज तथा अब राजेंद्र कॉलेज, छपरा, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार (30.05.2023 से अब तक) में लगभग 29 वर्षों की अपनी नौकरी के दौरान स्वयं उच्च शिक्षा ग्रहण एवं स्वयं में शिक्षा के प्रति जागृति के माध्यम से बिहार राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में बहुमूल्य एवं उल्लेखनीय योगदान अनवरत देते आए है । ये अपनी नौकरी के दौरान भारतीय डाक विभाग, सारण प्रमंडल, छपरा, (बिहार) द्वारा अपने संयोजकत्व में स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों के बीच पत्र लेखन प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता हमेशा कराते रहे हैं । 27.09.2023 को ये अपने संयोजकत्व में सारण को महापण्डित राहुल सांकृत्यायन की देन विषय पर हिन्दी विभाग, कमला राय महाविद्यालय, गोपालगंज (बिहार) की ओर से राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस आयोजन से गोपालगंज के अलावा देशभर से आए प्राध्यापकगण, शोधार्थियों एवं छात्रों को महापंडित राहुल सांकृत्यायन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के विषय में जानकारी मिली । विदित हो कि डॉ.श्याम शरण पिछले तीन दशकों से एक स्वयंसेवी संस्था के माध्यम से बच्चों की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी निःस्वार्थ एवं निःशुल्क करा रहे हैं।22 दिसंबर 1995 को मौना हुस्से छपरा की एक छोटी सी गली में इन्होंने अपने कुछ उत्साही मित्रों के साथ मिलकर यूनिक सोसाइटी ऑफ एजुकेशन (यूज), छपरा, बिहार के नाम से स्वयंसेवी सामाजिक संगठन बनाया। इस यूज संस्था द्वारा जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क मार्गदर्शन के कार्यक्रम का संचालन सन् 1996 से 2018 तक गंगा सिंह महाविद्यालय, छपरा में, 2018 से 2022 तक छपरा रेलवे स्टेशन के परिसर में स्थित शिव मंदिर के प्रांगण में, कुछ दिनों तक लक्ष्मी नारायण यादव अध्ययन केंद्र, राम जयपाल कॉलेज, छपरा में हुआ । अब इस इस संस्था के प्रतियोगी कार्यक्रमों का संचालन अनवरत सारण पुस्तकालय, डाक बंगला रोड, छपरा में संचालित हो रहा है । डॉ. शरण ने अपने जीवन का लक्ष्य बनाया : स्वयं उच्च शिक्षा ग्रहण करना एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को मुफ्त यानी निःशुल्क शिक्षा देना। डॉ शरण ने डाक विभाग की नौकरी में रहकर ही दूरस्थ शिक्षा से तीन विषयों हिन्दी, इतिहास तथा पत्रकारिता एवं जनसंचार से स्नातकोत्तर के साथ ही अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा किया।

संक्षिप्त खबरें

सड़क हादसे में एक युवक की मौत,दूसरा घायल

मुजफ्फरपुर । जिले के सरैया थाना क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल है। यह हादसा बीएसएनएल एक्सचेंज के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को सामने से टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर सवार दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे के बाद ट्रक चालक गाड़ी समेत मौके से फरार हो गया। घटना के बाद हादसे वाली जगह पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों की मदद की।मृतक और गंभीर रूप से घायल युवक जैतपुर थाना क्षेत्र के रामपुर विश्वनाथ गांव के रहने वाले बताएं गए हैं। गंभीर रूप से घायल युवक सरोज कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। बाइक पर सवार दूसरे युवक रमेश कुमार की हादसे वाली जगह पर ही मौत हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही सरैया पुलिस हादसे वाली जगह पहुंची। पुलिस ने मृतक रमेश कुमार के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने विदेशी शराब के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन एवं खरीद-बिक्री के विरुद्ध पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में जजुआर ओपी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 108 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की और एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मिली गुप्त सूचना के आधार पर जजुआर ओपी की पुलिस टीम ने ग्राम सैदपुर में छापेमारी की। इस दौरान कृष्णानंद कुमार को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से कुल 108 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। मामले को लेकर कटरा थाना में कांड संख्या 230/26 दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के साथ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं, आरोपी के आपराधिक इतिहास का भी पता लगाया जा रहा है।

सूखा पीपल का पेड़ दे रहा हादसे को न्योता, प्रशासन से हटाने की मांग

जलालपुर। प्रखंड क्षेत्र की माधोपुर पंचायत के माधोपुर चौक से कटेसर जाने वाली सड़क के किनारे वार्ड संख्या पांच में सूखा पीपल का पेड़ राहगीरों के लिए खतरे का कारण बना हुआ है। पेड़ पूरी तरह सूख चुका है और इसकी सूखी डालियां आए दिन सड़क पर गिर रही हैं। ग्रामीणों के अनुसार, इसकी चपेट में आने से कई राहगीर घायल भी हो चुके हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क पर लगातार आवागमन रहता है। ऐसे में पेड़ की कमजोर डालियां कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती हैं। मामले की जानकारी जलालपुर के अंचल अधिकारी को भी दी गई है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि अब तक पेड़ को हटाने की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। स्थानीय मुखिया धर्मेंद्र यादव एवं ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित को देखते हुए सूखे पेड़ को शीघ्र हटाया जाए। वार्ड संख्या पांच की वार्ड सदस्य गीता देवी ने भी चिंता जताते हुए कहा कि पेड़ सरकारी जमीन पर स्थित होने के कारण ग्रामीण स्वयं इसे हटाने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यदि यही पेड़ किसी निजी जमीन पर होता तो अब तक उसे हटा दिया गया होता। ग्रामीणों का कहना है कि पेड़ सरकारी जमीन पर होने के कारण वे स्वयं इसे काटने से भी बच रहे हैं, क्योंकि इससे कानूनी परेशानी उत्पन्न हो सकती है। लोगों ने प्रशासन से यथाशीघ्र सूखे पेड़ और उसकी खतरनाक डालियों को हटाने की मांग की है, ताकि किसी बड़ी अनहोनी को टाला जा सके।

अंतरजातीय प्रेम-विवाह के तीन महीने बाद विवाहिता की संदिग्ध मौत

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । अंतरजातीय प्रेम विवाह के महज तीन महीने बाद नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मृतका की पहचान मुजफ्फरपुर सरैया थाना क्षेत्र के बसंतपुर उत्तरी पंचायत के कोन्ही टोला निवासी वैशाली कुमारी के रूप में हुई है। वैशाली स्नातक की छात्रा थी और उसकी शादी पड़ोसी गांव के महेश कुमार सहनी से हुई थी। मौत की खबर मिलते ही मायके वाले घटनास्थल पर पहुंचे और जमकर हंगामा किया। मृतका के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए उनकी बेटी की हत्या किए जाने का गंभीर आरोप लगाया। परिजनों का कहना है कि शादी के बाद से ही उनकी बेटी को लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई थी। बताया जाता है कि महेश और वैशाली के बीच लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों अलग-अलग जातियों से होने के बावजूद अपने रिश्ते को मुकाम देने के लिए करीब तीन महीने पहले अंतरजातीय विवाह किया था। परिजनों के मुताबिक, इस शादी से युवक के परिवार के कुछ लोग नाराज थे। इसी बीच नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही सरैया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हंगामा कर रहे लोगों को समझाकर शांत कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

24 घण्टे का अखण्ड अष्टयाम श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित

नगरा ।कादीपुर पंचायत के कादीपुर गांव के ब्रह्म स्थान स्थित श्री कृष्णा के जन्माष्टमी के अवसर पर 24 घण्टे का अखण्ड अष्टयाम आयोजित किया गया। आचार्य भागवत पाठक ने वैदिक मंत्रोचारण के साथ पूजा-अर्चना किया। आचार्य श्री पाठक जी ने बताया की श्री कृष्णा जी के जन्माष्टमी के अवसर पर लगतार 37 वर्षो से अखण्ड अष्टयाम का आयोजन हो रहा हैं। क्षेत्र के समस्त ग्रामीणों के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित होता हैं। बताया जाता है कि अखण्ड अष्टयाम के समापन के बाद बारे पैमाने पर भण्डारा का आयोजन होगा। वही शनिवार को रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन होगा। मुख्य रूप पूजा-अर्चना कुमार प्रसाद व उनकी पत्नी ने किया। पंडित विवेक कुमार सहित आधा दर्जन पंडितो ने पूजा अर्चना किया। वही व्यास मण्डली ने 24 घण्टे का अखण्ड अष्टयाम में हरे राम, हरे कृष्णा के गुणगान से क्षेत्र भक्तिमय कर दिया। उधर अफौर रामचौरा स्थित राधा कृष्ण के मंदिर परिसर स्थित 24 घंटे का अखंड अष्टयाम का आयोजन किया गया तथा रात्रि में संस्कृति कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर पूजा समिति के सदस्य व आदि श्रद्धालु उपस्थित थे।

बैंक ग्राहक से छिनतई मामले में अंतर्जिला तिवारी गैंग का बदमाश गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शहर के मिठनपुरा थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े बैंक ग्राहक से दो लाख रुपये की छिनतई के मामले में पुलिस ने अंतरजिला ह्यतिवारी गैंगह्न के एक कथित शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान समस्तीपुर जिले के मथुरापुर थाना क्षेत्र के मथुरापुर झिली चौक निवासी रौशन कुमार के रूप में हुई है। मिठनपुरा पुलिस की विशेष टीम ने तकनीकी सर्विलांस के आधार पर समस्तीपुर में छापेमारी कर उसे उसके ठिकाने से गिरफ्तार किया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर घटना में शामिल अन्य अपराधियों और छीनी गई रकम के संबंध में जानकारी जुटा रही है। जानकारी के अनुसार, कटरा थाना क्षेत्र के गजुआर गांव निवासी अरविंद कुमार ठाकुर ने छिनतई को लेकर मिठनपुरा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। अरविंद कुमार ठाकुर 30 मार्च को रेड क्रॉस स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा से चेक के माध्यम से दो लाख रुपये नकद निकालकर ऑटो से अपने ससुराल बीएमपी-6 रोड, मालीघाट जा रहे थे। दोपहर करीब 12 बजे शांति कुटीर के पास जैसे ही वे ऑटो से उतरकर चालक को किराया देने लगे, तभी बाइक सवार दो अपराधियों ने झपट्टा मारकर उनके हाथ से दो लाख रुपये नकद और बैंक पासबुक रखे झोले को छीन लिया और फरार हो गए। घटना के बाद मिठनपुरा पुलिस ने बैंक से लेकर वारदात स्थल तक के रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। फुटेज में संदिग्ध बाइक सवार अपराधियों की गतिविधियां पुलिस के हाथ लगीं। इसके बाद तकनीकी अनुसंधान और मोबाइल सर्विलांस के आधार पर एक संदिग्ध की लोकेशन समस्तीपुर के मथुरापुर में ट्रेस की गई। पुलिस टीम ने वहां छापेमारी कर रौशन कुमार को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में गिरफ्तार आरोपी के कथित तौर पर अंतरजिला ह्यतिवारी गैंगह्न से जुड़े होने की जानकारी मिली है। यह गिरोह बैंक से बड़ी रकम निकालने वाले ग्राहकों की कथित रूप से रेकी कर उनके पीछे लगने और मौका मिलते ही रुपये छीनकर फरार होने के लिए जाना जाता है। पुलिस आरोपी से मुजफ्फरपुर शहर में पूर्व में हुई छिनतई और चेन स्नेचिंग की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।पुलिस अब गिरफ्तार आरोपी के अन्य साथियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। साथ ही छीनी गई दो लाख रुपये की नकदी और घटना में इस्तेमाल बाइक की बरामदगी का प्रयास भी किया जा रहा है।

शिवदाहा में धूमधाम से मनाया जा रहा श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। गायघाट प्रखंड के शिवदाहा स्थित ऐतिहासिक रामजानकी मंदिर परिसर इन दिनों भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और उल्लास से सराबोर है। श्री श्री 108 नवयुवक कृष्ण जन्माष्टमी पूजा समिति, शिवदाहा की ओर से भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। जन्माष्टमी के अवसर पर भव्य मेले का भी आयोजन किया गया है, जिसमें दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। जन्मोत्सव को लेकर पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक रोशनी और फूलों से सजाया गया है। सुबह से ही भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुट रही है। मंदिर परिसर में भक्ति गीतों और धार्मिक अनुष्ठानों से माहौल भक्तिमय बना हुआ है। पूजा समिति के अध्यक्ष सिन्टू कुमार उपाध्याय ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पूरे क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण का दर्शन-पूजन कर रहे हैं। आयोजन को लेकर समिति के सदस्य भी पूरी तरह सक्रिय हैं और श्रद्धालुओं की सुविधा का ध्यान रखा जा रहा है।जन्माष्टमी के साथ आयोजित मेले में भी लोगों की जबरदस्त चहल-पहल देखने को मिल रही है। बच्चों के लिए तरह-तरह के झूले और खिलौनों की दुकानें लगाई गई हैं। वहीं मिठाई और अन्य सामान की दुकानें भी मेले की रौनक बढ़ा रही हैं। स्थानीय लोगों के अलावा आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग परिवार के साथ मेले में पहुंच रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिवदाहा के रामजानकी मंदिर परिसर में आयोजित यह जन्मोत्सव धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक मेल-जोल का भी प्रमुख अवसर बन गया है। पूजा समिति के सदस्यों ने कहा कि इस तरह के आयोजन आपसी भाईचारे और क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मंदिर परिसर में भक्ति, आस्था और मनोरंजन का यह संगम लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

उत्पाद विभाग की टीम पर हमला, हिरासत में लिए आरोपी को छुड़ा ले गये

मुजफ्फरपुर। शराब बिक्री की सूचना पर छापेमारी करने पहुंची उत्पाद विभाग की टीम के साथ मारपीट और धक्का-मुक्की कर हिरासत में लिए गए एक आरोपी को छुड़ाने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामले में उत्पाद विभाग के अधिकारी ने सकरा थाने में पांच लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, 31 अगस्त को उत्पाद विभाग की टीम एएसआई उपेंद्र मंडल के नेतृत्व में सकरा थाना क्षेत्र के रूपनपट्टी चौक पहुंची थी। टीम को इलाके में शराब की बिक्री किए जाने की सूचना मिली थी। छापेमारी के दौरान टीम ने विशनपुर बहनगरी निवासी पंकज कुमार को हिरासत में लिया। बताया गया है कि पंकज कुमार को हिरासत में लिए जाने के बाद मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जुट गए। आरोप है कि भीड़ ने उत्पाद विभाग की टीम के साथ धक्का-मुक्की और हाथापाई की।इस दौरान सरकारी कार्रवाई में बाधा डालते हुए हिरासत में लिए गए पंकज कुमार को टीम के कब्जे से छुड़ा लिया गया। घटना के बाद उत्पाद विभाग की टीम किसी तरह मौके से निकलकर सकरा थाना पहुंची और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। पुलिस के पहुंचने तक मौके पर मौजूद आरोपी फरार हो चुके थे।प्राथमिकी में रूपनपट्टी निवासी अरविंद मिश्रा समेत पांच लोगों को नामजद किया गया है। प्राथमिकी के अनुसार, अरविंद मिश्रा वर्तमान में दरभंगा जिले में डायल-112 की गाड़ी पर चालक के रूप में कार्यरत हैं और घटना के समय मौके पर मौजूद थे। हालांकि, लगाए गए आरोपों की पुलिस जांच कर रही है। मुजफ्फरपुर के एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। जांच में दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी समेत विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

दिघरा गांव में बंदर का आतंक खत्म, छह घंटे की मशक्कत के बाद वन विभाग ने पकड़ा

मुजफ्फरपुर। सदर थाना क्षेत्र के दिघरा गांव में पिछले तीन दिनों से आतंक का पर्याय बने आक्रामक बंदर को आखिरकार वन विभाग की टीम ने छह घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद जाल और पिंजरे की मदद से पकड़ लिया। बंदर के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांसली है। बताया गया कि पिछले तीन दिनों में बंदर ने करीब 20 ग्रामीणों पर हमला कर उन्हें काटकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया था। लगातार हो रहे हमलों से गांव में दहशत का माहौल बना हुआ था। बच्चे और बुजुर्ग घरों से बाहर निकलने से भी डर रहे थे। हालात की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय सरपंच चंदन कुमार ने वन विभाग के वरीय अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की विशेष रेस्क्यू टीम आवश्यक जाल और उपकरणों के साथ दिघरा गांव पहुंची। बंदर लगातार छतों और पेड़ों पर अपनी जगह बदल रहा था, जिसके कारण उसे पकड़ने में रेस्क्यू टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। करीब छह घंटे तक चले अभियान के बाद टीम ने बंदर को सुरक्षित काबू में कर लिया और अपने साथ ले गई।

पुलिस टीम पर जानलेवा हमला मामले में पिता-पुत्र समेत तीन गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के बंदरा प्रखंड अंतर्गत बड़गांव चौक पर छह फरवरी को पुलिस टीम पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पियर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पिता-पुत्र समेत तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों को कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शुक्रवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां सुनवाई के बाद अदालत के आदेश पर तीनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, बड़गांव चौक पर कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम पर हमला किया गया था। घटना के बाद पियर थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी शुरू की। पुलिस की कार्रवाई के दौरान हमले में शामिल पिता-पुत्र समेत तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद तीनों आरोपियों से आवश्यक पूछताछ की गई और संबंधित कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शुक्रवार को उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। अदालत ने आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया, जिसके बाद पुलिस ने तीनों को जेल भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पुलिस टीम पर हमला करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और मामले में शामिल अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियां तेज, ट्रैफिक चालान मामलों का भी होगा निष्पादन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बार ट्रैफिक चालानों के निपटारे के लिए विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि पिछली लोक अदालत जैसी भीड़ और अव्यवस्था की स्थिति नहीं बने। ट्रैफिक चालान वाले वाहन मालिकों को 5 से 11 सितंबर के बीच सिविल कोर्ट एरिया बिल्डिंग में बनाए गए प्री-वेरिफिकेशन काउंटर पर जाकर अपने चालान का सत्यापन कराना होगा। सत्यापन के बाद उन्हें टोकन दिया जाएगा। इसके बाद 12 सितंबर को लोक अदालत के दिन सिर्फ भुगतान की प्रक्रिया पूरी करनी होगी ट्रैफिक चालानों के भुगतान की व्यवस्था 12 सितंबर को सिकंदरपुर स्टेडियम में की जाएगी। पहले से सत्यापन करा चुके वाहन मालिकों को लोक अदालत के दिन दोबारा वेरिफिकेशन काउंटर पर जाने की जरूरत नहीं होगी। इससे समय की बचत होगी और भीड़ को नियंत्रित करने में भी मदद मिलेगी।परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि दूसरे जिलों में दर्ज चालानों का मुजफ्फरपुर में निपटारा या माफी नहीं होगी। इसी तरह टोल प्लाजा के कैमरों से काटे गए चालान भी मुजफ्फरपुर में माफी के दायरे में नहीं आएंगे। विभाग ने वाहन मालिकों से अपील की है कि वे अपने चालान से संबंधित जानकारी पहले ही सत्यापित कर लें। परिवहन विभाग के अनुसार, लोक अदालत में केवल निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाले 90 दिनों से अधिक पुराने चालान ही माफी के दायरे में आएंगे। परिवहन विभाग से संबंधित चालानों के सत्यापन के लिए विशेष काउंटर बनाया जा रहा है।ट्रैफिक पुलिस और आईसीसीसी कैमरों से काटे गए चालानों के सत्यापन और निपटारे के लिए भी काउंटर लगाए जाएंगे। इन काउंटरों की जगह को लेकर तैयारी चल रही है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, डीटीओ से संबंधित करीब 5 हजार चालान हैं, जबकि ट्रैफिक पुलिस और आईसीसीसी कैमरों से जुड़े चालानों की संख्या 40 हजार से अधिक होने का अनुमान है। बड़ी संख्या में वाहन मालिकों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पहले से व्यवस्था की जा रही है।प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती श्वेता कुमारी सिंह ने मुजफ्फरपुर के लोगों से अपील की है कि वे 12 सितंबर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचें और अपने सुलहनीय मामलों का निशुल्क और त्वरित निष्पादन कराएं।उन्होंने बताया कि लोक अदालत में घरेलू हिंसा, बिजली से संबंधित मामले, मोटर दुर्घटना दावा और पारिवारिक विवाद समेत कई सुलहनीय मामलों का आपसी सहमति और सौहार्दपूर्ण तरीके से निपटारा कराया जा सकता है।

अनियंत्रित कार पेड़ पर चढ़ी तीन युवक गंभीर घायल

मुजफ्फरपुर।जिले के बेनीबाद थाना क्षेत्र के मिश्रौली गांव में जन्माष्टमी की तैयारी के दौरान सुबह-सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। अनियंत्रित कार सड़क किनारे पेड़ से जोरदार टकराने के बाद सीधे पेड़ के ऊपर जा चढ़ी। हादसे में तीन स्थानीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घायलों की पहचान रितेश कुमार, पिता चंदरजीत कुमार राय, रंजन कुमार, पिता हरिंदर कुमार राय और जितेश कुमार, पिता श्याम राय के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रितेश कुमार को हादसे में सबसे ज्यादा चोटें आई हैं और उनकी स्थिति अत्यंत नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल डायल-112 को सूचना दी। सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। वहीं, जानकारी मिलते ही बेनीबाद थाना पुलिस भी दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से तीनों घायलों को क्षतिग्रस्त कार से बाहर निकाला गया। इसके बाद सभी को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। दो घायलों का इलाज केवटसा चौक स्थित एक निजी अस्पताल में चल रहा है। वहीं, गंभीर रूप से घायल रितेश कुमार को पुलिस तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे के बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। कार अनियंत्रित होने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस जांच के बाद ही दुर्घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

छपरा में स्वर्ण व्यवसायी पर चाकू से हमला आभूषण लूटने का आरोप, पुलिस आपसी विवाद समेत सभी पहलुओं की कर रही जांच

छपरा कार्यालय। सारण जिला के कोपा थाना क्षेत्र में एक स्वर्ण व्यवसायी से आभूषण लूटने का मामला सामने आया है। हरदेव छपरा चंवर के पास कुछ लोगों पर स्वर्ण व्यवसायी के साथ मारपीट करने और चाकू से हमला कर आभूषण से भरा थैला लेकर फरार होने का आरोप लगाया गया है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। घायल व्यवसायी को इलाज के लिए छपरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार किया गया। घायल की पहचान वीरेंद्र साह के 28 वर्षीय पुत्र विशाल कुमार सोनी के रूप में हुई है। बताया गया कि विशाल आभूषण का कारोबार करते हैं। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, वह आभूषण लेकर कहीं जा रहे थे। इसी दौरान हरदेव छपरा चंवर के पास कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि उनके साथ मारपीट की गई और चाकू से हमला कर घायल कर दिया गया। इसके बाद आरोपी आभूषण से भरा थैला लेकर मौके से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि थैले में करीब 70 ग्राम सोने के गहने और लगभग तीन किलोग्राम चांदी के आभूषण के अलावा अन्य सामान भी था। लूटे गए आभूषणों की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।हालांकि, पुलिस जांच में घटना को लेकर एक दूसरा पहलू भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि पुराने लेन-देन और करीब 40 हजार रुपये के बकाये को लेकर पहले से विवाद चल रहा था। इसी विवाद के दौरान मारपीट होने की बात भी कही जा रही है। विशाल के हाथ पर धारदार हथियार से चोट के निशान मिले हैं। इससे प्रथमदृष्टया यह भी प्रतीत हो रहा है कि आपसी मारपीट के दौरान वह घायल हुआ हो। कोपा थाना पुलिस का कहना है कि घटना की जानकारी मिली है। घायल का इलाज कराया गया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। पुलिस घटनास्थल के आसपास की जानकारी जुटाने के साथ ही घटना में शामिल लोगों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मामला वास्तव में लूट का है या पुराने लेन-देन के विवाद में हुई मारपीट का। घटना के बाद स्वर्ण व्यवसायियों में भी चिंता का माहौल है। व्यवसायी का आभूषण लेकर आने-जाने का काम होने के कारण सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अभिनन्दन लोक कला सम्मान से सम्मानित हुए किलकारी के प्रशिक्षक

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार बाल भवन किलकारी जिला स्कूल छात्रावास में अभिनन्दन मुजफ्फरपुर द्वारा अभिनन्दन लोक उत्सव सम्मान आयोजित किया गया। इस समारोह में बिहार बाल भवन किलकारी के प्रशिक्षक को सम्मानित किया गया। अभिनन्दन संस्थान के सचिव प्रभात कुमार ने बताया कि बच्चों के विकास में प्रशिक्षक का बहुत बड़ा योगदान होता हैं। बिहार बाल भवन के बच्चों द्वारा अन्य गतिविधियों के साथ साथ लोक कला संस्कृति के प्रति गहरा लगाव हैं जिस कारण से यहाँ के बच्चें जिला, राज्य से लेकर राष्ट्रीय स्तर के मंचों पर अपनी बेहतरीन प्रस्तुति देकर सम्मान प्राप्त करते हैं। कठपुतली कलाकार सुनील कुमार ने बताया कि किसी भी देश का विकास वहां की संस्कृति से होती हैं और संस्कृति का विकास लोक संस्कृति से. एक समय में देश कला संस्कृति के मामले में बनारस और कोलकाता की ओर देखता था और बनारस और कोलकाता मुजफ्फरपुर को। अभिनन्दन संस्थान द्वारा लोक उत्सव 2026 के माध्यम से बच्चों, अभिभावक को लोक कला, संस्कृति को बेहतर तरीके से जानने का अवसर प्राप्त हुआ।प्रमण्डलीय कार्यक्रम समन्वयक पूनम कुमारी ने कहा कि बिहार बाल भवन किलकारी द्वारा लोक कलाओ का प्रशिक्षण विषय विशेषज्ञ द्वारा बच्चों को दिया जाता हैं। कला, संस्कृति, विज्ञान एवं खेल से संबंधित गतिविधियों को संचालित किया जाता हैं। 8 से 16 आयुवर्ग के बच्चें बाल भवन में नामांकन करवाकर निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।इस अवसर पर बिहार बाल भवन के प्रशिक्षक कायनात आफरीन, सीमा कुमारी, गौरीशंकर मिश्रा, अरुनीमा, अमन राज, सोनू कुमार, सौरभ कुमार, सुजाता कुमारी, रूपा पाठक, राजू सहनी, आशीष राज, बब्लू कुमार, राजीव कुमार, अर्पिता कुमारी, कृष्णनंदन कुमार, प्रियंका चौधरी एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में जयचंद्र कुमार को अभिनन्दन लोक कला सम्मान 2026 से प्रमंडल कार्यक्रम समन्वयक बिहार बाल भवन किलकारी के पूनम कुमारी, अभिनन्दन संस्थान के सचिव प्रभात कुमार एवं कार्यक्रम संयोजक कठपुतली कलाकार सुनील कुमार के हाथों प्रसस्ति पत्र एवं मैडल भेंट कर सम्मानित किया।धन्यवाद ज्ञापन पूर्णिमा बाला, सीआरपी कमीशनरी रिसोर्स पर्सन द्वारा दिया गया।

उत्तर बिहार में आज और कल बारिश-वज्रपात की संभावना

मुजफ्फरपुर। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा केंद्र एवं कृषि मौसम विभाग ने मौसम बुलेटिन जारी करते हुए उत्तर बिहार के लिए 5 से 9 सितंबर तक का मौसम पूवार्नुमान जारी किया है। पूवार्नुमान के अनुसार इस अवधि में उत्तर बिहार के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए रहने के साथ बारिश और कुछ स्थानों पर वज्रपात की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 5 और 6 सितंबर को उत्तर बिहार के कई इलाकों में मध्यम से घने बादल छाए रह सकते हैं। इस दौरान बिजली चमकने और कुछ स्थानों पर तेज हवा चलने की भी संभावना है। सीवान, समस्तीपुर, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण में मध्यम से भारी बारिश होने का अनुमान है। अन्य स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।

शिक्षक दिवस विशेष : भविष्य की दिशा और शिक्षा का नया स्वरूप है शिक्षक

डॉ. सत्यवान सौरभ

शिक्षा का स्वरूप आज जिस तीव्र गति से बदल रहा है, वैसा परिवर्तन शायद पहले कभी देखने को नहीं मिला। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, ऑनलाइन शिक्षण, आभासी कक्षाएँ और नई शिक्षण पद्धतियाँ सीखने की प्रक्रिया को नया आकार दे रही हैं। बच्चे आज किसी भी विषय की जानकारी कुछ ही क्षणों में प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जब ज्ञान और सूचना इतनी सहजता से उपलब्ध है, तब शिक्षक की भूमिका क्या रह जाएगी? वास्तव में तकनीक के विस्तार ने शिक्षक की भूमिका को कम नहीं किया, बल्कि उसे और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। आने वाले समय में शिक्षक केवल ज्ञानदाता नहीं, बल्कि जीवन-द्रष्टा, मार्गदर्शक, प्रेरक और मानवीय मूल्यों के संरक्षक होंगे। परम्परागत रूप से शिक्षक की भूमिका पुस्तकों और पाठ्यक्रम के अध्ययन-अध्यापन तक मानी जाती रही है। लेकिन आज यह भूमिका कहीं व्यापक हो चुकी है। शिक्षक विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्हें केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए तैयार करना पर्याप्त नहीं है। उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करना, सही और गलत के बीच अंतर समझना, असफलताओं से सीखना, दूसरों के प्रति संवेदनशील रहना और कठिन परिस्थितियों में संतुलित निर्णय लेना भी सिखाना आवश्यक है। डिजिटल युग ने ज्ञान की सीमाएँ लगभग समाप्त कर दी हैं। इंटरनेट और डिजिटल मंचों ने सूचना का विशाल संसार विद्यार्थियों के हाथों में पहुँचा दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कुछ ही सेकंड में किसी प्रश्न का उत्तर दे सकती है। लेकिन सूचना और ज्ञान में अंतर है तथा ज्ञान और विवेक में उससे भी बड़ा अंतर है। किसी प्रश्न का उत्तर जान लेना अलग बात है और उस उत्तर का जीवन में उचित उपयोग करना अलग। तकनीक जानकारी उपलब्ध करा सकती है, पर उसका विवेकपूर्ण उपयोग, नैतिकता और मानवीय दृष्टिकोण शिक्षक ही विकसित कर सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव और रोबोटिकी तथा स्वचालन के विस्तार के साथ रोजगार और कौशल की दुनिया भी बदल रही है। आने वाले वर्षों में अनेक पारम्परिक कार्यों का स्वरूप बदलेगा। ऐसे समय में शिक्षा की चुनौती केवल यह नहीं होगी कि विद्यार्थी क्या जानते हैं, बल्कि यह भी होगी कि वे बदलती परिस्थितियों के अनुसार कितना सीख सकते हैं, कितना सोच सकते हैं और समस्याओं का समाधान किस प्रकार कर सकते हैं। इसलिए भविष्य का शिक्षक स्वयं भी निरन्तर सीखने वाला होगा। जो शिक्षक समय के साथ अपने ज्ञान, तकनीकी दक्षता और शिक्षण-पद्धति को अद्यतन करेंगे, वही विद्यार्थियों को भविष्य के लिए बेहतर तैयार कर पाएँगे। आज सबसे बड़ी आवश्यकता शिक्षा और कौशल के बीच संतुलन स्थापित करने की है। केवल उपाधियाँ प्राप्त कर लेना जीवन की सफलता की गारंटी नहीं है। संवाद कौशल, समस्या-समाधान क्षमता, रचनात्मक सोच, निर्णय लेने की क्षमता, सहयोग की भावना और सहानुभूति जैसे गुण भी उतने ही आवश्यक हैं। शिक्षक को विद्यार्थियों में इन क्षमताओं का विकास करना होगा, ताकि वे केवल अच्छे विद्यार्थी नहीं, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बन सकें। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में शिक्षक की भूमिका और भी व्यापक हो जाती है। यहाँ शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, लोकतांत्रिक चेतना, सांस्कृतिक समझ और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण का आधार भी है। शिक्षक विद्यार्थियों को उनकी संस्कृति, परम्पराओं और मूल्यों से जोड़ते हुए उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण और संवैधानिक मूल्यों का विकास कर सकते हैं। विद्यालय की कक्षा वास्तव में भविष्य के समाज की प्रयोगशाला है। तकनीक के इस दौर में शिक्षक की सबसे बड़ी शक्ति उसकी मानवीय संवेदना है। पुस्तक ज्ञान दे सकती है, इंटरनेट सूचना दे सकता है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता उत्तर दे सकती है, लेकिन किसी विद्यार्थी की आँखों में छिपी निराशा को पहचानना, उसकी असफलता में उसका मनोबल बढ़ाना और उसे फिर से प्रयास करने की प्रेरणा देना शिक्षक ही कर सकता है। मशीन विद्यार्थी के प्रश्न का उत्तर दे सकती है, लेकिन उसके मौन का अर्थ समझना अभी भी मानवीय संवेदना का विषय है। आज परिवारों की संरचना और जीवनशैली में भी बदलाव आया है। संयुक्त परिवारों का स्वरूप सीमित हो रहा है और अनेक बच्चों को पहले की तरह परिवार के बुजुर्गों का निरन्तर मार्गदर्शन नहीं मिल पाता। ऐसे समय में शिक्षक का दायित्व और बढ़ जाता है। विद्यालय केवल पाठ पढ़ाने का स्थान नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व और जीवन-दृष्टि को आकार देने का स्थान भी है। एक संवेदनशील शिक्षक विद्यार्थी के भीतर आत्मविश्वास, अनुशासन, धैर्य और जिम्मेदारी जैसे गुण विकसित कर सकता है। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा उत्तीर्ण करना नहीं होना चाहिए। शिक्षा वह शक्ति है जो व्यक्ति को प्रश्न करना, तर्क करना, निर्णय लेना और परिस्थितियों का सामना करना सिखाती है। शिक्षा मनुष्य को केवल सक्षम नहीं, बल्कि विवेकशील और संवेदनशील भी बनाती है। यदि विद्यार्थी ऊँची उपाधियाँ तो प्राप्त कर लें, लेकिन उनमें करुणा, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी का अभाव हो, तो शिक्षा अपने वास्तविक उद्देश्य से दूर हो जाती है। समाज में सकारात्मक परिवर्तन की सबसे मजबूत कड़ी शिक्षक हैं। एक शिक्षक एक विद्यार्थी को बदलता है, विद्यार्थी परिवार को प्रभावित करता है और परिवार समाज को। इस प्रकार शिक्षक का प्रभाव एक पूरी पीढ़ी तक पहुँचता है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल संसदों, नीतियों और योजनाओं में नहीं बनता; उसका वास्तविक निर्माण कक्षाओं में होता है। कक्षा में बैठा विद्यार्थी ही आने वाले समय का वैज्ञानिक, चिकित्सक, प्रशासक, शिक्षक, जनप्रतिनिधि, उद्यमी और नागरिक बनेगा। भारतीय परम्परा में गुरु को सदैव विशेष सम्मान दिया गया है। गुरुकुल परम्परा से लेकर आधुनिक विश्वविद्यालयों तक गुरु-शिष्य संबंध ने ज्ञान के साथ संस्कारों की परम्परा को भी आगे बढ़ाया है। समय बदल गया है, शिक्षा के साधन बदल गए हैं और तकनीक ने अध्यापन की शैली बदल दी है, लेकिन गुरु की मूल भूमिका आज भी वही है—अज्ञान से ज्ञान की ओर और भ्रम से विवेक की ओर ले जाना।

राजनीति के शोर में खोता युवा भविष्य

अंकित श्रीवास्तव

आज भारत का युवा देश की सबसे बड़ी ताकत माना जाता है। उसके पास ऊर्जा, प्रतिभा, नई सोच और कुछ अलग करने का जुनून है। लेकिन चिंता की बात यह है कि युवाओं का एक बड़ा वर्ग अपने भविष्य की तैयारी से अधिक राजनीतिक बहसों, सोशल मीडिया विवादों, विरोध-प्रदर्शनों और धरनों में उलझता दिखाई देता है। लोकतंत्र में अपनी आवाज उठाना हर नागरिक का अधिकार है और गलत नीतियों के खिलाफ सवाल करना भी जरूरी है, लेकिन केवल विरोध को ही अपने जीवन का उद्देश्य बना लेना उचित नहीं है। आज का समय तेजी से बदल रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन और नई तकनीक रोजगार के पुराने तरीकों को बदल रहे हैं। आने वाले समय में वही युवा आगे बढ़ पाएगा, जो समय के साथ अपने ज्ञान और कौशल को विकसित करेगा। ऐसे में युवाओं को यह सोचना जरूरी है कि वे अगले पाँच या दस वर्षों में अपने जीवन को किस मुकाम पर देखना चाहते हैं। राजनीति को समझना गलत नहीं है, बल्कि एक जागरूक नागरिक के लिए यह जरूरी है। लेकिन राजनीति में इतना डूब जाना कि पढ़ाई, करियर, रोजगार, व्यवसाय और व्यक्तिगत विकास पीछे छूट जाए, चिंता का विषय है। कुछ घंटों का विरोध किसी मुद्दे पर ध्यान आकर्षित कर सकता है, लेकिन वर्षों की मेहनत, शिक्षा और कौशल व्यक्ति का पूरा जीवन बदल सकते हैं। आज के युवा को यह तय करना होगा कि वह केवल राजनीतिक बहसों का हिस्सा बनेगा या अपने भविष्य का निमार्ता भी बनेगा। देश को ऐसे युवाओं की जरूरत है जो सवाल पूछें, गलत के खिलाफ आवाज उठाएँ, लेकिन साथ ही अपने ज्ञान, कौशल और मेहनत से देश के विकास में योगदान भी दें। युवा शक्ति तभी राष्ट्र शक्ति बनेगी, जब विरोध की आवाज के साथ निर्माण की सोच भी मजबूत होगी।

जब दुनिया भारत की तरक्की का हिसाब खोज रही है तो क्या राजनीतिक मतभेद की कोई सीमा नहीं होनी चाहिए?

सरकार के फैसलों पर सवाल उठाना, नीतियों की आलोचना करना और सत्ता से जवाब मांगना विपक्ष का संवैधानिक दायित्व है। उसी तरह सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी है कि वह आलोचना को लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा माने और जनता के प्रति अपनी जवाबदेही को सर्वोच्च रखे। लेकिन सवाल यह है कि क्या राजनीतिक मतभेद की कोई सीमा नहीं होनी चाहिए? निश्चित रूप से होनी चाहिए। लोकतंत्र में विचारों का टकराव हो सकता है, राजनीतिक संघर्ष हो सकता है, चुनावी प्रतिस्पर्धा हो सकती है, लेकिन राष्ट्रहित से बड़ा कोई दल और राष्ट्र से बड़ा कोई नेता नहीं हो सकता है। सत्ता आज किसी एक दल के पास है, कल दूसरे के पास हो सकती है। नेता आते-जाते रहते हैं, लेकिन राष्ट्र और उसकी संस्थाएं स्थायी होती है। इसलिए पक्ष हो या विपक्ष, अंतिम कसौटी यही होनी चाहिए कि उसके कदमों से देश और जनता का हित कितना मजबूत होता है। सरकार के किसी आर्थिक आंकड़े पर सवाल उठाना गलत नहीं है। आंकड़ों की विश्वसनीयता की जांच करना तो लोकतांत्रिक व्यवस्था में जरूरी है। आर्थिक नीतियों की आलोचना भी होनी चाहिए और सरकार से यह पूछा भी जाना चाहिए कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक कितना पहुंचा।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

लेखक

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि इसमें असहमति के लिए जगह होती है। सत्ता और विपक्ष के बीच मतभेद लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी ताकत हैं। सरकार के फैसलों पर सवाल उठाना, नीतियों की आलोचना करना और सत्ता से जवाब मांगना विपक्ष का संवैधानिक दायित्व है। उसी तरह सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी है कि वह आलोचना को लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा माने और जनता के प्रति अपनी जवाबदेही को सर्वोच्च रखे। लेकिन सवाल यह है कि क्या राजनीतिक मतभेद की कोई सीमा नहीं होनी चाहिए? निश्चित रूप से होनी चाहिए। लोकतंत्र में विचारों का टकराव हो सकता है, राजनीतिक संघर्ष हो सकता है, चुनावी प्रतिस्पर्धा हो सकती है, लेकिन राष्ट्रहित से बड़ा कोई दल और राष्ट्र से बड़ा कोई नेता नहीं हो सकता है। सत्ता आज किसी एक दल के पास है, कल दूसरे के पास हो सकती है। नेता आते-जाते रहते हैं, लेकिन राष्ट्र और उसकी संस्थाएं स्थायी होती है। इसलिए पक्ष हो या विपक्ष, अंतिम कसौटी यही होनी चाहिए कि उसके कदमों से देश और जनता का हित कितना मजबूत होता है। सरकार के किसी आर्थिक आंकड़े पर सवाल उठाना गलत नहीं है। आंकड़ों की विश्वसनीयता की जांच करना तो लोकतांत्रिक व्यवस्था में जरूरी है। आर्थिक नीतियों की आलोचना भी होनी चाहिए और सरकार से यह पूछा भी जाना चाहिए कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक कितना पहुंचा। लेकिन आलोचना और अविश्वास के बीच एक महीन रेखा होती है। यदि कोई आंकड़ा सरकार के पक्ष में जाता है तो उसकी स्वतंत्र जांच की मांग करना समझ में आता है। लेकिन यदि बिना पर्याप्त प्रमाण के पहले ही यह घोषित कर दिया जाए कि आंकड़े गलत हैं, आंकड़े बनाए गए हैं या पूरी व्यवस्था ही हेरफेर पर आधारित है, तो सवाल उठता है कि क्या यह आलोचना है या राजनीतिक पूर्वाग्रह? लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार को कठघरे में खड़ा करना है, लेकिन देश को कठघरे में खड़ा करना नहीं। जैवमंडल के किसी भी भूखंड पर कदम रखिए, एक सामान्य मानवीय प्रवृत्ति से सामना होगा वह है ईर्ष्या। जहां कोई आगे बढ़ता है, वहां कुछ लोग उसकी सफलता में अपनी असफलता का प्रतिबिंब देखने लगते हैं। यह प्रवृत्ति व्यक्ति तक सीमित नहीं रहती। कभी परिवार में दिखाई देती है, कभी समाज में और कभी राष्ट्रों के बीच भी। भारत भी इससे अछूता नहीं हो सकता है। एक समय था जब भारत को दुनिया की सबसे बड़ी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था और वैश्विक मंच पर उसकी भूमिका सीमित मानी जाती थी। आज परिस्थितियां बदली हैं। भारत की अर्थव्यवस्था, डिजिटल ढांचा, बुनियादी संरचना, अंतरिक्ष कार्यक्रम, विनिर्माण क्षमता और वैश्विक कूटनीतिक प्रभाव लगातार चर्चा में हैं। ऐसे में स्वाभाविक है कि दुनिया भारत के हर बड़े कदम को ध्यान से देखे। लेकिन इसी के साथ एक सवाल और खड़ा होता है कि जब दुनिया भारत की प्रगति को जांचने में लगी है, तब क्या भारत के भीतर बैठे लोगों का काम भी केवल उसमें दोष ढूंढ़ना रह जाना चाहिए? भारत की अर्थव्यवस्था से जुड़े हालिया जीडीपी आंकड़े इसी बहस का उदाहरण बन गए हैं। दूसरी छमाही में विकास दर का आंकड़ा 7.8 प्रतिशत बताया गया है। यह आंकड़ा निश्चित रूप से ऐसा है जिसे वैश्विक अर्थव्यवस्था के संदर्भ में गंभीरता से देखा जाएगा। किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए तेज विकास दर केवल एक प्रतिशत संख्या नहीं होती है। उसके पीछे रोजगार, निवेश, उत्पादन, उपभोग, बुनियादी ढांचे और भविष्य की आर्थिक क्षमता जैसे अनेक पहलू जुड़े होते हैं। इसलिए जब भारत 7.8 प्रतिशत जैसी विकास दर दर्ज करता है, तो इसका विश्लेषण होना स्वाभाविक है। दुनिया के अर्थशास्त्री पूछेंगे कि यह वृद्धि किन क्षेत्रों से आई? निजी निवेश की स्थिति क्या है? खपत कितनी मजबूत है? विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का योगदान कितना है? रोजगार का क्या असर पड़ा? वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत ने यह गति कैसे कायम रखी? ये सभी सवाल जायज हैं। लेकिन दूसरी ओर यदि कोई व्यक्ति बिना ठोस प्रमाण के यह मान ले कि वास्तविक वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत नहीं बल्कि केवल 2.6 प्रतिशत होनी चाहिए, तो उसे अपने दावे का आधार भी बताना होगा। लोकतंत्र में सवाल पूछने का अधिकार है, लेकिन सवाल के साथ प्रमाण की जिम्मेदारी भी होती है। आज भारत दुनिया की निगाहों से छिपा हुआ देश नहीं है। भारत की अर्थव्यवस्था इतनी बड़ी हो चुकी है कि उसके आर्थिक आंकड़ों का असर वैश्विक बाजारों और निवेशकों के फैसलों तक पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, रेटिंग एजेंसियां, निवेशक, आर्थिक विशेषज्ञ और दुनिया भर के शोधकर्ता भारत के आर्थिक प्रदर्शन का विश्लेषण करते हैं। ऐसे माहौल में आंकड़ों में बड़े पैमाने पर हेरफेर करना कोई आसान काम नहीं हो सकता। यदि कोई कहता है कि 7.8 प्रतिशत की विकास दर वास्तव में 2.6 प्रतिशत है, तो यह केवल राजनीतिक भाषण का विषय नहीं रह जाता है। इसके लिए मजबूत आर्थिक मॉडल, आंकड़ों की वैकल्पिक गणना और प्रमाण प्रस्तुत करने पड़ेंगे। यही वैज्ञानिक और आर्थिक विमर्श का तरीका है। दुनिया सबूत मांगती है, राजनीति अक्सर संदेह पैदा करती है। लेकिन देशहित में हमें तय करना होगा कि हम किस रास्ते पर चलना चाहते हैं। व्यंग्य के स्तर पर सोचिए कि यदि भारत ने वास्तव में ऐसे आंकड़े तैयार कर दिए जिन्हें पूरी दुनिया के अर्थशास्त्री, वित्तीय संस्थान, निवेशक और विशेषज्ञ स्वीकार कर रहे हैं, तो फिर इसे साधारण चतुराई नहीं कहा जा सकता है। क्योंकि पूरी दुनिया की निगाह किसी एक देश पर हो और फिर भी कोई देश कथित रूप से ऐसा आंकड़ा तैयार कर दे जिसे कोई पकड़

डरा हुआ शिक्षक निर्भीक राष्ट्र कैसे बनाएगा?

इसलिए यह सवाल अत्यंत महत्वपूर्ण है कि जिस शिक्षक से हम निर्भीक, लोकतांत्रिक और सवाल करने वाले युवा पीढ़ी के निर्माण की अपेक्षा करते हैं, क्या वह स्वयं आज निर्भीक होकर यह काम कर पा रहा है? आज शिक्षक की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि समाज उससे बच्चों के चरित्र निर्माण की अपेक्षा करता है, जबकि व्यवस्था और परिस्थितियां कई बार उसे भय में जीने को मजबूर करती हैं। सवाल है कि आखिर शिक्षक डरा हुआ क्यों है? शिक्षक का डर हमेशा दिखाई नहीं देता। वह कक्षा में सामान्य दिखाई देता है, बच्चों को पढ़ाता है, उपस्थिति बनाता है, परीक्षाएं लेता है और सरकारी निर्देशों का पालन करता है। ऐसा करते हुए उसके भीतर कई तरह की आशंकाएं पलतीं रहती हैं। स्थानीय स्तर पर प्रभावशाली लोगों, स्थानीय नेताओं और जनप्रतिनिधियों का दबाव शिक्षकों के लिए एक बडी चुनौती है। विद्यालय में किसका काम पहले हो, किस बच्चे के साथ क्या व्यवहार किया जाए, किस गतिविधि में किसे प्राथमिकता मिले, किसी कर्मचारी या शिक्षक के बारे में शिकायत पर क्या रुख अपनाया जाए—इन छोटे-छोटे मामलों में भी कई बार राजनीतिक या स्थानीय प्रभाव हस्तक्षेप करने लगता है।

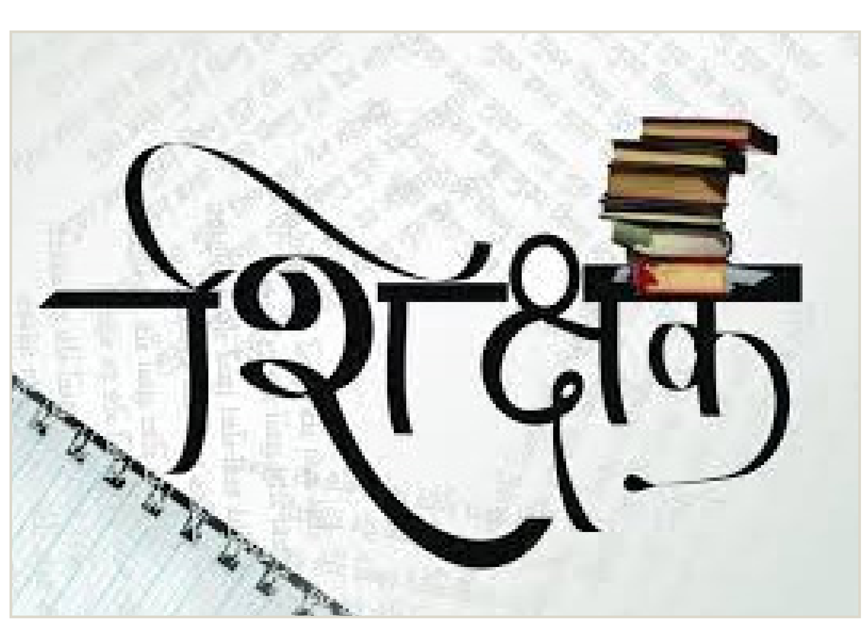

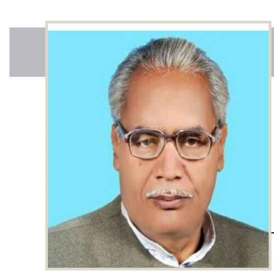

ब्रह्मानन्द ठाकुर

(लेखक)

शिक्षक को समाज ने सदियों से न केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति माना है, बल्कि उसे राष्ट्र निमार्ता कहा है। वह बच्चों को अक्षर ज्ञान देने के साथ उनमें विवेक, संस्कार, संवेदना, तर्क और सत्य के पक्ष में खड़े होने का साहस पैदा करता है। इसलिए यह सवाल अत्यंत महत्वपूर्ण है कि जिस शिक्षक से हम निर्भीक, लोकतांत्रिक और सवाल करने वाले युवा पीढ़ी के निर्माण की अपेक्षा करते हैं, क्या वह स्वयं आज निर्भीक होकर यह काम कर पा रहा है? आज शिक्षक की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि समाज उससे बच्चों के चरित्र निर्माण की अपेक्षा करता है, जबकि व्यवस्था और परिस्थितियां कई बार उसे भय में जीने को मजबूर करती हैं। सवाल है कि आखिर शिक्षक डरा हुआ क्यों है? शिक्षक का डर हमेशा दिखाई नहीं देता। वह कक्षा में सामान्य दिखाई देता है, बच्चों को पढ़ाता है, उपस्थिति बनाता है, परीक्षाएं लेता है और सरकारी निदेर्शों का पालन करता है। ऐसा करते हुए उसके भीतर कई तरह की आशंकाएं पलतीं रहती हैं। स्थानीय स्तर पर प्रभावशाली लोगों, स्थानीय नेताओं और जनप्रतिनिधियों का दबाव शिक्षकों के लिए एक बडी चुनौती है। विद्यालय में किसका काम पहले हो, किस बच्चे के साथ क्या व्यवहार किया जाए, किस गतिविधि में किसे प्राथमिकता मिले, किसी कर्मचारी या शिक्षक के बारे में शिकायत पर क्या रुख अपनाया जाए—इन छोटे-छोटे मामलों में भी कई बार राजनीतिक या स्थानीय प्रभाव हस्तक्षेप करने लगता है। शिक्षक यदि नियम के अनुसार निर्णय ले तो किसी प्रभावशाली व्यक्ति की नाराजगी का भय रहता है और यदि दबाव में नियम से समझौता करे तो अपनी जिम्मेदारी और आत्मसम्मान दोनों पर चोट लगती है। ऐसी स्थिति में शिक्षक आखिर जाए तो जाए कहां? शिक्षक का दूसरा बड़ा दबाव विभागीय व्यवस्था का है। निरीक्षण और अनुशासन आवश्यक हैं। किसी भी सरकारी व्यवस्था में जवाबदेही होनी ही चाहिए। लेकिन जवाबदेही और भय का अंतर समझना जरूरी है। कई शिक्षक यह महसूस करते हैं कि विभागीय अधिकारियों की नजर उन पर हमेशा टेढ़ी रहती है। छोटी-सी प्रशासनिक भूल, किसी रिपोर्ट में देरी, पोर्टल पर आंकड़ा अपडेट न होना, किसी निर्देश का तकनीकी रूप से पूरा न हो पाना या किसी शिकायत के आधार पर उनसे स्पष्टीकरण मांग लिया जाना—इन सबके कारण शिक्षक लगातार दबाव में रहता है। शिक्षक को यह भरोसा होना चाहिए कि यदि उससे गलती हुई है तो पहले उसे सुधारने का अवसर मिलेगा। लेकिन यदि हर गलती के पीछे दंड, निलंबन, स्थानांतरण या विभागीय कार्रवाई की आशंका बनी रहे , तो शिक्षक जोखिम उठाने और नए प्रयोग करने से बचेगा। ऐसा शिक्षक धीरे-धीरे एक रचनात्मक शिक्षक से निदेर्शों का पालन करने वाला कर्मचारी बन जाता है।शिक्षक का मूल दायित्व बच्चों को पढ़ाना है। लेकिन आज उसके जिम्मे अनेक गैर-शैक्षणिक कार्य भी आ गये हैं। चुनाव, सर्वेक्षण, जनगणना, विभिन्न सरकारी अभियानों, आंकड़ों के संकलन, ऑनलाइन पोर्टल पर रिपोर्टिंग और तरह-तरह की प्रशासनिक जिम्मेदारियां वहन करने में उसका समय और ऊर्जा खर्च हो जाता है।फिर उसी शिक्षक से अपेक्षा की जाती है कि विद्यालय का शैक्षणिक परिणाम उत्कृष्ट हो, बच्चों की उपस्थिति बढ़े, हर बच्चे की व्यक्तिगत प्रगति पर ध्यान दिया जाए और वह नई शिक्षण पद्धतियां अपनाए।सवाल यह है कि शिक्षक को यदि लगातार कागज, पोर्टल, रिपोर्ट और प्रशासनिक निदेर्शों में उलझाए रखा जाएगा तो वह बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण संवाद के लिए समय कब निकालेगा?आज का विद्यार्थी पहले जैसा नहीं रहा। उसके हाथ में मोबाइल है, इंटरनेट है और दुनिया भर की सूचनाएं उसके सामने हैं। वह शिक्षक से केवल उत्तर नहीं चाहता, वह पूछता है—क्यों? यह शिक्षा के लिए अच्छी बात है। प्रश्न करने वाला विद्यार्थी ही आगे चलकर विचारशील नागरिक बन सकता है। लेकिन इसके लिए शिक्षक को भी प्रश्नों का स्वागत करने वाला वातावरण देना होगा। डर से कक्षा में विद्यार्थी चुप तो रह सकता है, लेकिन सोच नहीं सकता। शिक्षक यदि हर प्रश्न को अनुशासनहीनता मान ले और विद्यार्थी शिक्षक से हर समय भयभीत रहे तो शिक्षा का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा।एक निर्भीक नागरिक वही बनेगा जिसने विद्यालय में प्रश्न करना, असहमति व्यक्त करना और तर्क के आधार पर अपनी बात रखना सीखा हो। शिक्षक और अभिभावक दोनों बच्चे के भविष्य के लिए जिम्मेदार हैं। इसलिए दोनों के बीच परस्पर विश्वास और सहयोग आवश्यक है। लेकिन आज कई बार अभिभावकों की अपेक्षाएं शिक्षक के लिए दबाव बन जाती हैं। परीक्षा में कम अंक आए तो शिक्षक जिम्मेदार, बच्चा अनुशासन में नहीं रहा तो शिक्षक जिम्मेदार, बच्चा विद्यालय से नाराज हुआ तो भी शिक्षक जिम्मेदार। दूसरी ओर सोशल मीडिया ने स्थिति को और संवेदनशील बना दिया है। किसी छोटी घटना को बिना पूरी जानकारी के सार्वजनिक कर देना शिक्षक की प्रतिष्ठा को प्रभावित कर सकता है। शिकायत करना अभिभावक का अधिकार है, लेकिन शिकायत की जांच और शिक्षक का पक्ष सुने बिना उसे दोषी मान लेना न्यायपूर्ण नहीं है। हर वर्ष शिक्षक दिवस पर हम शिक्षक के सम्मान में भाषण देते हैं। पुष्प गुच्छ देते हैं, संदेश लिखते हैं और गुरु की महिमा का गुणगान करते हैं। लेकिन शिक्षक का वास्तविक सम्मान उस दिन होगा जब वह अपने विद्यालय में बिना भय के काम कर सकेगा।सम्मान केवल माला पहनाने से नहीं होता। सम्मान का अर्थ है—उसकी बात सुनी जाए, उसकी गरिमा सुरक्षित हो, उसके साथ अनुचित राजनीतिक या सामाजिक दबाव न हो और विभागीय कार्रवाई से पहले उसे अपना पक्ष रखने का अवसर मिले।

सीएम सम्राट चौधरी के नेतृत्व में शिक्षा व समृद्धि की ओर बढ़ता बिहार

निरंजन कुमार

महान दार्शनिक, शिक्षाविद् और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस विचार का प्रतीक था कि शिक्षा और शिक्षक किसी राष्ट्र के भविष्य की सबसे मजबूत नींव होते हैं। उनकी जयंती 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाना इसी विश्वास का सम्मान है। बिहार की पहचान केवल इतिहास के पन्नों में दर्ज गौरवगाथाओं से नहीं, बल्कि ज्ञान की उस महान परंपरा से भी रही है, जिसने कभी पूरी दुनिया को अपनी ओर आकर्षित किया था। नालंदा और विक्रमशिला की धरती ने भारत को ज्ञान, तर्क, दर्शन और अनुसंधान की ऐसी विरासत दी, जिसकी चमक सदियों बाद भी विश्व इतिहास में दिखाई देती है। आज मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार की शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक तकनीक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, शिक्षक सशक्तीकरण, उच्च शिक्षा के विस्तार और विद्यार्थियों को अवसरों से जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ाने की कोशिश इसी गौरवशाली परंपरा को नए युग के अनुरूप पुनर्जीवित करने की दृष्टि के रूप में देखी जा सकती है। मुख्यमंत्री की शिक्षा-दृष्टि का केंद्र सरकारी विद्यालयों को इतना सक्षम बनाना है कि हर वर्ग का परिवार उन पर विश्वास करे। उनका स्पष्ट जोर है कि सरकारी स्कूलों में ही जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की बेहतर सुविधा मिले और सरकारी विद्यालय इतने गुणवत्तापूर्ण बनें कि मंत्री-विधायक के बच्चे भी वहां पढ़ें। इसी दिशा में ह्यबिहार विद्या साथीह्न डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ 38 जिलों के 700 सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल स्कूलों में किया गया। कक्षा 9 से 12 तक के लगभग तीन लाख विद्यार्थियों को 24/7 निःशुल्क लाइव शिक्षक सहयोग, 1:1 इंटरैक्टिव पढ़ाई, एआई आधारित उपकरण, बोर्ड परीक्षा तथा जेईई-नीट की तैयारी और रात में भी शंका समाधान जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। इसका संदेश है कि विद्यार्थी जहां भी पढ़े, शिक्षक हमेशा उसके साथ रहे। मॉडल स्कूल योजना के साथ वन ऑफिसर-वन मॉडल स्कूल की व्यवस्था में डीएम, एसपी और अन्य अधिकारियों को विद्यालयों की जिम्मेदारी से जोड़ने, प्रत्येक तीन महीने पर अभिभावक-शिक्षक बैठक कराने तथा पूर्व छात्रों से संवाद बढ़ाने पर बल दिया गया है। सबका सम्मान, जीवन आसान की भावना के साथ विद्यार्थी सहयोग शिविर प्रत्येक माह के चौथे मंगलवार को विद्यालयों में आयोजित किए जाने की व्यवस्था है, ताकि विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान उनके विद्यालय में ही हो सके। शनिवार को आधे दिन की शैक्षणिक व्यवस्था और नियमित पीटीएम भी विद्यालय तथा परिवार के बीच संवाद को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। शिक्षकों को शिक्षा व्यवस्था का आधार मानते हुए अगले पांच वर्षों में एक लाख से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति का लक्ष्य रखा गया है, अर्थात प्रत्येक वर्ष लगभग 20 हजार शिक्षक नियुक्त किए जाएंगे। नई शिक्षक स्थानांतरण नीति में महिला शिक्षिकाओं को गृह जिले की गृह पंचायत के निकट तथा पुरुष शिक्षकों को गृह प्रखंड के निकट स्थानांतरण की सुविधा देने की बात है। शिक्षक दिवस पर 5 सितंबर को शिक्षक समाधान पोर्टल शुरू करने की पहल शिक्षकों की समस्याओं के ऑनलाइन और समयबद्ध समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। शिक्षक को सम्मान, सुविधा और समाधान मिले, तभी वह विद्यार्थियों को पूरी क्षमता से दिशा दे सकता है। विद्यार्थियों की आर्थिक सहायता के लिए छात्रवृत्ति, छात्रावास अनुदान और स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड जैसी व्यवस्थाएं उच्च शिक्षा की राह आसान करती हैं। स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के माध्यम से चार लाख रुपये तक की शिक्षा सहायता की व्यवस्था है और एससी-एसटी विद्यार्थियों के लिए सहायता को और मजबूत करने पर जोर दिया गया है। उच्च शिक्षा के विस्तार के लिए 208 प्रखंडों में नए डिग्री कॉलेज स्थापित करने की योजना को मंजूरी दी गई है, जबकि एकल शिक्षक वाले संस्थानों को बहुविषयक कॉलेजों के रूप में विकसित करने, एएन कॉलेज को डीम्ड विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करने और महिला विश्वविद्यालय स्थापित करने की दिशा में भी कदम उठाए गए हैं। इंजीनियरिंग और डिप्लोमा शिक्षा में नामांकन शुल्क को क्रमशः 10 और 5 रुपये तक रखने, बीएड शिक्षा के उन्नयन, 300 बीएड कौशल पाठ्यक्रमों, योग शिक्षा तथा तकनीकी संस्थानों के विस्तार पर भी ध्यान दिया गया है। शिक्षक दिवस 2026 के अवसर पर बिहार के सभी 38 जिलों से एक-एक, यानी कुल 38 उत्कृष्ट शिक्षकों को राजकीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

सिताबदियारा में रिंग बाँध का अधिकारियों ने किया निरीक्षण, स्थिति नियंत्रण में

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सारण के जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव के निर्देशानुसार बाढ़ की स्थिति एवं बचाव तैयारियों के मद्देनजर रिविलगंज प्रखंड अंतर्गत सिताबदियारा के रामेश्वर टोला स्थित रिंग बाँध का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी, रिविलगंज द्वारा रिंग बाँध की स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के क्रम में गंगा फ्लड डिवीजन, छपरा के सहायक अभियंता धर्मेन्द्र कुमार, मुखिया प्रतिनिधि मनोकामना सिंह सहित अन्य ग्रामीण

उपस्थित रहे। अधिकारियों ने रिंग बाँध पर जलस्तर एवं पानी के दबाव की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। रिंग बाँध पर पानी का दबाव पाया गया, हालांकि वर्तमान स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन एवं जल संसाधन विभाग द्वारा आवश्यक सतर्कता बरती जा रही है। निरीक्षण के दौरान रिंग बाँध पर लगभग 8,000 बोरा का पर्याप्त स्टॉक तैयार पाया गया, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सुरक्षात्मक कार्य किया जा सके। विदित हो कि उक्त रिंग बाँध रामेश्वर टोला, सीताब दियारा एवं उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के बड़का सुफल टोला के मध्य अवस्थित है। जिला प्रशासन एवं गंगा फ्लड डिवीजन, छपरा द्वारा रिंग बाँध की स्थिति तथा जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिताब दियारा में स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों द्वारा सिताबदियारा स्थित अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान सभी चिकित्सक एवं सहयोगी स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित पाए गए तथा स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन सामान्य रूप से होता पाया गया। स्वास्थ्य केंद्र में आवश्यक दवाओं का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध पाया गया। साथ ही परिसर में साफ-सफाई की स्थिति भी संतोषजनक पाई गई। अधिकारियों ने स्वास्थ्यकर्मियों को बाढ़ की संभावित स्थिति को देखते हुए मरीजों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने एवं किसी भी आपात स्थिति के लिए तत्पर रहने का निर्देश दिया। जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में जल संसाधन, स्वास्थ्य, राहत एवं बचाव सहित अन्य आवश्यक सेवाओं की व्यवस्था पर सतत निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन संभावित परिस्थितियों से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क एवं तैयार है।

बाढ़ प्रभावित दिलियारहिमपुर पंचायत पहुंचीं विधायक, नाव से लिया जायजा, दो घंटे में राहत सामग्री पहुंचाने का आश्वासन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। सरयू नदी के बढ़ते जलस्तर और बाढ़ की गंभीर स्थिति के बीच छपरा विधायक छोटी कुमारी ने शुक्रवार को रिविलगंज प्रखंड की बाढ़ प्रभावित दिलियारहिमपुर पंचायत का नाव से दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और तत्काल राहत उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। निरीक्षण के दौरान रिविलगंज के प्रखंड विकास पदाधिकारी, जिला 20-सूत्री सदस्य धर्मेंद्र कुमार साह, प्रखंड 20-सूत्री अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान, मुखिया प्रतिनिधि भोला साह सहित प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे। विधायक ने मौके से ही छपरा सदर अनुमंडल पदाधिकारी से दूरभाष पर बात कर बाढ़ प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत सामग्री उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। एसडीओ की ओर से त्रिपाल, सूखा चिउड़ा, मीठा, सत्तू सहित अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया। विधायक छोटी कुमारी ने कहा कि बाढ़ की इस कठिन घड़ी में सरकार और प्रशासन पूरी तरह प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा है। अगले दो घंटे के भीतर प्रभावित परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी परिवार को भोजन, पेयजल या अन्य जरूरी सुविधाओं के लिए परेशान नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने साधुलाल पृथ्वीचंद स्कूल में लगाए गए मेडिकल कैंप का भी निरीक्षण किया। विधायक ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों से उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं और दवाओं की जानकारी ली तथा बाढ़ प्रभावित लोगों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। विधायक ने बताया कि सिताबदियारा में एडीएम तथा दिलियारहिमपुर में प्रखंड विकास पदाधिकारी कैंप कर स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर राहत एवं बचाव कार्य को तेज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों की सुरक्षा और राहत उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जरूरत के अनुसार राहत सामग्री, स्वास्थ्य सुविधाओं और अन्य आवश्यक संसाधनों का विस्तार किया जाएगा तथा प्रशासन के स्तर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। निरीक्षण के दौरान सैंड आर्टिस्ट अशोक कुमार, भाजयुमो महामंत्री राकेश कुमार, प्रखंड महामंत्री प्रियकांत कुशवाहा सहित भाजपा के दर्जनों कार्यकर्ता एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

इसुआपुर थानान्तर्गत हत्या कांड में वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

छपरा सदर। इसुआपुर थानान्तर्गत हत्या कांड में वांछित अभियुक्त विकाश कुमार गिरी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।गौरतलब है कि सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सारण जिलान्तर्गत अपराध के मुख्य शीर्षों में वांछित और फिरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर इसुआपुर थाना पुलिस टीम के द्वारा छापामारी कर इसुआपुर थाना कांड संख्या-238/26 के अभियुक्त विकास कुमार उर्फ मिन्टु कुमार गिरी, पिता-उमेश गिरी, साकिन अचीतपुर, थाना-इसुआपुर, जिला-सारण को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

विगत् 24 घंटे में 30 अभियुक्त किये गये गिरफ्तार, अवैध शराब भी किये गये जब्त

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों, अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन, बिक्री, भंडारण, निर्माण और परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्ठी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए 3 सितंबर को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल-30 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। वही अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल 13 वाहनों से 15,500 रूपए जुमार्ना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत कुल अवैध शराब-181.36 लीटर, मोटरसाईकिल-02, मोबाइल-02, कार-01 एवं नगद राशि-800 रुपये बरामद किए गए।

अकीलपुर पंचायत के सभी गांव बाढ़ के पानी में डूबे, राहत-बचाव कार्य तेज

दिघवारा। दिघवारा प्रखंड के गंगा पार दियारा क्षेत्र स्थित अकीलपुर पंचायत के सभी गांव बाढ़ के पानी से पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। बाढ़ के कारण क्षेत्र में आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। पंचायत के सभी विद्यालयों, सरकारी कार्यालयों एवं थाना परिसर में भी बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। ऐसे में लोगों को आवागमन, स्वास्थ्य सुविधा एवं दैनिक जरूरतों को पूरा करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव के निदेर्शानुसार प्रभावित एवं संवेदनशील क्षेत्रों में प्रशासन की ओर से लगातार राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिघवारा प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत कुमार, अंचलाधिकारी मिट्ठू प्रसाद तथा चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रौशन कुमार मेडिकल टीम के साथ अकीलपुर पंचायत पहुंचे और बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लिया। प्रशासन की ओर से प्रभावित क्षेत्रों तक नौका एम्बुलेंस की मदद से मेडिकल सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है साथ ही जरूरतमंद लोगों के बीच दवा, खाद्य सामग्री एवं अन्य जरूरी राहत सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। मेडिकल टीम द्वारा बाढ़ प्रभावित लोगों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यकता के अनुसार दवाएं एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। प्रशासनिक एवं राहत दल लगातार प्रभावित गांवों में पहुंचकर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और जरूरतमंद परिवारों तक आवश्यक सहायता पहुंचा रहे हैं। बाढ़ के कारण पंचायत के कई हिस्सों में जलस्तर बढ़ने से लोगों की चिंता बढ़ी हुई है। प्रशासन की ओर से लोगों की सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए हरसंभव राहत एवं बचाव कार्य जारी रखने की बात कही गई है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर विविध धार्मिक अनुष्ठान, मंदिरों में गूंजे भजन-कीर्तन

प्रात : किरण संवाददाता

एकमा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर गर पंचायत एकमा बाजार व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शुक्रवार को विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। मंदिरों व मठों में श्रद्धालुओं ने पारंपरिक भक्ति और उल्लास के साथ भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया। इस दौरान अखंड अष्टयाम, हवन-पूजन, भजन-कीर्तन व प्रसाद वितरण का आयोजन हुआ। नगर पंचायत एकमा बाजार के वार्ड संख्या-13 अंतर्गत राजापुर गांव स्थित चौबाह बाबा स्थान परिसर में सामूहिक स्वर में 24 घंटे के सार्वजनिक अखंड अष्टयाम का आयोजन किया गया। धार्मिक एवं सामाजिक अनुष्ठान में क्षेत्र के सामाजिक कार्यकताओं तथा गणमान्य लोगों ने भाग लिया। आयोजकों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य जनकल्याण, क्षेत्र में अमन-चैन तथा सामाजिक सौहार्द और गंगा-जमुनी संस्कृति को मजबूत करना है। एकमा ब्लॉक रोड स्थित एक घर में बच्चों ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की आकर्षक झांकी सजाई। इसमें कृतिका सिंह और उनके छोटे भाई आदर्श ने श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की झांकी प्रस्तुत की। वहीं गोपाली में श्रीकृष्ण के बाल रुप की झांकी देखने के लिए आसपास के लोगों की भीड़ जुटी। रात्रि में क्षेत्र के विभिन्न मठ-मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के कार्यक्रम आयोजित किए गए। मध्यरात्रि में श्रीकृष्ण जन्म के बाद श्रद्धालुओं ने सोहर गायन कर खुशियां मनाईं। एकमा और रसूलपुर थाना परिसर के अलावा रेलवे स्टेशन पर तैनात आरपीएफ एवं जीआरपी जवानों ने भी श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया। छपरा सदर एसडीपीओ-2, एकमा प्रेमचंद सिंह ने बताया कि क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में पारंपरिक रीति रिवाज के साथ श्री कृष्ण जन्माष्टमी का त्यौहार मनाया गया। विशेष रूप से कोपा थाना क्षेत्र में इस अवसर पर विशेष आयोजन व पूजा-अर्चना संपन्न हुई। वहीं मांझी प्रखंड के भजौना-नचाप पंचायत अंतर्गत नचाप गांव स्थित श्री दुर्गा-शिव-राम-जानकी-हनुमान मंदिर परिसर में ग्रामीणों के सहयोग से 24 घंटे का सार्वजनिक अखंड अष्टयाम आयोजित किया गया। वैदिक मंत्रोच्चारण व हवन-पूजन के बीच शनिवार को अष्टयाम संपन्न होगा। समापन के बाद श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। नगर पंचायत एकमा बाजार क के हंसराजपुर स्थित रामजानकी मंदिर परिसर में भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर भक्तिमय वातावरण में 24 घंटे के अखंड अष्टयाम का शुभारंभ किया गया। परसागढ़ स्थित प्रसादीनाथ मठ सहित क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों और घरों में भी जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया।

वायरल वीडियो के संबंध में सारण पुलिस द्वारा खंडन

छपरा सदर। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ पुलिसकर्मियों द्वारा किसानों को जमीन से हटाए जाने से संबंधित दृश्य प्रदर्शित करते हुए भ्रामक दावे किए जा रहे हैं। उक्त वीडियो को सारण जिले की घटना बताते हुए सोशल मीडिया पर प्रसारित किया जा रहा दावा पूर्णतः भ्रामक एवं तथ्यहीन है। जांचोपरांत यह स्पष्ट है कि उक्त वीडियो का सारण जिले से कोई संबंध नहीं है। सारण पुलिस ने आमजन से अपील है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित किसी भी वीडियो अथवा सूचना को बिना सत्यापन के प्रसारित अथवा साझा न करें। भ्रामक एवं तथ्यहीन सूचनाओं के प्रसार से बचें तथा किसी भी संदिग्ध की सूचना संबंधित थाना अथवा जिला पुलिस नियंत्रण कक्ष हेल्पलाइन नम्बर-9031036406 को दें।

यज्ञशाला में वेद प्रचार सप्ताह का हुआ समापन

छपरा सदर। आर्य समाज ,साहेबगंज छपरा, के प्रांगण में स्थित यज्ञशाला में वेद प्रचार सप्ताह के अंतर्गत पंडित भूषण आर्य द्वारा वेद प्रचार का कार्यक्रम वेद मंत्र-उच्चारण ,पूजन ,पाठ एवं हवन के द्वारा समाप्त हुआ। यह कार्यक्रम 28 अगस्त से 04 सितंबर तक प्रतिदिन प्रातः 8:00 बजे से लेकर 10:00 बजे तक पंडित भूषण आर्य द्वारा वेद -मंत्र का उच्चारण तथा हवन कार्यक्रम से समाप्त होता रहा ।शुक्रवार को कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर श्रद्धालुओं की बहुत अधिक भीड़ थी, जिसमें आर्य समाज के प्रधान विद्यासागर विद्यार्थी, मंत्री अखिलेश कुमार ,प्रोसेसर जगदीश प्रसाद, एवं प्रोफेसर इंद्रजीत प्रसाद द्वारा वेद मंत्रों की विस्तृत रूप से व्याख्या की गई ।सेविका तथा शिवनाथ आर्य द्वारा भजन पाठ किया गया। उपस्थित शक्ति स्वरूपा माताओ , बहनो एवं सज्जनों से अपील किया गया कि आप जन-जन तक आर्य समाज के उपदेशों को पहुंचाने का कार्य करें ।इस अवसर पर उपस्थित रहने वालों में मुख्य रूप से जयप्रकाश गुप्ता,अमित कुमार, जितेंद्र गुप्ता, कृष्ण कुमार आर्य ,श्रीमती पूजा सोनी ,श्रीमती सरोज देवी,रंजीत कुमार आर्य, आदित्य आर्य, बिहारी आर्य कोषाध्यक्ष , कार्यकारिणी सदस्य प्रोफेसर विवेक कुमार , मुरारी आर्य, कृष्ण कुमार शिक्षकआदि मौजूद रहे। प्रसाद वितरण एवं प्रीति- भोज कार्यक्रम के बाद कार्यक्रम की समाप्ति की गई। उक्त बातों की जानकारी विद्यासागर विद्यार्थी ने दी।

आर .बी.एस पब्लिक स्कूल में जन्माष्टमी की धूम, मटकी फोड़ प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा मन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। शुक्रवार को मौना पकड़ी, बरका दुआरा स्थित आर .बी.एस पब्लिक स्कूल में श्री कृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्रधानाचार्या और प्रबंधन समिति द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई ।इस दौरान स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चे भगवान श्री कृष्ण और राधारानी की मनमोहक वेशभूषा में सजे नजर आए। बच्चों ने यशोमती मैया से बोले नंदलाला और गोविंदा आला रे जैसे भक्ति गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया ।उत्सव का मुख्य आकर्षण ह्यमटकी फोड़ह्न प्रतियोगिता रही, जिसमें छात्रों की टोलियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पिरामिड बनाकर मटकी को फोड़ा। इस दौरान पूरा विद्यालय परिसर ह्यहाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल कीह्न के जयकारों से गूंज उठा। प्रधानाचार्य ने बच्चों को संबोधित करते हुए भगवान कृष्ण के जीवन दर्शन और उनकी शिक्षाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों और शिक्षकों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. राजू कुमार, सचिव प्रो. सियाशरण प्रसाद, प्राचार्या मोनिका देवी, सभी शिक्षकगण एवं वैश्य जागरण मंच के अध्यक्ष सुनिल कुमार ब्याहुत भी शामिल हुए।

बेटी ने निभाया बेटे का फर्ज, नातियों ने संभाली जिम्मेदारी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। गरखा प्रखंड अंतर्गत अवतार नगर थाना क्षेत्र के ग्राम देवरिया निवासी स्वर्गीय विदेश्री सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती पतिराज कुंवर का निधन 13 अगस्त 2026 की रात्रि में हो गया था। दिवंगत पतिराज कुंवर का श्राद्धकर्म एवं ब्राह्मण भोज 27 अगस्त 2026 को उनके पैतृक आवास, ग्राम एवं पोस्ट-देवरिया में पूरे विधि-विधान एवं धार्मिक रीति-रिवाज के साथ संपन्न हुआ। माताजी का कोई पुत्र नहीं होने के कारण उनकी इकलौती पुत्री शिकिलपरी देवी, दामाद राम नगीना सिंह तथा नाती नीरज सिंह एवं धीरज सिंह ने मिलकर अंतिम संस्कार से लेकर श्राद्धकर्म एवं ब्राह्मण भोज तक की सभी जिम्मेदारियां श्रद्धा, सम्मान और पूरी निष्ठा के साथ निभाईं। बेटी ने बेटे का फर्ज निभाते हुए अपनी माता के प्रति कर्तव्य और श्रद्धा की मिसाल पेश की। इस अवसर पर सुंदर भजन संध्या एवं धार्मिक प्रवचन का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध भागवत कथा वाचक एवं भजन गायक पं. कृष्ण चंद्र शास्त्री वंशीवाला, वृंदावन द्वारा भजन एवं प्रवचन प्रस्तुत किया गया। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ भजन एवं प्रवचन का श्रवण किया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। कार्यक्रम में रिश्तेदारों, ग्रामीणों, श्रद्धालुओं, शुभचिंतकों एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर श्रीमती पतिराज कुंवर को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। शोक निवेदकः शिकिलपरी देवी (पुत्री), राम नगीना सिंह (दामाद), नीरज सिंह (नाती), धीरज सिंह (नाती) एवं समस्त शोकाकुल परिवार।

आवेदन व समाचार प्रकाशन के बाद जलजमाव समाधान की विभागीय कार्रवाई शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। नगरा प्रखंड अंतर्गत खैरा मुख्य बाजार से मुसहरी गांव की सीमा तक छपराझमढ़ौरा मुख्य पथ पर जलजमाव की समस्या को लेकर भाजपा बिहार प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शत्रुघ्न भक्त मालाकार द्वारा बिहार सरकार के पथ निर्माण विभाग के मंत्री इंजीनियर कुमार शैलेन्द्र जी से मुलाकात कर आवेदन सौंपे जाने तथा इस संबंध में समाचार प्रकाशित होने के बाद विभागीय स्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मंत्री इंजीनियर कुमार शैलेन्द्र जी द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए पथ निर्माण विभाग, सोनपुर डिवीजन, सारण के कार्यपालक अभियंता को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया गया था। इसी क्रम में आज पथ निर्माण विभाग के कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता, सोनपुर डिवीजन द्वारा खैराझमुसहरी मुख्य पथ का स्थल निरीक्षण किया गया। स्थल निरीक्षण के दौरान विभागीय अधिकारियों ने जलजमाव से प्रभावित स्थानों का जायजा लिया तथा नाला निर्माण की आवश्यकता का आकलन किया। अधिकारियों ने बताया कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था के लिए नाला निर्माण से संबंधित आवश्यक कार्रवाई यथाशीघ्र की जाएगी तथा इसका विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार कर विभाग को भेजा जाएगा, ताकि स्वीकृति के उपरांत नाला निर्माण

का कार्य कराया जा सके। गौरतलब है कि खैरा मुख्य बाजार से मुसहरी गांव की सीमा तक मुख्य पथ के कई स्थानों पर नाला अर्धनिर्मित है, जबकि कई जगहों पर नाले का पूर्णतः अभाव है। इसके कारण बरसात के दिनों में सड़क पर जलजमाव हो जाता है और आम लोगों, दुकानदारों, विद्यार्थियों, मरीजों एवं राहगीरों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। शत्रुघ्न भक्त मालाकार ने कहा कि जनता की मूलभूत समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है। माननीय पथ निर्माण मंत्री जी द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया जाना और उसके बाद स्थल निरीक्षण होना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ऊढफतैयार होने एवं विभागीय प्रक्रिया पूरी होने के बाद खैराझमुसहरी मुख्य पथ पर स्थायी जल निकासी की व्यवस्था के लिए नाला निर्माण का कार्य शीघ्र शुरू होगा, जिससे क्षेत्रवासियों को जलजमाव की समस्या से स्थायी राहत मिलेगी।

बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद में आगे आईं जीविका दीदियां, राहत सामग्री पैकिंग में किया श्रमदान

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित परिवारों तक आवश्यक खाद्य एवं खान-पान सामग्री पहुंचाने के लिए चलाए जा रहे राहत कार्यों में जीविका दीदियां भी सक्रिय रूप से सहयोग कर रही हैं। इसी क्रम में सारण जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से जुड़ी जीविका दीदियों ने राहत सामग्री की पैकिंग में श्रमदान कर आपदा राहत कार्य में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। जिला प्रशासन के सहयोग से संचालित इस कार्य में कुल 42 जीविका दीदियां सक्रिय रूप से अपनी सेवाएं दे रही हैं। दीदियों द्वारा राहत सामग्री को व्यवस्थित एवं सुरक्षित तरीके से पैक किया जा रहा है, ताकि बाढ़ प्रभावित परिवारों तक आवश्यक सामग्री समय पर पहुंचाई जा सके। राहत कार्य के दौरान जीविका की जिला स्तरीय टीम एवं प्रखंड कर्मियों द्वारा भी सक्रिय सहयोग किया जा रहा है। मौके पर

जिला से प्रबंधक सूक्ष्म वित्त मनोज कुमार, प्रशिक्षण अधिकारी बबीता कुमारी, छपरा सदर प्रखंड परियोजना प्रबंधक रंजीत कुमार एवं क्षेत्रीय समन्वयक संजय कुमार सहित प्रखंड के अन्य कर्मी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रखंड परियोजना प्रबंधक रंजीत कुमार ने कहा, बाढ़ जैसी आपदा की स्थिति में जीविका दीदियों का आगे आकर राहत कार्यों में श्रमदान करना उनकी सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक भावना को दर्शाता है। जिला प्रशासन के सहयोग से चल रहे इस कार्य में दीदियां पूरी तत्परता और समर्पण के साथ अपनी भूमिका निभा रही हैं। हमारा प्रयास है कि प्रशासन के राहत कार्यों में हरसंभव सहयोग करते हुए जरूरतमंद परिवारों तक सहायता समय पर पहुंचाने में योगदान दिया जाए ।ह्व जीविका दीदियों की यह पहल आपदा की घड़ी में सामुदायिक सहभागिता, सामाजिक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

कृषि विज्ञान केन्द्र मांझी में दो दिवसीय कृषक-वैज्ञानिक वातालार्प शुरू

मांझी। कृषि विज्ञान केन्द्र मांझी में दो दिवसीय कृषक-वैज्ञानिक वातालार्प का शुभारंभ शुक्रवार को किया गया। यह कार्यक्रम कल शनिवार तक चलेगा। कार्यक्रम का उद्घाटन वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ. रविन्द्र कुमार तिवारी, डॉ. जितेन्द्र चन्द्र चंदोला, डॉ. सुषमा टम्टा, डॉ. विजय कुमार, श्रीमती सुनीता प्रसाद एवं परमात्मा सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। केवीके में दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते वैज्ञानिककार्यक्रम के दौरान वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ. रविन्द्र कुमार तिवारी ने केन्द्र द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, भारत सरकार एवं बिहार सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं तथा पशुओं में होने वाली प्रमुख बीमारियों और उनके प्रबंधन के बारे में किसानों को विस्तार से जानकारी दी। उद्यान विशेषज्ञ डॉ. जितेन्द्र चन्द्र चंदोला ने लीची स्टिंक बग के प्रबंधन, वैज्ञानिक विधि से नए फलोद्यान की स्थापना तथा प्राकृतिक खेती के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। कृषि अभियांत्रिकी विशेषज्ञ डॉ. सुषमा टम्टा ने रबी सीजन में उपयोगी आधुनिक कृषि यंत्रों जैसे लेजर लैंड लेवलर, जीरो टिलेज सीड ड्रिल एवं हैप्पी सीडर के उपयोग और उसके लाभ के बारे में बताया। किसानों को संबोधित करते वैज्ञानिक वहीं मृदा विशेषज्ञ डॉ. विजय कुमार ने मृदा परीक्षण के लिए वैज्ञानिक विधि से मिट्टी का नमूना लेने की प्रक्रिया और मृदा परीक्षण से होने वाले फायदों को समझाया। इस दौरान वैज्ञानिकों ने किसानों से सीधा संवाद किया, उनकी खेती से जुड़ी समस्याओं को सुना और उसका वैज्ञानिक समाधान भी सुझाया। कार्यक्रम में मांझी, रिविलगंज एवं गरखा प्रखंडों से कुल 37 किसान भाई-बहनों ने भाग लिया। वातालार्प में मौजूद किसान कार्यक्रम को सफल बनाने में केन्द्र के अमितेश कुमार गौरव, राकेश कुमार, उमाशंकर कुमार एवं अविनाश कुमार पांडेय का सराहनीय योगदान रहा।

नदियों के तेज रफ्तार से बढ़ते जलस्तर से ग्रामीण भयभीत प्रशासन भी है मुस्तैद

दरियापुर। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र से होकर गुजरने वाली सभी नदियों के जलस्तर में तेजी से हो रही वृद्धि के कारण सभी ग्रामीण भयभीत नजर आ रहे है ।ग्रामीणों के बीच शुक्रवार को नदियों की रफ्तार देख बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है ।जिससे सब्जी उत्पादकों के बीच काफी डर का माहौल बन गया है। वहीं क्षेत्र के कई जगहों पर नदियों के किनारे निचले इलाके में बसे लोगों के घरों में पानी पहुंच गया है ।जिस कारण लोग नदियों के तटबंध पर शरण ले रहे है ।बेला शर्मा टोला में राहुल सहनी,राजू सहनी, पिंकू सहनी तथा झोटा सहनी समेत कई अन्य लोगों के घरों में पानी पहुंच गया है। वहीं गंडक नदी से मगरपाल के नजदीक निचले इलाके में पानी पहुंच गया है ।इसके साथ ही सुखमाही नदी का पानी फुरसतपुर तथा कोठियां में ओवरफ्लो कर फैलने लगा है ।हालांकि बाढ़ की संभावना को देखते हुए जल संसाधन विभाग के अधिकारी समेत अंचलाधिकारी जयंत गौतम,बीडीओ अरुण कुमार ,पुलिस प्रशासन तथा कई जनप्रतिनिधि भी काफी सक्रिय है,तथा हर संभव तटबंध की सुरक्षा में डटे हुए है ।विदित हो कि क्षेत्र की गंडक,माही नदी,गंडकी नदी तथा सुखमाही नदी सभी का जलस्तर एक साथ पूरे रफ्तार से बढ़ रहा है ।जिससे स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

बाढ़ एवं गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए नौका परिचालन पर प्रशासन की है कड़ी निगरानी

छपरा सदर। सारण जिला में बाढ़ की स्थिति एवं गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए आम जनजीवन की सुरक्षा के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा लगातार आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में सोनपुर घाट से डोरीगंज घाट तक आम यात्रियों के आवागमन तथा राहत सामग्री के सुरक्षित परिवहन हेतु संचालित नौका परिचालन में सुरक्षा मानकों के अनुपालन को लेकर विशेष निगरानी की व्यवस्था की गई है। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि कुछ नौकाओं पर निर्धारित क्षमता से अधिक यात्रियों एवं सामान का परिवहन किया जा रहा है। ऐसी स्थिति दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसे गंभीरता से लेते हुए जिला पदाधिकारी, सारण के निर्देश पर नौका परिचालन को निर्धारित मापदंडों के अनुरूप सुरक्षित बनाए रखने तथा ओवरलोडिंग पर पूर्ण रोक सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। जिला पदाधिकारी के निदेर्शानुसार जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है, जो घाटों एवं मध्यवर्ती स्थलों पर लगातार गश्त एवं निरीक्षण करते हुए नौका परिचालन की निगरानी करेंगे। सोनपुर अनुमंडल के सभी संबंधित घाटों एवं मध्यवर्ती स्थलों पर निगरानी के लिए मोटरयान निरीक्षक श्री कृष्ण कुमार, अवर प्रवर्तन निरीक्षक श्री सुधाकर कुमार एवं अवर प्रवर्तन निरीक्षक श्री अजीत कुमार को प्रतिनियुक्त किया गया है। सदर अनुमंडल के सभी संबंधित घाटों एवं मध्यवर्ती स्थलों पर निगरानी के लिए मोटरयान निरीक्षक श्री राकेश कुमार राम, अवर प्रवर्तन निरीक्षक श्री अमित कुमार एवं अवर प्रवर्तन निरीक्षक श्री रियाज अहमद खान को प्रतिनियुक्त किया गया है। प्रतिनियुक्त पदाधिकारी एवं कर्मी घाटों तथा मध्यवर्ती स्थलों पर लगातार गश्त एवं निरीक्षण करते हुए नौकाओं में निर्धारित क्षमता के अनुरूप ही यात्रियों एवं सामान के परिवहन की निगरानी करेंगे। निर्धारित क्षमता से अधिक यात्रियों अथवा सामान का परिवहन (ओवरलोडिंग) पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही प्रत्येक नौका में पर्याप्त संख्या में लाइफ जैकेट एवं आपात स्थिति में बचाव हेतु महाजाल की उपलब्धता अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाएगी। प्रतिनियुक्त पदाधिकारी एवं कर्मी नौकाओं के निरीक्षण के दौरान लाइफ जैकेट एवं महाजाल की उपलब्धता एवं उपयोगिता की भी जांच करेंगे। सुरक्षा मानकों का अनुपालन नहीं करने वाली नौकाओं के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। निर्धारित क्षमता से अधिक यात्रियों अथवा सामान का परिवहन करने तथा सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले नाव संचालकों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा सभी नाव संचालकों एवं आम यात्रियों से अपील की गई है कि निर्धारित क्षमता के अनुरूप ही नौका का परिचालन एवं उपयोग करें तथा लाइफ जैकेट सहित सभी सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करें। बाढ़ एवं गंगा के बढ़ते जलस्तर की वर्तमान स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा घाटों एवं नौका परिचालन की सतत निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना को रोका जा सके तथा आम जनमानस एवं राहत सामग्री का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित किया जा सके।

सोनपुर अनुमंडल में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए पंचायतवार पर्यवेक्षकीय पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सोनपुर प्रखंड अंतर्गत गंगा एवं गंडक नदी के जलस्तर में अत्यधिक वृद्धि के कारण उत्पन्न बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा आम जनजीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। सारण जिला पदाधिकारी के आदेशानुसार अनुमंडल पदाधिकारी, सोनपुर के हस्ताक्षर से निर्गत आदेश के तहत सोनपुर अनुमंडल क्षेत्र में पंचायतवार पर्यवेक्षकीय पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। इन पदाधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों, सामुदायिक रसोई के संचालन एवं अनुश्रवण तथा पंचायत स्तर पर विधि-व्यवस्था की स्थिति पर सतत निगरानी रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके तहत सोनपुर प्रखंड की 16 पंचायतों एवं दिघवारा प्रखंड की 2 पंचायतों में पर्यवेक्षकीय पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। सोनपुर प्रखंड में सबलपुर पूर्वी, सबलपुर उत्तरी, सबलपुर पश्चिमी, सबलपुर मध्यवर्ती, नजरमीरा, राहेर दियारा, गंगाजल, भरपुरा, खरिक्का, कसमर, रसूलपुर, सैदपुर, नयागांव, हासिलपुर, कल्याणपुर एवं शिकारीपुर पंचायत तथा दिघवारा प्रखंड में अकीलपुर एवं रामपुर आमी पंचायत शामिल हैं। इन पंचायतों को बाढ़ की स्थिति के आधार पर पूर्ण प्रभावित एवं आंशिक प्रभावित क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया गया है। पर्यवेक्षकीय पदाधिकारियों के प्रमुख दायित्व प्रतिनियुक्त सभी पर्यवेक्षकीय पदाधिकारियों को अपने-अपने आवंटित पंचायतों का प्रभार ग्रहण कर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण करने का निर्देश दिया गया है। वे प्रभावित क्षेत्रों में जलस्तर, कटाव, जलजमाव एवं विस्थापित परिवारों की स्थिति की वास्तविक जानकारी प्राप्त कर अनुमंडल प्रशासन को नियमित रूप से उपलब्ध कराएंगे। साथ ही बाढ़ राहत शिविरों एवं सामुदायिक रसोई में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की निगरानी करेंगे। राहत शिविरों में रह रहे लोगों के लिए शुद्ध पेयजल, सूखा राशन, पॉलीथिन शीट, आवश्यक चिकित्सा सुविधा एवं अन्य मूलभूत आवश्यकताओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के साथ-साथ सरकारी नावों के सुचारू संचालन एवं नावों पर सुरक्षा मानकों के अनुपालन की भी निगरानी की जाएगी। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मवेशियों के लिए पर्याप्त चारा एवं टीकाकरण की व्यवस्था पर भी विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है। किसी भी प्रकार की आकस्मिक अथवा आपातकालीन स्थिति, कटाव, जलस्तर में अचानक वृद्धि या विधि-व्यवस्था से संबंधित समस्या की सूचना तत्काल संबंधित वरीय पदाधिकारियों को देने का निर्देश दिया गया है। जारी किया गया है आपातकालीन संपर्क नंबर किसी भी आकस्मिक स्थिति में निम्न मोबाइल नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है। अनुमंडल पदाधिकारी, सोनपुर : 9473191271, अंचलाधिकारी, सोनपुर : 9031671124 जिला प्रशासन द्वारा सभी प्रतिनियुक्त पर्यवेक्षकीय पदाधिकारियों को तत्परता, संवेदनशीलता एवं आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा बाढ़ प्रभावित लोगों तक राहत एवं बचाव कार्यों का लाभ समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। जिला प्रशासन बाढ़ की स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए हुए है तथा प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार राहत एवं बचाव कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

बाढ़ प्रभावित पंचायतों में पहुंचीं एसडीओ अंशु कुमारी, लिया हालात का जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा (भोजपुर)। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों ने बड़हरा प्रखंड के प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इसी क्रम में एसडीओ अंशु कुमारी ने प्रखंड के बाढ़ प्रभावित सिन्हा, सरैया, नरगदा और पकड़ी पंचायतों का दौरा कर वहां की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने ग्रामीणों से मुलाकात कर बाढ़ और जलजमाव से उत्पन्न समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने प्रभावित इलाकों में लोगों की सुरक्षा, आवागमन व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की स्थिति के बारे में अधिकारियों और स्थानीय

लोगों से जानकारी प्राप्त की। इस दौरान सरैया थाना प्रभारी रौशन कुमार एवं सिन्हा थाना प्रभारी राजू कुमार भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए स्थानीय परिस्थितियों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान भाजपा शाहाबाद के क्षेत्रीय प्रभारी यशवंत नारायण सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधि, मुखिया सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। ग्रामीणों ने अधिकारियों के समक्ष बाढ़ और जलजमाव से जुड़ी अपनी समस्याएं रखीं। लोगों ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री, सुरक्षित आवागमन, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सा सुविधा तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने की मांग की। एसडीओ अंशु कुमारी ने मौके पर मौजूद अधिकारियों और स्थानीय प्रतिनिधियों से स्थिति की विस्तृत जानकारी लेते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रशासन बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और जरूरत के अनुसार आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। ग्रामीणों का कहना है कि गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण बड़हरा प्रखंड की कई पंचायतों में लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। ऐसे में प्रशासनिक अधिकारियों का जमीनी स्तर पर पहुंचकर हालात का जायजा लेना लोगों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों को हरसंभव प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। साथ ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर रखने और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने की बात कही गई।

सरैया हाई स्कूल मैदान में फरक्का जल संधि कार्यक्रम, विधायक ने लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा प्रखंड के सरैया हाई स्कूल मैदान में आगामी 6 सितंबर 2026 को जनता दल यूनाइटेड की ओर से फरक्का जल संधि को लेकर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा सहित बिहार सरकार के मंत्री, पार्टी के वरीय नेता एवं अन्य पदाधिकारी शामिल होंगे। कार्यक्रम को लेकर स्थानीय स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए संदेश विधानसभा क्षेत्र के विधायक राधाचरण साह उर्फ सेठ जी सरैया हाई स्कूल मैदान पहुंचे। उन्होंने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करते हुए

आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली और संबंधित लोगों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विधायक ने कार्यक्रम स्थल पर मंच, लोगों के बैठने की व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य जरूरी सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है, इसलिए आयोजन स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी की जाएं, ताकि किसी भी तरह की परेशानी न हो। बताया जा रहा है कि फरक्का जल संधि से जुड़े मुद्दों को लेकर आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेता कार्यकर्ताओं एवं आम लोगों को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम को लेकर जदयू कार्यकर्ताओं और स्थानीय समर्थकों में भी उत्साह देखा जा रहा है। आयोजकों की ओर से क्षेत्र के लोगों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई है। कार्यक्रम के लिए लोगों को सादर आमंत्रित किया गया है। प्रशासनिक एवं आयोजन समिति की ओर से भी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

अम्हरूहाँ में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

सहार। अम्हरूहाँ गांव स्थित श्री राधा-कृष्ण मंदिर, पुरानी ठाकुरबाड़ी में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। सुबह से ही श्रद्धालुओं के मंदिर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर रात तक जारी रहा। जन्माष्टमी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान श्री राधा-कृष्ण की पूजा-अर्चना कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण किया तथा जन्मोत्सव के दौरान पूजा-अर्चना में भाग लिया। महोत्सव में बड़ी संख्या में स्थानीय महिला, पुरुष एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।महोत्सव के दौरान पूजा-अर्चना का आयोजन विधि-विधान एवं धार्मिक परंपराओं के अनुसार कराया गया। रितेश आचार्य एवं शियाकांत जी द्वारा भावपूर्ण एवं विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई गई। पूजा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाए, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। वहीं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने में अंजीत कुमार, भावी मुखिया प्रतिनिधि, सहित स्थानीय लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया। आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय लोगों एवं श्रद्धालुओं का भी सहयोग रहा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। देर रात भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ जन्मोत्सव मनाया। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति और आस्था का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा, प्रेम और सद्भाव की भावना मजबूत होती है। अम्हरूहाँ की पुरानी ठाकुरबाड़ी में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

वीकेएसयू में चार वर्षीय स्नातक से शोध की राह होगी आसान

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में शोध को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा में भी नए प्रावधानों के तहत चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम पूरा करने वाले विद्यार्थियों के लिए आगे उच्च शिक्षा और शोध के नए अवसर खुलेंगे। चार वर्षीय स्नातक में शोध आधारित पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी नेट-जेआरएफ और सहायक प्राध्यापक बनने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। नए प्रावधान के अनुसार चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के चौथे वर्ष में शोध को शामिल किया गया है। हालांकि चौथे वर्ष में हर विद्यार्थी को शोध की पढ़ाई करने का अवसर नहीं मिलेगा। पहले तीन वर्षों यानी छह सेमेस्टर के कुल परिणाम में न्यूनतम 7.5 सीजीपीए अंक हासिल करने वाले विद्यार्थी ही चौथे वर्ष में शोध आधारित पढ़ाई का विकल्प चुन सकेंगे। जिन विद्यार्थियों का सीजीपीए 7.5 से कम होगा, वे चौथे वर्ष में सामान्य स्नातक ऑनर्स की पढ़ाई पूरी करेंगे।चार वर्षीय स्नातक में शोध घटक पूरा करने वाले विद्यार्थियों के लिए आगे पीजी और पीएचडी में प्रवेश के रास्ते भी आसान होंगे। शोध आधारित स्नातक करने वाले विद्यार्थी नेट-जेआरएफ परीक्षा में शामिल होने के साथ सहायक प्राध्यापक बनने की पात्रता हासिल कर सकेंगे। वहीं सामान्य तीन वर्षीय स्नातक करने वाले विद्यार्थियों के लिए पीजी में प्रवेश का सामान्य प्रावधान लागू रहेगा। नए नियमों के तहत स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों के पाठ्यक्रम पहले की तुलना में अधिक योग्यता और शोध आधारित होंगे। पीजी पाठ्यक्रम को भी अलग-अलग श्रेणियों में बांटने की तैयारी है। यदि कोई विद्यार्थी चार वर्षीय शोध आधारित स्नातक पूरा करता है और पीएचडी में सीधे नामांकन नहीं लेता है, तो उसे एक वर्षीय पीजी में शोध आधारित पाठ्यक्रम पढ़ने का अवसर मिल सकता है। वहीं सामान्य चार वर्षीय स्नातक करने वाले विद्यार्थियों के लिए एक वर्षीय पीजी का सामान्य पाठ्यक्रम उपलब्ध रहेगा। चार वर्षीय स्नातक के चौथे वर्ष में शोध को शामिल करने का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रारंभिक स्तर से ही शोध की प्रवृत्ति विकसित करना है। इससे विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। हालांकि 7.5 सीजीपीए की अनिवार्य शर्त के कारण चौथे वर्ष में शोध का विकल्प सीमित संख्या में विद्यार्थियों को ही मिल सकेगा।वीकेएसयू में भी नई शिक्षा नीति के अनुरूप स्नातक पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। ऐसे में नए प्रावधानों से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को स्नातक के दौरान ही शोध का अनुभव प्राप्त करने और आगे पीएचडी, नेट-जेआरएफ व अकादमिक क्षेत्र में करियर बनाने का अवसर मिलेगा।

सिन्हा थाना में घुसा बाढ़ का पानी पुलिसकर्मी ऊंचे स्थान पर

प्रात : किरण संवाददाता

भोजपुरः जिले के बड़हरा प्रखंड अंतर्गत सिन्हा थाना परिसर में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण थाना परिसर और आसपास के इलाकों में जलजमाव की स्थिति गंभीर हो गई है। एहतियात के तौर पर सिन्हा थाना के सभी पुलिसकर्मियों ने ऊंचे स्थान पर शरण ली है। हालांकि, विकट परिस्थिति के बावजूद पुलिसकर्मी अपने कर्तव्यों के निर्वहन को लेकर पूरी तरह मुस्तैद हैं। सिन्हा थाना प्रभारी राजू कुमार ने बताया कि बाढ़ की स्थिति चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन पुलिस प्रशासन पूरी तरह तैयार है। थाना क्षेत्र के जिन-जिन इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंच चुका है, वहां पुलिस जवान लगातार निगरानी कर रहे हैं। पुलिसकर्मियों द्वारा नाव के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि जरूरतमंद लोगों तक मदद पहुंचाई जा सके और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। थाना प्रभारी ने बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोग गहरे पानी में जाने से पूरी तरह बचें और अपने बच्चों को पानी के नजदीक न जाने दें। बाढ़ के दौरान छोटी सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।उन्होंने लोगों से अपील की कि जरूरी सामान लेने के लिए सुरक्षित तरीके से नाव का सहारा लें और अनावश्यक रूप से पानी में उतरने से बचें। किसी भी तरह की परेशानी, दुर्घटना या आपातकालीन स्थिति उत्पन्न होने पर तुरंत सिन्हा थाना को सूचना दें। पुलिस प्रशासन की ओर से प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी की जा रही है। स्थानीय लोगों से भी प्रशासन का सहयोग करने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की गई है।

बड़हरा में गंगा कटाव से संकट, नागेश सम्राट ने मांगी मदद

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा। भोजपुर जिले के बड़हरा प्रखंड में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण कई इलाकों में कटाव का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी बीच हिन्दू पुत्र संगठन के नागेश सम्राट ने बड़हरा प्रखंड के पिपरपांती क्षेत्र में गंगा कटाव से उत्पन्न गंभीर स्थिति को लेकर भारत सरकार के आपदा मंत्रालय से फोन पर वातार्लाप कर तत्काल मदद की मांग की है। नागेश सम्राट ने बताया कि पिपरपांती क्षेत्र में गंगा नदी के कटाव के कारण अब तक लगभग 10 घर नदी में विलीन हो चुके हैं। उन्होंने आपदा मंत्रालय से इस गंभीर समस्या को लेकर तत्काल आवश्यक कदम उठाने तथा आगे और घरों को कटाव की चपेट में आने से बचाने की मांग की। वातार्लाप के दौरान आपदा मंत्रालय की ओर से प्रभावित क्षेत्र में आवश्यक मदद और सहयोग उपलब्ध कराने का भरोसा भी दिया गया। मंत्रालय की ओर से स्थिति को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन मिलने की बात कही गई है। नागेश सम्राट ने कहा कि लगातार बढ़ते जलस्तर और गंगा कटाव के कारण ग्रामीणों के सामने गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। कई परिवारों के घर नदी में समा चुके हैं और लोगों को अपने आशियाने तथा सामान की चिंता सता रही है। उन्होंने सरकार से तत्काल राहत एवं बचाव कार्य तेज करने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने पूरे बड़हरा प्रखंड के बाढ़ प्रभावित पंचायतों में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग भी की। प्रभावित लोगों के लिए भोजन, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सा सुविधा, पशुओं के लिए चारा और सुरक्षित स्थानों पर रहने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की गई। नागेश सम्राट ने कहा कि गंगा कटाव की समस्या का स्थायी समाधान जरूरी है, ताकि हर साल ग्रामीणों को बाढ़ और कटाव की त्रासदी का सामना न करना पड़े। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से प्रभावित परिवारों की सुरक्षा के लिए तत्काल राहत, बचाव और कटावरोधी उपाय शुरू करने की मांग की।

आउटसोर्सिंग सेवाओं की टेंडर प्रक्रिया पर लगेगा अंकुश

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। बिहार के सरकारी विश्वविद्यालयों में आउटसोर्सिंग सेवाओं की टेंडर प्रक्रिया अब मनमाने तरीके से नहीं हो सकेगी। राजभवन सह कुलाधिपति के निर्देश पर विश्वविद्यालयों में सुरक्षा, सफाई और वाहन किराये जैसी सेवाओं के लिए मॉडल टेंडर व्यवस्था लागू करने की पहल की गई है। इसका सीधा असर वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा की आउटसोर्सिंग व्यवस्था पर भी पड़ेगा। अब विश्वविद्यालय प्रशासन को इन सेवाओं के लिए अलग-अलग शर्तें तय करने के बजाय निर्धारित मॉडल टेंडर का पालन करना होगा। राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और कुलसचिवों को मॉडल टेंडर को लागू

करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही टेंडर प्रक्रिया को ऑनलाइन रखने पर भी जोर दिया गया है। इसके तहत आउटसोर्सिंग सेवाओं के लिए ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के माध्यम से ही ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। सुरक्षा सेवा, मशीनयुक्त सफाई एवं हाउसकीपिंग तथा वाहन किराये के लिए अलग-अलग मानक निर्धारित किए गए हैं। मॉडल टेंडर में सुरक्षा एजेंसी के चयन और गार्डों की तैनाती के लिए निर्धारित मानकों का पालन अनिवार्य होगा। सुरक्षा गार्ड, सफाईकर्मी और वाहन चालकों का पुलिस वेरिफिकेशन भी कराना होगा। किसी कर्मचारी को बिना निर्धारित सत्यापन के विश्वविद्यालय में तैनात नहीं किया जा सकेगा।आउटसोर्सिंग कर्मियों को श्रम संसाधन विभाग द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी का भुगतान करना भी एजेंसी के लिए अनिवार्य होगा।वाहन सेवा को लेकर भी नए नियम कड़े किए गए हैं। किराये पर लिए जाने वाले वाहनों में जीपीएस लगाना अनिवार्य होगा। वाहन की उम्र अधिकतम पांच वर्ष निर्धारित की गई है। वाहन का फिटनेस, आरसी और इंश्योरेंस सहित आवश्यक कागजात अद्यतन रखना होगा। वाहन उपलब्ध नहीं कराने या निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने पर एजेंसी पर जुमार्ना लगाया जा सकेगा। लापरवाही की स्थिति में भी एजेंसी पर आर्थिक दंड का प्रावधान किया गया है। ड्यूटी के दौरान चालक या स्टाफ के अनुपस्थित रहने पर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन जुमार्ना लगाया जा सकता है। बिना वैध फिटनेस और आवश्यक दस्तावेजों के वाहन चलाने पर भी एजेंसी पर कार्रवाई होगी। वाहन में जीपीएस नहीं मिलने अथवा उसके खराब रहने की स्थिति में भी प्रतिदिन जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। विश्वविद्यालयों में आउटसोर्सिंग और खरीद प्रक्रिया को लेकर पूर्व में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में नए मॉडल टेंडर से प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद है।वीकेएसयू में भी सुरक्षा, सफाई और वाहन जैसी आउटसोर्सिंग सेवाओं से जुड़े आगामी टेंडर में इन नियमों का पालन करना विश्वविद्यालय प्रशासन के लिए जरूरी होगा।

पिपरपाती के नाम पर वायरल वीडियो निकला भ्रामक, कार्रवाई की तैयारी

प्रात : किरण संवाददाता

गांव की घटना से जोड़कर सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा एक वीडियो पुलिस जांच में भ्रामक पाया गया है। मामले को लेकर सदर एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह ने कोईलवर एसडीपीओ कार्यालय से वीडियो बयान जारी कर स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने बताया कि वायरल वीडियो का पिपरपाती गांव की किसी घटना से कोई संबंध नहीं है। यह वीडियो किसी दूसरे स्थान का है, जिसे गलत दावे के साथ पिपरपाती गांव का बताकर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया जा रहा था। एसडीपीओ ने बताया कि वीडियो के अवलोकन में एक खेत में दो पक्षों के बीच विवाद होता दिखाई दे रहा है। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी दोनों पक्षों के बीच हस्तक्षेप कर मामले को शांत कराने का प्रयास करते नजर आ रहे हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर इसी वीडियो को पिपरपाती गांव की घटना बताते हुए यह दावा किया जा रहा था कि प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान एक लड़के और महिला के साथ मारपीट की गई है। पुलिस जांच में यह दावा पूरी तरह गलत पाया गया है। पुलिस के अनुसार, उक्त वीडियो ह्यआर के गोलू ब्लॉग्स नामक फेसबुक अकाउंट से गोलू कुमार द्वारा अपलोड किया गया है। पुलिस अब वीडियो को गलत और भ्रामक दावे के साथ प्रसारित करने वाले व्यक्ति की पहचान कर उसके विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की तैयारी में जुटी है। सदर एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह ने आम लोगों से अपील की कि सोशल मीडिया पर प्रसारित किसी भी वीडियो, फोटो या सूचना पर बिना सत्यापन के भरोसा न करें। उन्होंने कहा कि किसी सामग्री को आगे साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करना बेहद जरूरी है। गलत और भ्रामक सूचनाओं के प्रसार से सामाजिक स्तर पर भ्रम और तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में लोगों को जिम्मेदारी के साथ सोशल मीडिया का इस्तेमाल करना चाहिए।

हर बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आए कॉमेडियन जितेश कुमार, दोस्तों संग बांटी राहत सामग्री

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर और तेज कटाव के कारण भोजपुर के कई गांवों में बाढ़ का संकट गहराता जा रहा है। जवइनिया और पिपरपांती गांव में प्रभावित परिवारों की मदद के लिए कॉमेडियन व कंटेंट क्रिएटर जितेश कुमार ने अपने साथियों के साथ राहत अभियान चलाया।जवइनिया निवासी निर्मल सिंह के पुत्र जितेश कुमार ने अपने बड़े भाई संतोष कुमार और चंदन कुमार के सहयोग से राहत सामग्री के लिए लोगों से डोनेशन जुटाया। अभियान में छात्रों, बाजार के दुकानदारों और आसपास के लोगों ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग किया। इसके बाद जितेश अपने साथियों के साथ बाढ़ प्रभावित दोनों गांवों में पहुंचे और जरूरतमंद परिवारों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया। अभियान के दौरान लोगों को खाने-पीने की सामग्री के साथ कॉपी, कलम, दवाइयां और अन्य आवश्यक सामान उपलब्ध कराया गया। राहत सामग्री मिलने पर प्रभावित परिवारों ने आभार जताया। जितेश कुमार ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में जरूरतमंद लोगों की मदद करना समाज के हर सक्षम व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राहत अभियान में लोगों का सहयोग यह बताता है कि संकट के समय समाज एकजुट होकर प्रभावित परिवारों का सहारा बन सकता है।राहत वितरण के दौरान गोलू कुमार, विधायक कुमार, सुमीत कुमार, बृजेश यादव, मोहित, सूरज, संतोष और अभिषेक समेत कई साथी मौजूद रहे। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में भी बाढ़ के दौरान जितेश ने अपने साथियों के साथ जवइनिया पहुंचकर प्रभावित लोगों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया था। मनोरंजन के क्षेत्र में सक्रिय रहने के साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े उनके प्रयास की स्थानीय लोगों ने सराहना की।

कोईलवर में चालक व ट्रैक्टर मालिक के खिलाफ केस दर्ज, वाहन जब्त

प्रात : किरण संवाददाता

कोईलवर। भोजपुर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के सकड्डी चेक पोस्ट के समीप अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त कर ले जा रही खनन विभाग की टीम के साथ मारपीट व धक्का-मुक्की के मामले में शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। खनन निरीक्षक राज गौरव के लिखित आवेदन पर पुलिस ने ट्रैक्टर चालक और उसके मालिक को आरोपित करते हुए केस दर्ज किया है। इस संबंध में कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र ने बताया कि खनन निरीक्षक के आवेदन के आधार पर ट्रैक्टर चालक एवं मालिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपितों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। बताया जाता है कि गुरुवार को खनन विभाग की टीम ने सकड्डी चेक पोस्ट के समीप अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को पकड़ा था। टीम जब जब्त ट्रैक्टर को आगे ले जा रही थी, तभी कुछ लोगों द्वारा उसे छुड़ाने का प्रयास किया गया। इस दौरान टीम के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की घटना हुई थी। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया था। खनन विभाग की टीम ने पीछा कर ट्रैक्टर को बाद में पकड़ लिया था।

आरपीपीएस विद्यालय में गूंजा नंद के घर आनंद भयो

प्रात : किरण संवाददाता

कोईलवर। भोजपुर जिले के कोईलवर प्रखंड स्थित आरपीपीएस विद्यालय में शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास और भक्तिमय माहौल में मनाया गया। जन्माष्टमी को लेकर विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। इस दौरान छात्र-छात्राओं के बीच मटकी फोड़ प्रतियोगिता समेत कई गतिविधियां आयोजित की गईं, जिसमें बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक दृश्य उस समय देखने को मिला, जब विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चे भगवान श्रीकृष्ण और राधा की मनमोहक वेशभूषा में विद्यालय पहुंचे। कोई कान्हा के रूप में बांसुरी थामे नजर आया तो कोई राधा की सुंदर वेशभूषा में सजी दिखी। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने विद्यालय परिसर में मौजूद शिक्षकों और अभिभावकों का मन मोह लिया। मटकी फोड़ प्रतियोगिता को लेकर बच्चों में खासा उत्साह रहा। छात्राओं में अंशु, अश्मिता, अंजलि, मोनी, मानशी, वंदना, अनामिका, इफरा

रहमान और रौशनी सहित अन्य छात्राओं ने भाग लिया। वहीं छात्रों में मोहित यादव, कुणाल कुमार, अतुल राज, अमन यादव, लवकुश कुमार, अमन कुमार, अंकुश कुमार, समीर कुमार, प्रेम कुमार, शानय कुमार, मणि कुमार और सन्नी कुमार समेत अन्य बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मटकी फोड़ने के लिए बच्चों ने पूरे जोश के साथ प्रयास किया। कार्यक्रम में शामिल बच्चों ने श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की झांकी भी प्रस्तुत की। बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को विद्यालय प्रबंधन की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार मिलने पर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। विद्यालय के निदेशक रविकांत राय ने कहा कि जन्माष्टमी के अवसर पर बच्चों के बीच मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन करने का उद्देश्य उन्हें भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि बच्चों ने कार्यक्रम में जिस उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया, वह सराहनीय है। राधा-कृष्ण के रूप में सजे बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं, बच्चों और अभिभावकों का आभार जताया।कार्यक्रम को सफल बनाने में एमडी रविकांत राय, सुजीत कुमार, विक्की कुमार, रूबी सिंह, अलका कुमारी, सोनाली सिंह, अजय उपाध्याय, अभिषेक सिंह, रविशंकर सिंह, झुमा और गौतम सिंह समेत विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जन्माष्टमी के आयोजन के दौरान विद्यालय परिसर पूरी तरह उत्सव के रंग में रंगा नजर आया।

सघन अनुश्रवण और समुदाय केंद्रित नीति से हो रहा फाइलेरिया उन्मूलन का प्रयास

प्रात : किरण संवाददाता

भोजपुर- जिला से फाइलेरिया के दंश को समाप्त करने के लिए पूरा स्वास्थ्य तंत्र प्रयासरत है. इसके लिए जिला से लेकर पंचायत एवं गाँव स्तर तक प्रयास किए जा रहे हैं. जिला में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का सघन अनुश्रवण किया जा रहा है और समुदाय को केंद्र में रखकर बीमारी के खिलाफ जागरूकता की अलख जगाने का प्रयास किया जा रहा है. जिला में अभी 2375 फाइलेरिया मरीज प्रतिवेदित हैं और इनमे हाइड्रोसिल मरीज की संख्या 310 है. सिविल सर्जन डॉ. शिवेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि फाइलेरिया दीर्घकालिक दिव्यांगता का दूसरा प्रमुख कारण है. यह रोग जितना जटिल है इसका निवारण उतना ही सरल है. हर वर्ष संचालित होने वाले एमडीए राउंड के दौरान फाइलेरिया की दवा का सेवन करें और पांच साल तक लगातार साल में एक बार दवा सेवन कर सभी व्यक्ति फाइलेरिया से अपने आप को काफी हद तक सुरक्षित रख सकते हैं. उन्होंने बताया कि हाथीपांव और हाइड्रोसिल दोनों फाइलेरिया है और ऑपरेशन द्वारा हाइड्रोसिल का उपचार संभव है. जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार सिन्हा ने कहा कि फरवरी में संचालित एमडीए अभियान के दौरान जिला की कुल योग्य आबादी का 98.23 प्रतिशत लोगों ने फाइलेरिया की दवा का सेवन किया था. जिला में 1175 हाथीपांव के मरीजों को एमएमडीपी किट वितरित की गयी है. उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक फाइलेरिया के सार्वजानिक दवा सेवन अभियान (एमडीए) में लोगों को दवा के प्रति जागरूक करना बड़ी चुनौती माना जाता था. दवा के संभावित दुष्प्रभावों को लेकर भ्रांतियां और कई तरह की आशंकाएं लोगों के बीच थीं. ऐसे में केवल दवा उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं था. जरूरत थी कि गांव के लोग खुद आगे आएं, एक-दूसरे से संवाद करें और स्वास्थ्य कार्यक्रम को अपनी जिम्मेदारी समझें. इसी सोच के साथ सीएचओ के नेतृत्व में गठित रोगी हितधारक मंच (पीएसपी) सामुदायिक भागीदारी का माध्यम बना है. जिला के आरा सदर प्रखंड के धमार पंचायत स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सीएचओ ममता कुमारी ने बताया कि मंच के माध्यम से समुदाय के बीच में फाइलेरिया के बारे में जागरूकता फैलाने का काम किया जा रहा है. चूँकि मंच के कई सदस्य खुद बीमारी के मरीज रहे हैं, वह बेहतर तरीके से समुदाय के बीच जाकर अपना अनुभव साझा करते हैं और बचाव के उपाय समझाते हैं. उन्होंने बताया कि विभाग के सहयोग से मंच से माध्यम से लोगों को एमडीए अभियान के दौरान दवा सेवन के लिए प्रेरित किया जाता है और दवा सेवन के लाभ बताए जाते हैं. कोईलवर प्रखंड के गिद्धा पंचायत स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सीएचओ-पीएसपी सदस्य रेनू देवी बताती हैं कि वह खुद इस बीमारी से ग्रसित हैं और लोगों को बताती हैं कि फाइलेरिया से बचाव के लिए दवा सेवन और मच्छरों से सुरक्षा सबसे सशक्त माध्यम है।

पूर्व मध्य रेल

ई—निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई—निविदा आमंत्रित की जाती है। **क्रम सं: (1), ई—निविदा सं०—पूमरे—मुप्रअ—नि—द— ईपीसी—03—26—27, कार्य का नाम :** ''इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी)'' — बख्तियारपुर—राजगीर—तिलैया खंड के दोहरीकरण के संबंध में, ''25 टन भारतीय रेलवे मानक लोडिंग के लिए दोहरीकरण कार्य के निर्माण हेतु इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी)'' (जिसमें करनाउती स्टेशन (2.844 किमी सहित) से बिहार शरीफ स्टेशन (29.350 किमी को छोड़कर) तक और 1.900 किमी से 28.192 किमी (कुल 26.292 किमी) तक के कार्य शामिल हैं। **अंकलित मूल्य (रू०) :** 575,14,02,853.17, **निविदा प्रपत्र का लागत (रू.) :** 0.00, **अग्रधन राशि (रू.) :** 11,50,28,100.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 810 दिन, **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** 30.12.2026 at 15.30 बजे। ऐसी ई—निविदाओं के तहत डाक/ कुरियर/ फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल निविदा अस्वीकार्य होगा तथा उसके बारे में बिना किसी विचार के तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई—निविदा दस्तावेज सहित की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं। **द्रष्टव्य :** निविदा सूचना में किसी प्रकार की त्रुटि पाई जाने पर अंग्रेजी संस्करण मान्य होगा। प्रत्याशित निविदादाताओं को यह सलाह दी जाती है कि इस ई—निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पन्द्रह दिन पहले वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें। कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र सिर्फ **IREPS** वेबसाईट पर ही उपलब्ध किये जाएंगे।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/महेन्द्रूघाट, पटना

पीआर/0867/सीओएन/एस/एमएचएक्स/पीएटी/सीओएनएसटी/टी/26-27/48

कृषि मंत्री ने पूर्व जिलाध्यक्ष के पिता के निधन पर गहरी संवेदना प्रकट कि

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी। भाजपा गया जिला के पूर्व जिलाध्यक्ष जैनेन्द्र कुमार के पिता स्व राजेन्द्र प्रसाद सिंह के निधन दो सितंबर को हो गया था। वे बिहार सरकार के सेवानिवृत्त पदाधिकारी थे। बिहार सरकार के कृषि मंत्री सह प्रभारी मंत्री विजय कुमार सिन्हा उनके आवास पर पहुँचकर शोकाकुल परिवारजनों से मुलाकात की एवं अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। कहा कि इस दुःख की इस कठिन घड़ी में परिवारजनों को ढांढस बंधाया तथा उनके दुःख में सहभागी बने हैं। भगवान से प्रार्थना करते हुए कहा कि ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोक-संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

ओबरा थाने में नए शांति समिति का किया जाएगा गठन

प्रात: किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिले के ओबरा थाना परिसर में रविवार को नए शांति समिति के गठन को लेकर एक बैठक थाना अध्यक्ष नीतीश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी, जिसमें नए युवा वर्ग के लोगों को शांति समिति में जोड़ने के उद्देश्य से यह बैठक रखा गया है। जिसमें बताया गया कि विभिन्न धर्म तथा विभिन्न वर्ग के सामाजिक सकुशल व्यक्ति को चिन्हित करते हुए कमेटी में शामिल करना है। जिसको लेकर या बैठक बुलाई गई है जो भी नए सदस्य होंगे वे पुलिस पब्लिक के साथ समन्वय स्थापित कर सभी पूजा तथा त्यौहार को सफलतापूर्वक सफल बनाने में सहयोग या समिति के सदस्य करेंगे। इसके लिए एक बैठक रविवार को 2:00 थाना परिसर में बैठक आयोजित की जाएगी। थाना अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए आगे बताया कि इसमें ऐसे लोगों को शामिल किया जाएगा, जो साफ छवि के लोग शामिल किया जाएगा। जो अनुमंडल से लेकर जिला शांति समिति की बैठक तक शामिल होंगे। सभी लोगों के साथ संबंध में स्थापित कर शांति तथा सदभावना पूर्वक सभी पर्वों में सहयोग प्रदान करेंगे। इसके उद्देश्य से नई कमेटी का गठन के लिए बैठक बुलाई गई है।

संक्षिप्त खबरें

नन्हे कदम, कान्हा के रंग–खुशियों से सजा बाल संसार

गया। इनर व्हील क्लब ऑफ गया सनराइज द्वारा ज्ञान भारती वर्ल्ड स्कूल, गया के किंडरगार्टन के नन्हे-मुन्नों के लिए जन्माष्टमी के अवसर पर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चे कृष्ण, राधा और गोपियों के मनमोहक रूप में सजे तथा आकर्षक प्रॉप्स के साथ सुंदर रोल-प्ले प्रस्तुत कर अपनी रचनात्मकता और आत्मविश्वास का परिचय दिया। संस्कारों से जुड़ें नन्हे कदम, तो संस्कृति का भविष्य होता है उज्ज्वल। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति एवं जन्माष्टमी के महत्व से जोड़ने के साथ उनमें आत्म-अभिव्यक्ति, रचनात्मकता और आत्मविश्वास विकसित करना था। उत्कृष्ट वेशभूषा एवं रोल-प्ले के लिए बच्चों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए तथा सभी बच्चों के बीच मिठाइयाँ वितरित की गईं। अध्यक्ष मधु प्रिया ने कहा, ऐसी गतिविधियाँ बच्चों को संस्कृति से जोड़ने के साथ उनके व्यक्तित्व और आत्मविश्वास को निखारती हैं। सचिव स्नेहा शाही ने कहा, त्योहार केवल उत्सव नहीं, बल्कि हमारी नई पीढ़ी को संस्कार, सद्भाव और अपनी विरासत से जोड़ने का माध्यम हैं। ऐसे संस्कार ही एक बेहतर समाज की नींव रखते हैं। संस्कृति की जड़ें मजबूत हों, तो भविष्य की शाखाएँ भी सशक्त होती हैं।

सशक्त बेटी, सुरक्षित बेटी–फिटनेस के साथ आत्मविश्वास की उड़ान

गया। इनर व्हील क्लब ऑफ गया सनराइज द्वारा ग्यान भारती वर्ल्ड स्कूल, गया जी में फिट गर्ल कम्पेन के अंतर्गत कक्षा श्क्क्क की छात्राओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से मजबूत, आत्मविश्वासी एवं आत्मनिर्भर बनाना था। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष मधु प्रिया एवं एडीटर साजीया हबीब उपस्थित रहीं। प्रशिक्षण के दौरान विद्यालय के पीटी टीचर ने छात्राओं को आत्मरक्षा की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया तथा वास्तविक जीवन की परिस्थितियों के माध्यम से विपरीत परिस्थितियों में सजग, साहसी और आत्मविश्वास से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही छात्राओं ने योग एवं श्वास अभ्यास किए, जिससे एकाग्रता, तनाव नियंत्रण और मानसिक संतुलन विकसित हो सके।अध्यक्ष मधु प्रिया एवं सचिव स्नेहा शाही ने कहा, ह्लहमारा उद्देश्य बेटियों को केवल शारीरिक रूप से फिट बनाना नहीं, बल्कि उन्हें मानसिक रूप से मजबूत, जागरूक और आत्मविश्वासी बनाना है, ताकि वे हर परिस्थिति का साहस और आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें।ह्व क्लब की यह पहल छात्राओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, स्वयं पर विश्वास रखने और निर्भीक होकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने वाली रही।

कलेर में याकुजा इलेक्ट्रिक स्कूटी शोरूम का उद्घाटन

कलेर/अरवल। जिले के कलेर प्रखंड मुख्यालय स्थित कलेर बाजार में एसबीआई बैंक के नीचे आर गणपति इंटरप्राइजेज द्वारा याकुजा टू-व्हीलर इलेक्ट्रिक स्कूटी शोरूम का उद्घाटन किया गया। अब याकुजा इलेक्ट्रिक स्कूटी आपके गांव-शहर में आकर्षक ऑफर के साथ उपलब्ध है। छात्र-छात्राओं को अब कम खर्च में बिना डीजल-पेट्रोल के अपने घर से शिक्षण संस्थान तक जाने में सहूलियत मिलेगी। अब टू-व्हीलर के लिए 1 लाख से 1.5 लाख रुपये से अधिक खर्च करने की जरूरत नहीं है। इस अवसर पर आर. के. तिवारी उर्फ बबलू तिवारी ने बताया कि मात्र 35,000 रुपये में आप इस स्कूटी को ले सकते हैं और रोजमर्रा के कार्यों व पढ़ाई के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं। एक बार चार्ज करने पर यह 50 से 100 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकती है। उन्होंने बताया कि नकद भुगतान के साथ-साथ बजाज फाइनेंस के माध्यम से फाइनेंस की सुविधा भी उपलब्ध है। अच्छा सिविल स्कोर रहने पर आसान किस्तों पर स्कूटी मिलेगी और साथ में प्रॉपर सर्विस भी दी जाएगी।

टिकारी में 89 दिव्यांगजनों को निःशुल्क मोटोराइज्ड ट्राइसाइकिल, व्हिलचेयर एवं सहायक उपकरण का वितरण

प्रात: किरण संवाददाता

टेकारी। गया जिले के टिकारी में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के सार्वजनिक उपक्रम इंजिनियर्स इंडिया लिमिटेड इ आइ एल के सीएसआर फंड के माध्यम से 89 दिव्यांगजनों को निःशुल्क मोटोराइज्ड ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर एवं अन्य सहायक उपकरण वितरित किए गए हैं। इंजिनियर्स इंडिया लिमिटेड इ आई एल के स्वतंत्र निदेशक के नाते मैंने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की है। इस कार्यक्रम का सफल संचालन समाजसेवी संजय ने किए हैं। इस अवसर पर ई आइ एल के सी एम डी अतुल कुमार गुप्ता जी एवं निदेशक मानव संसाधन रुपेश कुमार सिंह जी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया और दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए इ आइ एल की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक मोहन सिंह, पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह, गुरुआ विधायक उपेंद्र दांगी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक उमेश कुमार, क्षेत्र बौद्धिक प्रमुख राणा प्रताप सिंह, भाजपा नेता क्षितिज मोहन सिंह, रेड क्रॉस के सचिव सरोज सिंह, उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, भाजपा जिला प्रभारी सिद्धनाथ मिश्रा, भाजपा उपाध्यक्ष श्री संतोष देव सहित अनेक गणमान्य एवं समाजसेवी उपस्थित रहे हैं। इस अवसर पर पुष्पा चौरसिया, भुवन मोहिनी, पूनम कुमारी, प्रभास आनंद, अशोक दुबे, निरंजन सिंह, सुनील सिंह, शिव वल्लभ मिश्रा, सुधीर कुमार, विनोद कुमार, हिमांशु कुमार, जयराम केसरी, रामाशीष प्रजापति, रामजी केसरी, सतीश केसरी, संजय केसरी, राजकुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में समाजसेवी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे हैं। दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उनके जीवन को अधिक सुगम, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। इ आइ एल के सीएसआर के माध्यम से जरूरतमंद दिव्यांगजनों की सेवा का यह प्रयास सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करता है।

गया जिले में शुरू होगा सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विशेष संवाद अभियान

- हेलमेट-सीट बेल्ट से लेकर ओवरस्पीडिंग तक पर होगी नजर, स्कूल-कॉलेजों में भी चलेगा जागरूकता अभियान

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से गया जिले में 7 सितंबर से सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विशेष संवाद अभियान शुरू होगा। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए शुक्रवार को जिला परिवहन कार्यालय में डीटीओ राजेश कुमार की अध्यक्षता में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक हुई। इसमें अभियान के सफल संचालन को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। डीटीओ राजेश कुमार ने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर केवल नियमों का पालन कराना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लोगों में सुरक्षित यातायात को लेकर व्यवहारिक बदलाव लाना भी जरूरी है। इसी उद्देश्य से अभियान के दौरान स्कूल-कॉलेजों, प्रमुख सार्वजनिक स्थलों और वाहन चालकों के बीच विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विद्यार्थियों और युवाओं को सड़क सुरक्षा का संदेश देने के साथ उन्हें यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदार बनाया जाएगा। अभियान के दौरान दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट का इस्तेमाल, चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करने के लिए जागरूक किया जाएगा। शराब के नशे में वाहन चलाने, ओवरस्पीडिंग और ओवरलोडिंग से होने वाले हादसों के प्रति भी लोगों को सचेत किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ जांच और कार्रवाई भी तेज की जाएगी। बैठक में सड़क दुर्घटना के बाद गोल्डन ऑवर के महत्व पर भी चर्चा हुई है। अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाना उसकी जान बचाने में बेहद महत्वपूर्ण हो सकता है। इसलिए आम लोगों को दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने के लिए आगे आने के लिए प्रेरित किया जाएगा। अभियान के तहत जिले के दुर्घटना संभावित एवं संवेदनशील स्थानों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। संबंधित विभागों के समन्वय से जरूरत के अनुसार साइनेज, ब्लिंकर, क्रैश बैरियर सहित अन्य सड़क सुरक्षा उपायों को दुरुस्त कराने की पहल की जाएगी। वाहन चालकों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा की शपथ भी दिलाई जाएगी। इसमें बिना हेलमेट और सीट बेल्ट वाहन नहीं चलाने, गति सीमा का पालन करने, वाहन चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करने तथा सड़क दुर्घटना पीड़ितों की हरसंभव मदद करने का संकल्प दिलाया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा सरकार के साथ समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है।

ब्रह्माकुमारीज सिविल लाइन सेवाकेंद्र में हर्षोल्लास एवं श्रद्धापूर्वक मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

प्रात: किरण संवाददाता

गया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के राजयोग ज्ञान केंद्र, सिविल लाइन सेवाकेंद्र में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व बड़े ही उल्लास, श्रद्धा एवं आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया है। इस कार्यक्रम में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए हैं। इस कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ है। सेवाकेंद्र की संचालिका बी.के. शीला दीदी के साथ आर.पी. यादव, पूर्व राज्य मंत्री, बिहार सरकार, बालेष भिक्षु, साहित्यकार, रिटायर्ड प्रो. अजमत हुसैन खान एवं संतोष कुमार, समाजसेवी ने संयुक्त रूप से भारतीय परंपरा के अनुसार दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया है। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज द्वारा श्रीकृष्ण के आध्यात्मिक स्वरूप एवं सतयुगी जीवन की विशेषताओं पर प्रकाश डाला गया है। वक्ताओं ने कहा कि श्रीकृष्ण केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक ही नहीं, बल्कि पवित्रता, प्रेम, शांति, सद्भावना एवं श्रेष्ठ चरित्र के प्रतीक हैं। ब्रह्माकुमारीज के अनुसार श्रीकृष्ण परमात्मा की सर्वश्रेष्ठ रचना सतयुग के राजकुमार के रूप में दैवी गुणों से संपन्न जीवन का संदेश देते हैं। इस कार्यक्रम में श्रीकृष्ण एवं राधा की मनमोहक झांकी, नृत्य-संगीत तथा रास की सुंदर प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया है। बाल कलाकारों एवं प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने पूरे वातावरण को भक्तिमय एवं आनंदमय बना दिया है। सेवाकेंद्र की संचालिका बी.के. शीला दीदी ने उपस्थित लोगों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के आध्यात्मिक रहस्य से अवगत कराते हुए कहा कि आज आवश्यकता केवल श्रीकृष्ण की पूजा करने की नहीं, बल्कि उनके समान पवित्रता, प्रेम, शांति और दैवी गुणों को अपने जीवन में धारण करने की है। उन्होंने कहा कि राजयोग के अभ्यास द्वारा मन को सकारात्मक एवं शक्तिशाली बनाकर श्रेष्ठ संस्कारों का निर्माण किया जा सकता है। इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने ब्रह्माकुमारीज द्वारा समाज में आध्यात्मिक जागृति, नैतिक मूल्यों एवं सकारात्मक जीवनशैली के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की है। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने श्रीकृष्ण के दैवी गुणों को जीवन में अपनाने तथा समाज में प्रेम, शांति एवं सद्भावना का वातावरण बनाने का संकल्प लिया है। इस कार्यक्रम अत्यंत उल्लासपूर्ण एवं आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ है।

साइबर अपराध से बचाव को लेकर एनसीसी कैडेटों को किया जागरूक

- संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में साइबर सुरक्षा पर सेमिनार, एसएसपी सुशील कुमार ने बताए ऑनलाइन ठगी से बचने के उपाय

प्रात: किरण संवाददाता

गयाजी। 6 बिहार बटालियन एनसीसी द्वारा गया कॉलेज, गयाजी में आयोजित संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के दौरान साइबर सुरक्षा विषय पर विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया है। सेमिनार में एनसीसी कैडेटों को बढ़ते साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी और डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित इस्तेमाल के प्रति जागरूक किया गया है। इस कार्यक्रम में 6 बिहार बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पंकज कुमार, कीर्ति चक्र, गया कॉलेज, गयाजी के प्राचार्य डॉ. सतीश सिंह चंद्र, नगर पुलिस अधीक्षक अभिनव सहित कई पुलिस पदाधिकारी, विभिन्न थानों के पुलिस निरीक्षक तथा बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट मौजूद रहे हैं। इस अवसर पर गया के वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार ने एनसीसी कैडेटों को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल तकनीक ने लोगों के जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ साइबर अपराध की चुनौतियां भी तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में सभी को ऑनलाइन गतिविधियों के दौरान सतर्क और जागरूक रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कैडेटों से कहा कि किसी अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करें और ओटीपी, पासवर्ड, बैंक खाता, एटीएम या अन्य व्यक्तिगत जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें। एसएसपी ने कहा कि साइबर अपराध के प्रति जागरूकता ही इससे बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन ठगी होती है तो बिना देर किए साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं तथा पुलिस को इसकी सूचना दें। सेमिनार के दौरान पुलिस अधिकारियों ने सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल, फर्जी कॉल एवं लिंक, ऑनलाइन भुगतान में सावधानी तथा साइबर अपराध की शिकायत करने की प्रक्रिया के बारे में भी कैडेटों को जानकारी दी है। कैडेटों ने साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न सवाल पूछे, जिनका अधिकारियों ने विस्तार से जवाब दिया है। इस कार्यक्रम के अंत में 6 बिहार बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पंकज कुमार ने वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार को स्मृति-चिह्न (मोमेंटो) भेंट कर सम्मानित किया है। अधिकारियों ने कैडेटों से स्वयं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने तथा परिवार और समाज के लोगों को भी जागरूक करने की अपील की है।

प्रबंधक ने पैक्स सदस्यों के सदस्यता संबंधी डाटा डिजिटलीकरण से संबंधित बातों की दी जानकारी

औरंगाबाद। कॉपरेटिव बैंक शाखा ओबरा मे प्रबंधक राजीव कुमार रंजन ने सहकारिता विभाग द्वारा राज्य सभी पैक्स सदस्यों के बैठक आयोजित कर कई आवश्यक बातों की जानकारी देते हुए कहा कि पैक्स सदस्यों के सदस्यता संबंधित डाटा डिजिटलीकरण एवम ऑनलाइन संधारण का कार्य कराया जा रहा है। जिसके प्रति सजग रहकर पैक्स के सभी सदस्यों का आवश्यक विवरण एवम केवाईसी पूर्ण किए जाने को लेकर कई बातों की जानकारी दी। प्रबंधक ने बताया कि सहकारिता विभाग से जुड़े जिला एवम प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी कर्मचारियों को पैक्स वार अधिकृत करते हुए पैक्स कर्मियों एवम सदस्यों को आवश्यक सहयोग प्रदान करने की जो जिम्मेदारी दी गई है। जिसका अनुश्रवण दैनिक रूप से राज्य स्तरीय विभागीय पदाधिकारी द्वारा भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पैक्स सदस्यों से नाम सदस्यता का प्रकार आधार मोबाइल नंबर पता बैंक संबंधित विवरण भूमि एवम अन्य आवश्यक जानकारी निर्धारित प्रारूप मे प्राप्त की जा रही है। जिसका उद्देश्य पैक्स सदस्यो का सही एवम पूर्ण डिजिटल डाटा तैयार करना है। जिससे भविष्य मे सहकारिता विभाग एवम पैक्स की विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र सदस्यों तक सुगंता से पहुंचाया जाए सके ।शाखा प्रबंधक राजीव कुमार रंजन ने सभी पैक्स सदस्यों से आग्रह किया है वे अपने सम्बन्धित पैक्स कर्मी से संपर्क कर केवाईसी एवम मांगी गई आवश्यक जानकारी दस्तावेज शीघ्र उपलब्ध कराए। निर्धारित जानकारी उपलब्ध नही कराए कि स्तिथि मे भविष्य मे पैक्स एवम सहकारिता विभाग। विभिन्न लाभकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने मे कठिनाई होगी । उन्होंने सभी सदस्यों को इस कार्य को प्राथमिकता देते हुए,समय पर अपना केवाईसी सम्बन्धित सदस्यता डाटा पूरा करने की अपील की है। मौके पर सदस्य बीरेंद्र कुमार मोहन कुमार सुरेंद्र प्रसाद अशोक कुमार पप्पू कुमार समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

हिंदी दिवस पाक्षिक पूर्व कार्यक्रम के पांचवें दिन डॉ रामाशीष सिंह किए गए याद

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद की महत्वपूर्ण साहित्यिक संस्था जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के तत्वावधान में 14 सितंबर हिंदी दिवस पाक्षिक पूर्व कार्यक्रम के निमित्त औरंगाबाद जिले के साहित्यकारों का हिंदी भाषा में योगदान कार्यक्रम के पांचवें दिन विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं के संरक्षक रहे डॉ रामाशीष सिंह जी को याद किया गया।जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह, उपाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा,महामंत्री धनंजय जयपुरी के आह्वान पर संवाद के क्रम में जिला उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि डॉ रामेश्वर सिंह मूल रूप से पेशे से चिकित्सक थे।

नगर आयुक्त ने वृंदावन कॉलोनी में जलजमाव की समस्या को गंभीरता से लेते हुए अभियंता को दिए निर्देश

गया । गया शहर के चंदौती थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या-29 स्थित वृंदावन कॉलोनी में विगत दिनों हुई भारी बारिश के कारण जलजमाव की स्थिति उत्पन्न होने की सूचना जिला पदाधिकारी, गया शशांक शुभंकर को प्राप्त हुई। जिला पदाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल नगर आयुक्त, गया नगर निगम डॉ० गगन कुमार को स्थल का निरीक्षण कर जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। जिला पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में नगर आयुक्त स्वम एवं संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ जाकर स्थिति का जायजा लिया गया है। नगर निगम द्वारा वृंदावन कॉलोनी में जलजमाव को दूर करने के लिए पंप सेट सहित आवश्यक मशीनरी एवं संसाधनों को लगाया गया है। इसके माध्यम से जल निकासी का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। जिससे स्थानीय निवासियों को जलजमाव के कारण होने वाली परेशानी से शीघ्र राहत मिल सके। नगर आयुक्त, गया नगर निगम ने बताया कि वृंदावन कॉलोनी अपेक्षाकृत नया बसावट क्षेत्र है। इस क्षेत्र में मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना के तहत सड़क का निर्माण कराया गया है। विगत दिनों हुई भारी वर्षा के कारण क्षेत्र में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हुई है। नगर निगम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए पंप सेट एवं अन्य आवश्यक मशीनों के माध्यम से जल निकासी का कार्य कराया जा रहा है। आगे बताया कि वर्तमान जलजमाव की समस्या के त्वरित समाधान के साथ-साथ भविष्य में इस क्षेत्र में दोबारा जलजमाव की स्थिति उत्पन्न नहीं हो, इसके लिए स्थायी समाधान की दिशा में भी कार्रवाई की जा रही है। नगर निगम के अभियंताओं को क्षेत्र का तकनीकी निरीक्षण कर जल निकासी की व्यवस्था, सड़क की ऊंचाई, जल के प्राकृतिक बहाव एवं आवश्यक ड्रेनेज व्यवस्था का आकलन करने का निर्देश दिया गया है। आवश्यकतानुसार नाला,ड्रेनेज निर्माण और अन्य तकनीकी उपायों के माध्यम से स्थायी जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। जिला प्रशासन एवं नगर निगम द्वारा तत्काल राहत के साथ-साथ दीर्घकालिक समाधान पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे आगामी बरसात के दौरान स्थानीय लोगों को इस प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को जल निकासी कार्य की नियमित निगरानी करते हुए इसे शीघ्र पूर्ण कराने एवं क्षेत्र में जलजमाव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

पितृ पक्ष मेला आयोजन 2026 के गठित कोषांग में सदस्य बने अवध बिहारी पटेल

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी। जनता दल यू गयाजी के जिला महासचिव सह जिला 20सूत्री के सम्मानित सदस्य , सामाजिक कार्यकर्ता अवध बिहारी पटेल जी को पितृपक्ष मेला, गया 2026 के सफल आयोजन के लिए गठित कोषांग में सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपको जलापूर्ति एवं स्वच्छता कोषांग में जिम्मेदारी दिया जाना आपके सामाजिक सरोकार, जनसेवा के प्रति समर्पण और सक्रियता का सम्मान है। गयाजी जैसे विश्वप्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल पर पितृपक्ष मेले में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्वच्छता एवं पेयजल जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं में योगदान देना निश्चित रूप से सराहनीय होगी। जनता दल (यू), गया जी में आपकी लगातार सांगठनिक सक्रियता, कार्यकताओं से जुड़ाव और समाजहित में सक्रिय भूमिका भी प्रशंसनीय है। संगठन को मजबूत करने और जनसमस्याओं को सामने रखने में आपका योगदान कार्यकताओं एवं आम लोगों के लिए प्रेरणादायक है। बधाई देने वाले में द्वारिका प्रसाद, ज्योति दांगी ,अजीत शर्मा, बबन चंद्रवंशी, राकेश पांडे, शंकर चौधरी, जितेंद्र दास, शहजाद शाह, श्रीकांत प्रसाद, अवधेश प्रसाद, दिवाकर कुमार, मुन्ना पटवा, रामबली बिंद, बीरेंद्र शर्मा, राधेकांत शर्मा, प्रकाश पटवा, अरविंद वर्मा, टिब्लू सिंह, सहित अनेक लोगों ने बधाई दी है।

नीमचक बथानी में खाद की कालाबाजारी का आरोप यूरिया 500 तो डीएपी 2,000 में बिकने की शिकायत

किसानों की परेशानी को लेकर जिला कृषि पदाधिकारी से सभी दुकानों की जांच और सख्त कार्रवाई की मांग

नीमचक बथानी। प्रखंड क्षेत्र में खाद की कथित कालाबाजारी और निर्धारित दर से अधिक कीमत पर बिक्री को लेकर किसानों में नाराजगी है। किसानों की शिकायत है कि यूरिया की बोरी करीब 500 और डी ए पी करीब 2,000 में बेची जा रही है, जिससे खेती की लागत बढ़ रही है। किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए माननीय जिला परिषद सदस्य गुलिस्ता खातून ने जिला कृषि पदाधिकारी, गया को ईमेल भेजकर नीमचक बथानी प्रखंड की सभी खाद दुकानों की जांच कराने की मांग की है। उनके सहयोगी युवा जदयू प्रदेश महासचिव, बिहार मोहम्मद औरंगजेब ने भी किसानों को निर्धारित दर पर खाद उपलब्ध कराने और कालाबाजारी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। गुलिस्ता खातून ने कहा कि किसानों को खाद के लिए परेशान नहीं होना चाहिए और उन्हें निर्धारित दर पर ही खाद मिलनी चाहिए। उन्होंने विभाग से स्टॉक, बिक्री रजिस्टर और बिल की जांच कर दोषी पाए जाने वाले दुकानदारों पर नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। खाद की कालाबाजारी पर रोक लगे, किसानों को मिले उनका हक–यही हमारी प्राथमिकता है।

पत्रकार सतेन्द्र कुमार की पत्नी के निधन पर पूर्व विधायक महानंद सिंह ने जताया शोक

गयाजी। पत्रकार सतेन्द्र कुमार की पत्नी का सांप के काटने से निधन हो गया। निधन की खबर मिलते ही पूर्व विधायक महानंद सिंह उनके आवास पर पहुंचे और शोक-संतप्त परिवार से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।इस दौरान पूर्व विधायक महानंद सिंह ने कहा कि सतेन्द्र कुमार की पत्नी के असामयिक निधन से परिवार के साथ-साथ समाज ने भी एक अच्छी, मिलनसार और संवेदनशील महिला को खो दिया है। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा समाज पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।पूर्व विधायक ने कहा कि सबसे अधिक पीड़ा इस बात की है कि सतेन्द्र कुमार के दो छोटे-छोटे बेटे हैं। इतनी कम उम्र में ही दोनों बच्चों ने अपनी मां को खो दिया। बच्चों को अभी ठीक से यह भी समझ नहीं है कि मां उनसे हमेशा के लिए दूर हो गई हैं। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि इन मासूम बच्चों के साथ भगवान ने बहुत बड़ा अन्याय किया है। जिस उम्र में बच्चों को मां का प्यार, दुलार और सहारा मिलना चाहिए, उस उम्र में उनके सिर से मां का साया उठ गया। यह पीड़ा शब्दों में बयां नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में परिवार को अकेला महसूस नहीं करना चाहिए। समाज के लोगों को आगे बढ़कर पीड़ित परिवार और दोनों मासूम बच्चों का सहारा बनना चाहिए। उन्होंने सतेन्द्र कुमार और उनके परिजनों को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।इस मौके पर जिला महासचिव जितेंद्र यादव एवं शोएब आलम ने भी शोक व्यक्त करते हुए कहा कि सतेन्द्र कुमार के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। दोनों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और शोकाकुल परिवार को इस कठिन घड़ी में धैर्य प्रदान करने की कामना की।

माय प्लैनेट प्ले स्कूल में धूमधाम से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

ओबरा (औरंगाबाद)। माय प्लैनेट प्ले स्कूल ओबरा में गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के लगभग 200 नन्हे-मुन्ने बच्चे राधा और कृष्ण के मनमोहक रूप में सजे नजर आए। कार्यक्रम में मटकी फोड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ, जिसमें बच्चों की माताओं ने मां यशोदा की भूमिका निभाकर उत्सव में चार चांद लगा दिए। विद्यालय के निदेशक अभिषेक कुमार ने बताया कि विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को जन्माष्टमी के महत्व तथा कृष्ण-सुदामा की अमर मित्रता की कहानियां सुनाई गईं।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक **प्रातःकिरण**
पटना, शनिवार, 05 सितंबर, 2026

जिला स्वास्थ्य समिति मोतिहारी से चिकित्सा आपके द्वार जन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी जिले के प्रत्येक नागरिक तक सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाने और गंभीर बीमारियों के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की शुरूआत की गई। जिला स्वास्थ्य समिति, सदर अस्पताल परिसर से जिला गैर संचारी पदाधिकारी द्वारा जाँच एवं उपचार, चिकित्सा आपके द्वार कार्यक्रम के तहत विशेष जन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला के स्वास्थ्य विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि यह जन जागरूकता रथ आगामी 01 महीने तक जिले की सभी पंचायतों और ग्रामीण इलाकों का लगातार भ्रमण करेगा। इस रथ का मुख्य उद्देश्य सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं, नियमित जाँच तथा सही समय पर उपचार कराने के प्रति जागरूक करना है। इस रथ द्वारा जागरूकता अभियान को प्रभावी और रोचक बनाने के लिए इस वाहन में आधुनिक ऑडियो-विजुअल (प्रोजेक्टर/एलईडी) की व्यवस्था की गई है। रथ के माध्यम से पंचायतों में लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। इन फिल्मों के जरिए आमजनों को विभिन्न बीमारियों के लक्षण, उनसे बचाव, मुफ़्त डॉक्टरी जाँच और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। ग्रामीणों को अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिला गैर संचारी रोग पदाधिकारी शरत चंद्र शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। कई बार जागरूकता के अभाव में लोग छोटी बीमारियों को अनदेखा कर देते हैं, जो बाद में गंभीर रूप ले लेती हैं। यह रथ गाँव-गाँव जाकर लोगों को सेहत के प्रति सजग बनाएगा, जिससे लोग समय पर जाँच और इलाज करा सकें। इस पहल से जिले के ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का एक नया माहौल बनने की उम्मीद जताई जा रही है।

चंपारण की धरती ने महात्मा गांधी को बनाया बापू: श्रवण कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी, पू.च.। बापूधाम महोत्सव के तीसरे दिन गुरुवार की संध्या छह बजे कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्घाटन ग्रामीण विकास विभाग एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग बिहार सरकार के मंत्री सह जिला प्रभारी मंत्री श्रवण कुमार, विधायक प्रमोद कुमार, राजू तिवारी, विधान पार्षद डॉ. खालिद अनवर, जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, सहायक समाहर्ता राजकृष्ण झा, जदयू जिलाध्यक्ष भरत पटेल एवं भाजपा जिलाध्यक्ष पवन राज ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि वे सर्वप्रथम बापू की धरती चंपारण को नमन करते हैं। महात्मा गांधी ने देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन चंपारण की धरती का गांधी जी के जीवन में विशेष स्थान रहा। यहीं उन्होंने सत्याग्रह का पहला सफल प्रयोग किया और चंपारण ने उन्हें महात्मा गांधी से बापू बनाया। मंत्री ने मोतिहारी सांसद राधा मोहन सिंह को साधुवाद देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा बापूधाम महोत्सव की बेहतर तैयारी की गई है। उन्होंने कहा कि स्थानीय विधायक सहित सभी जनप्रतिनिधि क्षेत्र के विकास और उन्नति के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 से 2025 के दौरान बिहार में करीब 11 लाख लोगों को सरकारी नौकरी तथा 40 लाख से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। वर्ष 2025 से 2030 के बीच सरकार का लक्ष्य एक करोड़ लोगों को नौकरी एवं रोजगार देने का है। महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में भी लगातार कार्य हो रहा है। बिहार में 40 हजार महिलाओं की पुलिस में भर्ती इसका उदाहरण है। मंत्री ने चंपारणवासियों से प्रेम, भाईचारा और आपसी मिल्लत बनाए रखते हुए बिहार के विकास में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने महोत्सव की बेहतर व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया। मौके पर विधायक प्रमोद कुमार, राजू तिवारी एवं विधान पार्षद डॉ. खालिद अनवर ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

संक्षिप्त खबरें

बस की टक्कर से सुनकोशी नदी में गिरी कार, चालक समेत तीन लोग लापता

बगहा। नेपाल के सिन्धुली जिले में मध्यपहाड़ी राजमार्ग पर बस की टक्कर से एक कार सुनकोशी नदी में जा गिरी। हादसे में कार में सवार चालक समेत तीन लोग लापता हो गए। घटना फिक्कल गाउँपालिका-2 के नवलपुर के पास की बताई गई है। बताया गया कि काठमांडू से ओखलढुंगा जा रही बस ने विपरीत दिशा से आ रही कार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार करीब 50 फीट नीचे सुनकोशी नदी में जा गिरी। कार में चालक दिलकुमार लामा, गणेश थापा और एक हेल्पर सवार थे। तीनों का अब तक पता नहीं चल सका है। घटना की सूचना के बाद पुलिस और बचाव दल ने नदी में लापता लोगों तथा कार की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बस और उसके चालक को नियंत्रण में लेकर जांच शुरू कर दी है।

आरक्षण के मुद्दे पर लोजपा (रामविलास) के जिला IT सेल अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

बगहा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की बगहा पुलिस जिला इकाई में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। जिला आईटी सेल के अध्यक्ष राहुल सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा प्रदेश अध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष को सौंपते हुए तत्काल प्रभाव से पद छोड़ने की घोषणा की है। राहुल सिंह ने इस्तीफे के बाद कहा कि वह स्वर्ण समाज से संबंधित हैं और हाल ही में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान द्वारा आरक्षण के मुद्दे पर दिए गए बयानों से उनके विचार और उनके समाज की भावनाएं मेल नहीं खाती हैं। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि व्यक्तिगत रूप से उनका मत है कि आरक्षण जाति के आधार पर नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिति और गरीबी के आधार पर होना चाहिए। यदि ऐसा संभव नहीं है तो आरक्षण की व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त करने पर विचार किया जाना चाहिए, ताकि वास्तविक जरूरतमंद लोगों को इसका लाभ मिल सके और सामाजिक न्याय सही मायने में स्थापित हो। राहुल सिंह ने आगे कहा कि देश के बड़े नेता-मंत्री स्वयं को तीस मार खां समझते हैं तो उन्हें आरक्षण वाली सीट छोड़कर सामान्य सीट से चुनाव लड़कर अपनी राजनीतिक क्षमता दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी बातें जनता और मीडिया के सामने रखकर ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई जन्माष्टमी

मैनाटांड। प्रखंड क्षेत्र में शुक्रवार को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव जन्माष्टमी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर सुबह से ही श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में लोगों ने व्रत रखकर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की। मैनाटांड, इनरवा, भंगहा, रामपुर, डमरापुर, पिंडारी, सुखलही, धूमाटांड समेत विभिन्न गांवों के मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। मंदिरों में रंग-बिरंगी रोशनी, फूल-मालाओं और आकर्षक विद्युत सज्जा से विशेष रूप दिया गया। कई स्थानों पर भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की झांकी सजाई गई, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी रही। शाम होते ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। महिलाओं और बच्चों में जन्माष्टमी को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। कई मंदिरों में देर रात तक भजन-कीर्तन, पूजा-पाठ और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय मंदिरों में शंख और घंटियां बज उठीं। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। जन्माष्टमी के अवसर पर देर रात तक पूरे प्रखंड क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ और आकर्षक सजावट ने पर्व की रौनक बढ़ा दी।

हरसिद्धि जनता दरबार में एसडीएम-एसडीपीओ करेंगे सीधे सुनवाई

प्रात : किरण संवाददाता

हरसिद्धि। जनता की समस्याओं, विभिन्न तरह के विवादों, विशेषकर बढ़ते भूमि विवादों के त्वरित निपटारे के उद्देश्य से अरेराज एसडीएम सुजीत कुमार ने विशेष पहल की है। उन्होंने बताया कि अंचल स्तर पर हर शनिवार जनता दरबार आयोजित किया जाता है। अब पिछले व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए उन्होंने सोमवार व शुक्रवार को भी अरेराज अनुमंडल कार्यालय में जनता दरबार में आने को बताया है ताकि जिन शिकायतों का समाधान शनिवार को स्थानीय अंचल कार्यालय में संभव न हो, उन्हें भी शीघ्रता से सुना और निपटाया जा सके। सुजीत कुमार ने कहा कि प्रत्येक सोमवार व शुक्रवार के जनता दरबार में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (SDPO) भी उपस्थित रहेंगे और आवश्यक मामलों में पुलिस सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि घोषणा की अब वे स्वयं और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नियमित रूप से शनिवार के अंचल जनता दरबार में भी मौजूद रहकर उपस्थित लोगों की समस्याओं का प्रत्यक्ष समाधान करेंगे। जानकारी के अनुसार हरसिद्धि अंचल में आगामी शनिवार, 5 सितंबर को आयोजित होने वाले जनता दरबार में एसडीएम सुजीत कुमार व अरेराज एसडीपीओ मौजूद रहकर जनता की समस्याओं का निवारण करेंगे। बताते चले स्थानीय लोगों को जानकारी प्राप्त होने पर पदाधिकारियों के इस पहल को काफी बेहतर बताते हुए खुशी जाहिर किया।

सशस्त्र सीमा बल, बिहार पुलिस और कृषि विभाग की संयुक्त कार्रवाई: 43 बोरी अवैध यूरिया खाद जब्त

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) मोतिहारी के समवाय बेलदरवामठ द्वारा चलाए गए विशेष अभियान के तहत अवैध रूप से जमा की गई यूरिया खाद की एक बड़ी खेप बरामद की गई। स्थानीय पुलिस एवं कृषि विभाग के साथ चलाए गए संयुक्त छापेमारी अभियान में 43 बोरी (प्रति बोरी 45 किलोग्राम) यूरिया खाद जब्त किया गया है। समवाय बेलदरवामठ के द्वारा आसूचना तंत्र से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम औरैया (जमुनापुर), थाना आदापुर निवासी बद्रजोहा उर्फ कोठा द्वारा अपने घर में अवैध रूप से यूरिया खाद का भंडारण किया गया है। जिसके अधार पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी आदापुर तथा थाना प्रभारी आदापुर से संपर्क कर एक संयुक्त टीम का गठन कर ग्राम औरैया में संबंधित आरोपी के घर पर छापेमारी किया गया। छापेमारी के दौरान घर से अवैध रूप से भंडारित यूरिया खाद की 43 बैग (कुल मात्रा लगभग 1,935 किग्रा) बरामद की गई। बरामद खाद को प्रखंड कृषि पदाधिकारी कार्यालय, आदापुर के निर्देशानुसार विजय कुमार गुप्ता स्टोर को सुपुर्द किया गया है। कृषि समन्वयक सह-उर्वरक निरीक्षक मो. अनवर द्वारा आरोपी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई हेतु आदापुर थाने में लिखित प्राथमिकी (FIR) दर्ज कराई गई।

चकदहवा का हाल किसी त्रासदी से कम नहीं बरसात में गांवों का संपर्क होता है मुश्किल

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। इंडो-नेपाल सीमा क्षेत्र में स्थित चकदहवा, बिन टोली, झंडू टोला और काँही टोली के ग्रामीण आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझ रहे हैं। बरसात के मौसम में इन गांवों की स्थिति किसी त्रासदी से कम नहीं रह जाती। गांवों तक पहुंचने वाली एकमात्र कच्ची सड़क पर सीने भर पानी जमा हो जाने के कारण ग्रामीणों को पानी में हेलकर आवागमन करना पड़ता है। बतादें, गंडक नदी का जलस्तर बढ़ते ही रहुआ नाला भी उफान मारने लगता है। रहुआ स्थित एसएसबी कैंप से करीब एक फर्लांग आगे बढ़ते ही बरसात में इस समस्या की भयावह तस्वीर सामने आने लगती है। ग्रामीणों के अनुसार, इसी बरसात के मौसम में रहुआ गांव के एक व्यक्ति की इसी स्थान पर पानी में डूबने से मौत भी हो चुकी है। बतातें चले की चारों गांवों में दर्जनों परिवार निवास करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सबसे गंभीर स्थिति उस समय बनती है, जब रात के समय किसी व्यक्ति को अचानक चिकित्सकीय सहायता की जरूरत पड़ती है। जलभराव और उफनते नाले के कारण मरीज को अस्पताल तक पहुंचाना बड़ी चुनौती बन जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि यह समस्या केवल इस वर्ष की नहीं है। आजादी के 75 वर्षों से भी अधिक समय बीत जाने के बाद भी इंडो-नेपाल सीमा के इस दुर्गम क्षेत्र की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो सका है। बरसात आते ही ग्रामीणों का जनजीवन प्रभावित हो जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि चुनाव के समय जनप्रतिनिधि गांव में पहुंचकर सड़क और आवागमन की समस्या दूर करने के बड़े-बड़े वादे करते हैं और वोट मांगकर चले जाते हैं। चुनाव के बाद उनकी समस्याओं की सुध लेने कोई नहीं पहुंचता।

बॉर्डर क्षेत्र में एसएसबी ने चलाया पौधरोपण अभियान, लगाए 500 पौधे

मैनाटांड (अजय कुमार)। पर्यावरण संरक्षण को लेकर एसएसबी 44वीं वाहिनी के नागरदेही बीओपी के जवानों ने शुक्रवार को बॉर्डर क्षेत्र में पौधरोपण अभियान चलाया। इंस्पेक्टर बलबीर राम के नेतृत्व में जवानों ने विभिन्न स्थानों पर करीब 500 पौधे लगाए। अभियान में स्थानीय ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया इस दौरान एसएसबी जवानों ने ग्रामीणों को पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। ग्रामीणों को पेड़-पौधों के महत्व की जानकारी देते हुए जवानों ने कहा कि पौधे पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, वायु प्रदूषण कम करने तथा मिट्टी के कटाव को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इंस्पेक्टर बलबीर राम ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल कर उन्हें पेड़ बनने तक सुरक्षित रखना भी जरूरी है। उन्होंने ग्रामीणों से घरों और आसपास के खाली स्थानों में अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। जवानों ने ग्रामीणों से पौधों की नियमित देखभाल करने और अन्य लोगों को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। पौधरोपण अभियान के दौरान एसएसबी जवानों के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

उपमुखिया समेत दो को गोली मारने के मामले में चार पर प्राथमिकी, मुखिया पति समेत दो गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। भैरोगंज थाना क्षेत्र के कपरधिका कुष्ठ कॉलोनी के समीप बुधवार की शाम उपमुखिया समेत दो लोगों को गोली मारने के मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने नामजद आरोपियों में भैरोगंज पंचायत के मुखिया पति मुन्ना दास और उसके चालक संजय यादव को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। उपमुखिया समेत दो लोग घायल गोलीबारी की घटना में भैरोगंज पंचायत के उपमुखिया सह वार्ड सदस्य अशोक दास और वार्ड संख्या छह के वार्ड सदस्य पति राधेश्याम राम घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए बगहा अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया रेफर कर दिया। बातचीत के दौरान हुई गोलीबारी जानकारी के अनुसार, बुधवार की शाम करीब छह बजे अशोक दास और राधेश्याम राम कपरधिका कुष्ठ कॉलोनी के समीप बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने दोनों पर गोली चला दी। गोली लगने से दोनों घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। तीन घंटे तक सड़क जामघटना के विरोध में गुरुवार को आक्रोशित ग्रामीणों ने कपरधिका कुष्ठ कॉलोनी के सामने हरिनगर-कपरधिका मुख्य मार्ग को करीब तीन घंटे तक जाम रखा। ग्रामीण आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। सूचना पर बगहा एसडीपीओ निहार भूषण समेत पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा

सुगौली प्रखंड क्षेत्र मे श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसको लेकर क्षेत्र में काफी चहल पहल है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम मची है। इससे पूर्व अहले सुबह में हीं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की तैयारी में लोग जूट गए थे। कृष्ण जन्मोत्सव को लेकर प्रायः सभी कृष्ण मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया। वहीं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न मठ, मंदिर में श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना किया। जबकि विभिन्न जगहों पर भिन्न भिन्न तरह का आयोजन भी किया गया है। मंदिरों में भजन किर्तन का आयोजन भी किया गया। जहां जय श्रीकृष्ण की धून गूंज रही है। मौके पर विनोद कुमार गुप्ता, रुपलाल यादव, लालबाबू कुशवाहा, राजेन्द्र प्रसाद, उपेन्द्र यादव, वीरेन्द्र यादव, अजय यादव, राजकुमार कुशवाहा, हरेन्द्र प्रसाद, अमिका यादव, रंजन कुमार, अमन कुमार, राजेन्द्र यादव, लखिन्द्र यादव, मोतिलाल यादव, रामाश्रय कुशवाहा, अनिरुद्ध कुशवाहा सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

त्रिशूली-3ए सुरंग में 10 दिन बाद मिली जिंदगी, दो मजदूर जिंदा बाहर निकले

बगहा। नेपाल में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन के बाद त्रिशूली नदी क्षेत्र से राहत की बड़ी खबर सामने आई है। त्रिशूली-3ए जलविद्युत परियोजना की सुरंग में करीब 10 दिनों से फंसे दो मजदूरों को शुक्रवार को जिंदा बाहर निकाल लिया गया। बचाए गए मजदूरों की पहचान 30 वर्षीय संजय साह और 45 वर्षीय कबीर महर्जन के रूप में हुई है। संजय साह परियोजना के कंट्रोल रूम में कार्यरत थे, जबकि कबीर महर्जन मैकेनिकल सुपरवाइजर के रूप में काम कर रहे थे। बचाव दल को सुरंग के भीतर से लोगों की आवाज सुनाई देने के बाद रेस्क्यू अभियान तेज किया गया। नेपाली सेना, सशस्त्र पुलिस बल और तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ने लगातार अभियान चलाकर दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। दोनों को चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल भेजा गया है। संजय साह की हालत स्थिर बताई गई है, जबकि कबीर महर्जन को आगे के इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। दस दिनों बाद सुरंग से दो लोगों के जिंदा निकलने की खबर ने त्रिशूली क्षेत्र की आपदा में फंसे अन्य लोगों के परिजनों के बीच भी उम्मीद जगा दी है। सुरंगों में फंसे अन्य लोगों की तलाश और बचाव अभियान अभी जारी है।

नेपाल बाढ़ राहत के नाम पर दफ्कोड से ठगी, फर्जी रसीद बनाने वाला गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बाद राहत और बचाव के नाम पर ठगी करने का मामला सामने आया है। नेपाल पुलिस ने प्रधानमंत्री आपदा राहत कोष के नाम पर फजीर्वाड़ा करने के आरोप में 32 वर्षीय भगवान कार्की को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, रामेछाप जिले के गोकुलगंगा निवासी आरोपी ने कथित तौर पर उँ३ऋ्रूळ की मदद से 1.20 लाख रुपये दान करने की फर्जी रसीद तैयार की। इसके बाद रसीद पर अपना दफ्कोड लगाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया, ताकि लोग इसे सरकारी राहत कोष का दफकोड समझकर राशि उसके खाते में भेज दें। मामले की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। बतादें, बाढ़ की भयावहता के बीच राहत कार्यों और पीड़ितों की मदद के नाम पर इस तरह की धोखाधड़ी ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। पुलिस लोगों से अपील कर रही है कि किसी भी राहत कोष में ऑनलाइन राशि भेजने से पहले संबंधित सरकारी स्रोत से दफकोड और बैंक खाते की पुष्टि जरूर करें। नोटः आपने स्वास्थ्य जांच और दवा देने वाले व्यक्ति की गिरफ्तारी वाली खबर भी मांगी है, लेकिन मुझे अभी उपलब्ध विश्वसनीय रिपोर्ट में उस गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं मिली। आप उसकी फोटो, पुलिस प्रेस विज्ञप्ति या नेपाली खबर का लिंक भेज दें, मैं उसी आधार पर दूसरी खबर भी अखबार की शैली में बना दूंगा।

रसुवा बाढ़ में माता-पिता खोने वाले बच्चों की जिम्मेदारी लेगी बागमती सरकार

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल के रसुवा जिले में भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद बागमती प्रदेश सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। बाढ़ में अपने माता-पिता या अभिभावक गंवाने वाले बच्चों की शिक्षा, आवास और संरक्षण की जिम्मेदारी प्रदेश सरकार उठाएगी। बागमती प्रदेश मंत्रिपरिषद की बैठक में निर्णय लिया गया कि बाढ़ से प्रभावित रसुवा, नुवाकोट, धादिङ और चितवन जिलों के अभिभावकविहीन बच्चों को आवास सुविधा के साथ कक्षा 12 तक निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार बच्चों की शिक्षा जारी रखने के लिए आवश्यक शैक्षणिक व्यवस्था भी करेगी। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता एवं भौतिक पूवार्धार विकास मंत्री भरतबहादुर केसी ने बताया कि बाढ़ के कारण अभिभावक गंवाने वाले बच्चों की पहचान और संख्या का विवरण जुटाकर उन्हें सरकारी संरक्षण में रखा जाएगा। सरकार का उद्देश्य आपदा से प्रभावित बच्चों का भविष्य सुरक्षित करना है। इसके साथ ही बागमती प्रदेश सरकार ने विपद् व्यवस्थापन कोष से राहत राशि वितरण की प्रक्रिया भी आसान बनाने का निर्णय लिया है। अब जरूरत के अनुसार राहत रकम सीधे जिला और स्थानीय तह में भेजी जा सकेगी, जिससे राहत तथा पुनर्स्थापना कार्य तेजी से किया जा सकेगा।

अनुरोध के अगले दिन शुरू हुआ कमलनाथ नगर सड़क-नाला निर्माण, गरिमा ने डीएम का जताया आभार

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने विशाल कुमार, सहायक परियोजना निदेशक, बुडको के साथ खिरी के पेड़ से कमलनाथ नगर चौक होते हुए एनएच 727 तक पीसीसी सड़क और आरसीसी नाला निर्माण कार्य आरंभ होने पर स्थल निरीक्षण किया। इस मौके पर महापौर श्रीमती सिकारिया ने जिलाधिकारी महोदय तरनजोत सिंह का धन्यवाद करते हुए बताया कि अभी कल ही मैंने नगर निगम के सघन शहरी क्षेत्र की इस अत्यंत महत्वपूर्ण योजना में कार्य आबंटन होने के करीब तीन महीने का विलंब होने पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करते हुए शीघ्र कायारंभ का अनुरोध किया था। आज अगले दिन यह निर्माण कार्य शुरू होने पर मैं अपने आदरणीय जिला पदाधिकारी का हार्दिक धन्यवाद करती हूं। इसके साथ ही महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में सड़क एवं जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में इस महत्वपूर्ण योजना का कायारंभ होना हमारे लिए बड़ी उपलब्धि है। महापौर ने बताया कि बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (बुडको) की ओर से जारी कायार्देश के तहत संत तेरेसा जाने वाली सड़क में खिरी के पेड़ से कमलनाथ नगर चौक होते हुए एनएच-727 मेन रोड तक कुल 1.07 करोड़ की लागत से इस पीसीसी सड़क एवं नाला निर्माण कराया जाना है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने कहा कि यह योजना उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण और बहुप्रतीक्षित है। उन्होंने कहा कि इस मार्ग के जीर्णोद्धार के साथ नाला निर्माण होने से नगर निगम क्षेत्र की महत्वपूर्ण सड़कों में शामिल इस मार्ग की स्थिति में सुधार होगा तथा जल निकासी की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में भी यह योजना कारगर साबित होगी। बरसात के दिनों में जलजमाव से होने वाली परेशानी को कम करने में पक्के नाले की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। कायार्देश के अनुसार यह योजना की प्राक्कलित राशि 1 करोड़ 33 लाख 58 हजार 980 रुपये थी। प्राक्कलित राशि से 19.55 प्रतिशत कम दर पर कार्य आवंटित किया गया है, जिसकी कार्य राशि 1 करोड़ 7 लाख 47 हजार 299 रुपये है। कार्य आबंटन मई 2026 को किया गया था। महापौर ने निर्माण एजेंसी को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने तथा योजना को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने माननीय मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देते हुए कहा कि सड़क बन जाने एवं इसके चौड़ीकरण हो जाने के बाद बेतिया शहर से सुप्रिया रोड जाने हेतु यह सड़क एक उत्तम माध्यम बनेगा एवं इससे शहर के जाम से बहुत राहत मिलेगी।

हरिनगर रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर में निकला विशाल अजगर, मची अफरा-तफरी

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। रामनगर प्रखंड के हरिनगर रेलवे स्टेशन पर गुरुवार की रात करीब 11 बजे उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब टिकट काउंटर रूम के अंदर एक विशाल अजगर दिखाई दिया। टिकट लेने पहुंचे यात्रियों की नजर अजगर पर पड़ते ही लोग डरकर काउंटर से दूर हटने लगे। कुछ देर तक स्टेशन परिसर में भय का माहौल बना रहा। अजगर निकलने की सूचना मिलते ही स्टेशन मास्टर राजकुमार उरांव मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। उन्होंने तत्काल वार्ड पार्षद के साथ वन विभाग को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की रेस्क्यू टीम प्रशिक्षित वनकर्मियों के साथ हरिनगर रेलवे स्टेशन पहुंची। वन विभाग की टीम ने पूरी सावधानी और सतर्कता के साथ अजगर को पकड़ने का अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद टीम ने विशाल अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया। इसके बाद अजगर को बोरे में सुरक्षित रखा गया और जंगल में छोड़ने के लिए ले जाया गया। रामनगर रेंजर विजय कुमार प्रसाद ने बताया कि स्टेशन परिसर में अजगर पहुंचने की सूचना मिलते ही प्रशिक्षित वनकर्मियों की टीम को तत्काल मौके पर भेजा गया। टीम ने अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बरसात के मौसम में वन्यजीव भटककर रिहायशी और आबादी वाले क्षेत्रों में पहुंच सकते हैं। ऐसी स्थिति में घबराने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रहें और वन विभाग को तत्काल सूचना दें।

गंडक नदी की धार में बहते मिले नेपाली व्यक्ति, स्थानीय लोगों ने बचाया

बगहा। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले के सोहगीबरवा क्षेत्र में गंडक नदी के तेज बहाव में एक नेपाली व्यक्ति बहते हुए स्थानीय लोगों को मिला। लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, बचाया गया व्यक्ति नेपाली मूल का है और उसे नेपाली भाषा के अलावा किसी अन्य भाषा का ज्ञान नहीं है। इसके कारण वह अपना नाम, पता और परिवार से जुड़ी कोई स्पष्ट जानकारी बताने में असमर्थ है। व्यक्ति की पहचान और उसके परिजनों तक पहुंचने के प्रयास में स्थानीय लोगों ने उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया है। वीडियो के माध्यम से उम्मीद जताई जा रही है कि उसके परिजन, रिश्तेदार या परिचित उसे पहचान सकेंगे और संबंधित व्यक्ति के बारे में जानकारी स्थानीय लोगों या प्रशासन तक पहुंचा सकेंगे। स्थानीय लोगों ने अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति इस नेपाली नागरिक को पहचानता है या उसके परिवार के बारे में जानकारी रखता है तो तत्काल संबंधित लोगों को सूचना दें, ताकि उसे सुरक्षित रूप से उसके परिजनों तक पहुंचाया जा सके।

दरौंदा में चोरों का आतंक! बंद मकान में लाखों की चोरी

40 हजार कैश समेत एलईडी टीवी-ज्वेलरी और बर्तन उड़ाए

● बंद मकान में लाखों की चोरी! 40 हजार कैश, ज्वेलरी और छएऊळश ले उड़े चोर, 4 माह में छठी वारदात

प्रात: किरण संवाददाता

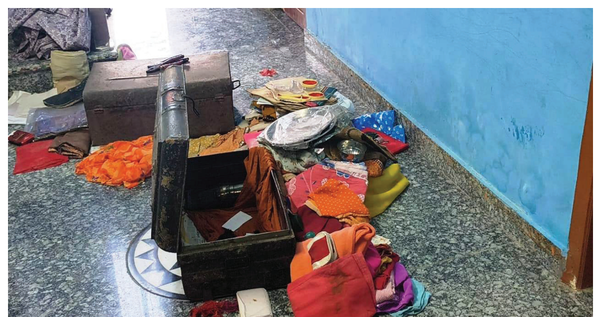

सीवान। दरौंदा थाना क्षेत्र के भीखाबांध स्थित वृत्ति टोला में चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाकर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोर घर की पिछली दीवार के रास्ते मकान में दाखिल हुए और बारी-बारी से दो कमरों को खंगालते हुए नकदी, ज्वेलरी, बड़ा छएऊळश, पीतल के बर्तन और इनवर्टर-बैटरी समेत कई कीमती सामान लेकर फरार हो गए। चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत करीब चार लाख रुपये बताई जा रही है।बताया जा रहा है कि पीड़ित परिवार अजय सिंह, पिता स्व. हीरा सिंह, वृत्ति टोला, भीखाबांध, थाना दरौंदा का रहने वाला है। परिवार के सभी सदस्य फिलहाल कोलकाता में रहते हैं, जिसके चलते मकान बंद था। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने घर को निशाना बनाया।

घटना की जानकारी आसपास के लोगों के माध्यम से परिजनों को मिली, जिसके बाद परिवार में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर परिजन मामले की जानकारी लेने पहुंचे और चोरी की घटना को लेकर दरौंदा थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि इलाके में लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं। परिवार के मुताबिक महज चार महीने के अंदर यह चोरी की छठी घटना है, बावजूद इसके पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पीड़ितों का कहना है कि अगर पुलिस की नियमित गश्त होती तो चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता था।

फिलहाल पुलिस को दिए गए आवेदन के आधार पर मामले की जांच और चोरों की पहचान की उम्मीद है। इलाके में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। अब देखना होगा कि पुलिस इस वारदात का खुलासा कर चोरों तक कब पहुंचती है।

गंगा–सोन का बढ़ा जलस्तर, भोजपुर में राहत अभियान तेज

■ 13 सामुदायिक रसोई से बाढ़ प्रभावितों को भोजन, 111 नावों से सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। गंगा और सोन नदियों के बढ़ते जलस्तर के बीच भोजपुर में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने राहत एवं बचाव अभियान तेज कर दिया है। संवेदनशील और प्रभावित इलाकों में लोगों तक भोजन, स्वास्थ्य सुविधा, पेयजल और आवागमन की व्यवस्था पहुंचाने के लिए प्रशासनिक टीमों को सक्रिय किया गया है। जिला पदाधिकारी मनेश कुमार मीणा के निर्देश पर विभिन्न विभागों की टीमें लगातार राहत कार्यों में जुटी हैं।

13 जगहों पर चल रहीं सामुदायिक रसोई

बाढ़ प्रभावित परिवारों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए जिले में 13 सामुदायिक रसोई संचालित की जा रही हैं। इनमें शाहपुर में पांच, आरा सदर में चार और बड़हरा में चार सामुदायिक रसोई शामिल हैं। जरूरत के अनुसार बच्चों के लिए दूध की व्यवस्था भी की जा रही है। बाढ़ के कारण प्रभावित क्षेत्रों में सड़क संपर्क बाधित होने की स्थिति में लोगों के आवागमन के लिए 111 नावें निःशुल्क संचालित की जा रही हैं। शाहपुर में 46, बड़हरा में 43, आरा सदर में 16 और कोईलवर में छह नावों का परिचालन कराया जा रहा है। प्रशासन की ओर से जरूरत के अनुसार नावों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

25 मेडिकल कैंपों में 3,691 लोगों का उपचार

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर बाढ़ प्रभावित इलाकों में 25 मेडिकल कैंप लगाए गए हैं। इन शिविरों में अब तक 3,691 लोगों का इलाज किया जा चुका है। जलजनित बीमारियों और संक्रमण की आशंका को देखते हुए 10 स्थानों पर ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराया गया है। वहीं लोगों के बीच 3,500 हैलोजन टैबलेट का वितरण किया गया है। बाढ़ की चपेट में आए इलाकों में पशुओं के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखा जा रहा है। इसके लिए छह पशु चिकित्सा शिविर संचालित किए जा रहे हैं। अब तक इन कैंपों में 532 पशुओं का उपचार किया गया है और आवश्यकतानुसार दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। राहत सामग्री के तहत प्रभावित परिवारों को अब तक 2,700 पॉलिथीन शीट उपलब्ध कराई गई हैं। वहीं बड़हरा प्रखंड के पिपरपांती में त्रछ्रऊकी टीम की ओर से कटाव रोकने और सुरक्षा संबंधी कार्य लगातार किए जा रहे हैं।

तीन शिफ्टों में 24 घंटे निगरानी

बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखने के लिए पदाधिकारियों और कर्मियों की तीन शिफ्टों में 24 घंटे प्रतिनियुक्ति की गई है। जिला नियंत्रण कक्ष को भी सक्रिय रखा गया है। इसके अलावा शाहपुर और बड़हरा में रऊ्रऋकी टीमों को तैनात किया गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया जा सके। जिला प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से किसी भी आपात स्थिति में जिला आपातकालीन संचालन केंद्र से संपर्क करने की अपील की है। नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे सक्रिय है। सहायता के लिए 94723 98730 और 06182-221233 पर संपर्क किया जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

रेलवे कॉलोनी मंदिर में धूमधाम से मना श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

सीवान। रेलवे स्टेशन सीवान के रेलवे कॉलोनी स्थित मंदिर परिसर में शुक्रवार को भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई।इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की और जन्मोत्सव कार्यक्रम में शामिल होकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पीडब्ल्यूडी सीवान के सहायक मंडल अभियंता आशुतोष कुमार पांडेय रहे। कार्यक्रम का आयोजन रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सीवान के प्रभारी निरीक्षक सुबाष चन्द्र यादव के नेतृत्व में किया गया।जन्माष्टमी को लेकर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। देर रात भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के बाद श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाए और पूजा-अर्चना की।इस दौरान रेलवे सुरक्षा बल के कांस्टेबल शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय, विवेक कुमार, गयास सरवर सहित रेलवे के अन्य कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मौनिया बाबा राजकीय मेला में 13 सितंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगा

सीवान। जिला के महाराजगंज में मौनिया बाबा राजकीय मेला-2026 के अवसर पर 13 सितंबर को डीएवी पब्लिक स्कूल परिसर में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा। कार्यक्रम में नामचीन कलाकारों के साथ स्थानीय कलाकार भी प्रस्तुति देंगे। इच्छुक स्थानीय कलाकार 7 सितंबर शाम 5 बजे तक अपना बायोडाटा समाहरणालय की जिला सामान्य शाखा में जमा कर सकते हैं।

बाबा गणिनाथ गोविंद जी पूजनोत्सव में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, भक्तिमय बना माहौल

छपरा:- हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अखिल भारतीय वैश्य विकास समिति की ओर से बांध बनकेरवां गोविंदगंज गांव स्थित बाबा गणिनाथ गोविंद जी मंदिर परिसर में पूजनोत्सव सह जयंती समारोह श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। पूजनोत्सव में शामिल होने के लिए सारण जिले के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से आसपास के गांवों में पूरे दिन भक्तिमय माहौल बना रहा।श्रद्धालुओं ने बाबा गणिनाथ गोविंद जी की विधिवत पूजा-अर्चना कर परिवार एवं समाज की सुख-शांति, समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। पूजा-अर्चना के साथ जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान होता रहा।

पूजनोत्सव में जिला पार्षद विनोद राय, पैक्स अध्यक्ष संजय सिंह, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि कृष्णा साह, पूर्व मुखिया संजय कुमार साह, सरपंच संघ अध्यक्ष प्रतिनिधि विजय कुमार गुप्ता, श्यामबाबू साह, समाजसेवी विक्रम साह, मोहन साह, विकास साह, शत्रुधन साव, बालदेव साह, डॉ. लव कुमार साह, विनय कुमार साह, प्रभुनाथ साह, सुजीत कुमार, राजनाथ गुप्ता समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग मंदिर परिसर पहुंचे और पूजा-अर्चना की।

पूजा समिति के अध्यक्ष तुलसी साह एवं संयोजक डॉ. लव कुमार साह ने संयुक्त रूप से बताया कि पूजनोत्सव में आने वाले श्रद्धालु भक्तों के लिए प्रसाद एवं भंडारे की विशेष व्यवस्था की गई है।पैक्स अध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि पूजनोत्सव के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भव्य मेले का भी आयोजन किया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।जिलापरिषद विनोद राय ने बताया कि बाबा गणिनाथ गोविंद जी के प्रति लोगों की गहरी आस्था है और प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले इस पूजनोत्सव में दूर-दराज के क्षेत्रों से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं। समारोह को सफल बनाने में पूजा समिति के सदस्यों एवं स्थानीय ग्रामीणों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बाढ़ की मार से बेहाल दियारा-तटीय इलाका, नाव और पॉलिथीन के सहारे जिंदगी

सारण। जिले में आई विनाशकारी बाढ़ ने दियारा और तटीय इलाकों के लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कई गांवों में पानी का फैलाव बढ़ने से गरीब तबके के परिवार अपना घर-बार छोड़कर ऊंचे स्थानों पर शरण लेने को मजबूर हैं। बाढ़ के पानी के बीच जिंदगी बचाने की जद्दोजहद कर रहे लोगों के सामने भोजन, रहने और पशुओं के चारे की समस्या भी गंभीर बनी हुई है।बाढ़ प्रभावित परिवार फिलहाल सरकारी मदद के नाम पर नाव और पॉलिथीन शीट के भरोसे हैं। खुले आसमान के नीचे या ऊंचे स्थानों पर शरण लिए परिवारों को बारिश और तेज हवा के बीच पॉलिथीन शीट से किसी तरह सिर छिपाने का सहारा मिल रहा है। राहत सामग्री की सीमित उपलब्धता के कारण पीड़ितों में चिंता बनी हुई है।प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवारों के बीच पॉलिथीन शीट बांटने का कार्य जारी है।

बंदूक फैक्ट्री से जुड़े पॉपराइटरो की विभिन्न समस्याओं का जल्द होगा निराकरण : डीएम

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर। जिले की पहचान और औद्योगिक गतिविधियों के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में स्थापित बंदूक फैक्ट्रियों से जुड़े प्रॉपराइटरों की विभिन्न समस्याओं एवं मुद्दों के समाधान को लेकर जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणिकर ने विगत दिन गुरुवार को समाहरणालय स्थित संवाद कक्ष में संबंधित पदाधिकारियों एवं बंदूक फैक्ट्री प्रॉपराइटरों के साथ समीक्षा बैठक की। मौके पर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी पंकज कुमार गुप्ता सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी, बंदूक फैक्ट्री के प्रॉपराइटर एवं अन्य उपस्थित थे। बैठक में बंदूक फैक्ट्री प्रॉपराइटरों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर बिंदुवार चर्चा की गई। प्रॉपराइटरों ने फैक्ट्री संचालन से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं आवश्यकताओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों के साथ उनके समाधान पर भी चर्चा किया। जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रॉपराइटरों से संबंधित मामलों को नियमानुसार जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों से संबंधित मामलों में आपसी समन्वय स्थापित कर समस्याओं के समाधान की दिशा में प्रभावी पहल की जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से बैठक में उठाए गए मुद्दों की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा प्रॉपराइटरों की समस्याओं के समाधान के लिए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने किया बात कही।

जिला नियोजनालय मुंगेर द्वारा अटेंडेंट के 31 पदों पर नियुक्ति के लिए आमंत्रित किया गया है आवेदन: जिला नियोजन पदाधिकारी

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर। युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, बिहार सरकार के अंतर्गत जिला नियोजनालय, मुंगेर द्वारा अटेंडेंट के 31 पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इसकी जानकारी देते हुए जिला नियोजन पदाधिकारी ने बताया कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मुंगेर के कार्यालय से प्राप्त पत्र के आलोक में जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मुंगेर के कार्यालय में कटली टेंपरी एंड नॉट कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर अटेंडेंट के 31 पदों पर नियुक्ति की जानी है। नियुक्ति एक वर्ष की अवधि के लिए पूर्णतः अस्थायी आधार पर होगी तथा इन पदों पर कार्यरत कर्मियों को न्यूनतम मजदूरी के प्रावधान के अनुसार पारिश्रमिक का भुगतान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला नियोजनालय, मुंगेर द्वारा प्राप्त आवेदनों में से कुल 310 योग्य आवेदकों को जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मुंगेर के कार्यालय को उपलब्ध कराया जाएगा। इसके पश्चात जिला एवं सत्र न्यायाधीश के कार्यालय द्वारा इन 310 योग्य अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया जाएगा तथा साक्षात्कार के उपरांत 31 योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन 310 अभ्यर्थियों का चयन नेशनल कैरियर सर्विस जिला नियोजनालय में निबंधन की वरीयता के आधार पर किया जाएगा। निबंधन की वरीयता समान होने की स्थिति में निर्धारित नियमों के अनुसार उम्र की वरीयता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन के साथ नेशनल कैरियर सर्विस जिला नियोजनालय का निबंधन संख्या के साथ साथ, दो पासपोर्ट साइज फोटो, दसवीं पास का प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, आवासीय प्रमाण-पत्र, चरित्र प्रमाण-पत्र (जनप्रतिनिधि/थाना/अंचल आदि से संबंधित निर्धारित प्रमाण-पत्र) तथा चिकित्सा प्रमाण-पत्र अनिवार्य रूप से देना है। जिला नियोजन पदाधिकारी ने बताया कि इस पद पर आवेदन के लिए अभ्यर्थी की उम्र 01 अगस्त 2026 को न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई है। सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए अधिकतम आयु सीमा 37 वर्ष है। सामान्य आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग (महिला सहित) के लिए अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष, पिछड़ा वर्ग एवं अत्यंत पिछड़ा वर्ग (महिला एवं पुरुष) के लिए 40 वर्ष तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (महिला एवं पुरुष) के लिए 42 वर्ष निर्धारित की गई है। विभिन्न वर्गों के अभ्यर्थियों को बिहार सरकार के नियमानुसार आरक्षण का लाभ दिया जाएगा।

दारौंदा में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव नंद के आनंद भयो के जयकारों से गूंजा पूरा क्षेत्र

प्रात: किरण संवाददाता

दारौंदा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों और बाजारों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार अत्यंत धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

मध्य रात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म लेते ही पूरा क्षेत्र ह्लनंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल कीह्व और ह्लहाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल कीह्व के गूंजते जयकारों से भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने उपवास रखकर भगवान के बाल रूप (लड्डू गोपाल) की विशेष पूजा-अर्चना की। दारौंदा बाजार, पिपरा, मठिया जलालपुर, रुकुंदीपुर सहित विभिन्न इलाकों के मंदिरों और ठाकुरबाड़ियों को रंग-बिरंगी लाइटों और फूलों से बेहद खूबसूरत तरीके से सजाया गया था। कई जगहों पर भगवान श्रीकृष्ण के बाल्यकाल की मनमोहक झांकियां भी सजाई गईं, जिन्हें देखने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती रही।

सारण: मांझी प्रखंड क्षेत्र के जयीछपरा में गंडक/गंगरा नदी के बांध पर बना सड़क क्षतिग्रस्त, एम्बुलेंस का आना बंद, बच्चों को स्कूल जाने में हो रही कठिनाई

प्रात: किरण संवाददाता

मांझी प्रखंड क्षेत्र के मटियार पंचायत अंतर्गत जयीछपरा दक्षिण टोला गाँव के ग्रामीण इन दिनों एक बड़ी मुसीबत से जूझ रहे हैं। यहाँ गंगरा नदी के बांध पर बनी मुख्य सड़क के टूट जाने के कारण गाँव का संपर्क पूरी तरह कट गया है। सड़क की स्थिति इतनी जर्जर और जानलेवा हो चुकी है कि यहाँ किसी भी चार पहिया वाहन, यहाँ तक कि आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस तक के आने की कोई जगह नहीं बची है।बीमारों और गर्भवती महिलाओं की जान आफत में:स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि सड़क ध्वस्त होने से सबसे ज्यादा परेशानी स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर हो रही है। यदि गाँव में कोई अचानक गंभीर बीमार हो जाए या किसी गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाना हो, तो एम्बुलेंस गाँव के बाहर ही खड़ी रह जाती है।

मरीज को खाट या पैदल मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।बच्चों की शिक्षा पर संकट, स्कूल जाना हुआ दूभर:इस टूटी सड़क और बांध के कारण गाँव के स्कूली बच्चों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। रास्ता पूरी तरह बाधित होने के कारण बच्चे जान जोखिम में डालकर स्कूल जाने को मजबूर हैं, वहीं कई छोटे बच्चों ने डर के मारे स्कूल जाना ही छोड़ दिया है।

अभिभावक हर वक्त बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते हैं।तूफान मांझी महंगू मांझी उमेश शाह नागेन्द्र शाह बेचन शाह पवन कुमार मांझी दिलीप शाह कमलेश कुमार मांझी सहित सैकड़ो ग्रामीणों का आरोप है कि समस्या की जानकारी होने के बावजूद स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

मटियार पंचायत जयी छपरा के टोले के लोग खुद को अलग-थलग महसूस कर रहे हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही बांध और सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई, तो वे उग्र आंदोलन और आने वाले चुनावों का बहिष्कार करने को बाध्य होंगे।

राज्यपाल, बिहार के साथ महाप्रबंधक, पूर्व मध्य रेल की हुई शिष्टाचार भेंट

हाजीपुर: राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन से लोक भवन, पटना में आज पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने शिष्टाचार मुलाकात की । माननीय राज्यपाल से मुलाकात में महाप्रबंधक ने बिहार राज्य में यात्री सुविधा और रेल विकास से जुड़े पूर्व मध्य रेल की विभिन्न योजनाओं की प्रगति से माननीय राज्यपाल को अवगत कराया। महाप्रबंधक ने रेलवे के क्रिया-कलाप, यात्री सुविधा में और सुधार के उपायों तथा रेल विकास आदि से जुड़े विषयों पर माननीय राज्यपाल से मार्गदर्शन प्राप्त किया ।

धरहरा सीओ के रवैये से उबले लोग 8 सितंबर को होगा हल्लाबोल

प्रात: किरण संवाददाता

धरहरा (मुंगेर)। धरहरा अंचल कार्यालय की कार्यप्रणाली को लेकर सामाजिक व राजनीतिक कार्यकर्ताओं का आक्रोश एक बार फिर फूट पड़ा है। न्याय संघर्ष समिति, धरहरा के बैनर तले शुक्रवार को आयोजित बैठक में धरहरा अंचलाधिकारी (सीओ) के खिलाफ आंदोलन की रणनीति तय की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 8 सितंबर को दोपहर 12 बजे धरहरा चौक से धरहरा बाजार तक पैदल मार्च निकाल कर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने इसकी सूचना सदर अनुमंडल पदाधिकारी को आवेदन देकर दी है। आवेदन की प्रतिलिपि जिलाधिकारी मुंगेर, प्रखंड विकास पदाधिकारी धरहरा एवं थानाध्यक्ष धरहरा को भी सौंपी गई है। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि अंचलाधिकारी द्वारा आम जनता, गरीब-गुरबों तथा भूमि संबंधी मामलों में आने वाले फरियादियों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। भूमि संबंधी कार्यों में जानबूझकर परेशान करने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं, जिससे किसानों, मजदूरों, छात्र-छात्राओं सहित आम लोगों में भारी नाराजगी है। बैठक में अंचल कार्यालय में बिचौलियों की सक्रियता का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। समिति के सदस्यों ने कहा कि आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से किया जाएगा।

धरहरा प्रखण्ड के तीन पंचायत में बाढ़ से हाहाकार: घरों में घुसा गंगा का पानी

प्रात: किरण संवाददाता

धरहरा (मुंगेर)। धरहरा प्रखंड में गंगा ने इस बार सबसे ज्यादा कहर बरपाया है। शिवकुंड, हेमजापुर और बाहाचौकी पंचायत पूरी तरह जलमग्न हो गई हैं। हेमजापुर पंचायत के बड़ी लगमा, रामनगर, चांद टोला, हेमजापुर गांव और निषाद टोला में हालात सबसे भयावह हैं। घरों में पानी घुस गया है और गांव टापू में तब्दील हो गए हैं। ग्रामीणों के मुताबिक गांवों में 5 फीट तक पानी जमा है। जहां तक नजर जा रही है, वहां तक सिर्फ पानी ही पानी नजर आ रहा है। रसोई से लेकर बिस्तर तक पानी पहुंच गया है। लोग मचान और छतों पर रात गुजारने को मजबूर हैं।

प्रशासन की ओर से नाव की व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीणों ने अपने ही जुगाड़ से रास्ता निकाला है। तस्वीरें गवाही दे रही हैं कि कैसे - कोई थमाकोल के बड़े-बड़े टुकड़ों को रस्सी से बांधकर नाव बना रहा है , कोई सिंटेक्स की पानी की टंकी को बीच से काटकर उसमें बैठकर नदी पार कर रहा है, तो कोई टीन की चादर को मोड़कर उसी से आवागमन कर रहा है

इसी जान जोखिम वाली नाव से महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग रोजमर्रा का सामान ला रहे हैं और एक गांव से दूसरे गांव जा रहे हैं। एक छोटी सी चूक सीधे जान पर भारी पड़ सकती है। ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने कहा - हर साल यही कहानी है। बाढ़ आती है, गांव डूबता है, लेकिन नाव और मदद समय पर कभी नहीं आती। अगर गांव में कोई बीमार पड़ जाए तो उसे अस्पताल ले जाना भी मुश्किल है। कई दिनों से कोई भी अधिकारी हमारी सुध लेने नहीं आया। सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को हो रही है। सीओ ने किया निरीक्षण, बोले- जल्द मिलेगी नाव शुक्रवार को धरहरा के अंचलाधिकारी वीरेंद्र कुमार ने शिवकुंड, हेमजापुर और बाहाचौकी पंचायत के बाढ़ग्रस्त इलाकों का निरीक्षण किया।

कृष्ण जन्माष्टमी : राधे-कृष्ण की प्रतिमा स्थापित कर की गई पूजा-अर्चना

इसुआपुर ।प्रखंड विकास कार्यालय से पूरब बिशुनपुरा-डटरा गांव में शुक्रवार को कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर नव निमार्णाधीन राधे-कृष्ण मंदिर परिसर में राधे-कृष्ण की प्रतिमा स्थापित कर विधिवत पूजा-अर्चना की गई। वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक अनुष्ठानों के बीच प्रतिमा स्थापना का कार्यक्रम संपन्न हुआ।इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर पहुंचे और भगवान राधे-कृष्ण के दर्शन कर पूजा-अर्चना की।पूजा समिति के अध्यक्ष संजय प्रसाद ने बताया कि कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शुक्रवार की रात भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा।जन्मोत्सव को लेकर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है।श्रद्धालुओं के लिए पूजा एवं दर्शन की विशेष व्यवस्था की गई है।उन्होंने बताया कि शनिवार से लेकर 10 सितंबर तक भगवान श्रीकृष्ण की छठी के अवसर तक मंदिर परिसर में प्रतिदिन सुबह पूजा-अर्चना तथा शाम को आरती का आयोजन किया जाएगा।

बाढ़ ने मचाई तबाही, दियारा क्षेत्र में घरों में घुसा पानी

■ राशन, जलावन और नाव के अभाव में फंसे ग्रामीण, प्रशासन से लगाई गुहार

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर। सदर प्रखंड क्षेत्र में गंगा के बढ़ते जलस्तर से बाढ़ ने तबाही मचा दी है। बाढ़ प्रभावित सभी इलाकों में पानी पूरी तरह फैल चुका है, खासकर दियारा क्षेत्र की मुश्किलें सबसे ज्यादा बढ़ गई हैं। दियारा क्षेत्र के ग्रामीणों का कहना है कि हम लोग बाढ़ से पूरी तरह घिर चुके हैं।

घरों में भी पानी प्रवेश कर गया है, जिससे खाना-पीना तक मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण अब न तो कहीं जा पा रहे हैं और न ही कहीं से आ पा रहे हैं। जानवरों को किसी तरह ऊंचे स्थानों पर भेजा गया है, लेकिन लोग खुद काफी परेशान हैं। ग्रामीणों के अनुसार राशन, जलावन और गैस की भारी किल्लत हो गई है।

आवागमन के लिए न तो नाव की सुविधा है और न ही कोई अन्य साधन, जिससे बाजार तक पहुंचना भी संभव नहीं हो पा रहा है। खाने-पीने की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। पीड़ित ग्रामीणों ने बताया कि अब प्रशासन ही एकमात्र उम्मीद है। मजबूरन लोग किसी तरह ऊंचे स्थानों पर शरण लेने को विवश हो रहे हैं। लोगों ने जिला प्रशासन से जल्द राहत, नाव और राशन की व्यवस्था

BAJAJ FINANCE

बजाज फाइनेंस लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय: बजाज फाइनेंस लिमिटेड, C/0 बजाज ऑटो लिमिटेड कॉम्प्लेक्स मुंबई पुणे रोड अकुर्डी पुणे - 411035
ब्रांच ऑफिस : बजाज फाइनेंस लिमिटेड, द्वितीय मंजिल, बीरपुर एम 40, बिहार 851127

आधिपत्य सूचना (अचल संपत्ति हेतु)

(प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली 2002 के नियम 8(1) के साथ पठित परिशिष्ट IV के अनुसार)

जबकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता ने बजाज फाइनेंस लिमिटेड (बीएफएल) के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोगान्तर्गत, एक मांग सूचना (''सूचना'') **पंजीकृत डाक द्वारा** यहां इसमें निम्न वर्णित ऋणकर्ता(ओं) / सह–ऋणकर्ता(ओं) को निर्गत की थी, जिसमें उन्हें उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अंतर्गत सूचना में अंकित राशि का, उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिवसों की एकावधि के अंदर प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।
निम्न नामित ऋणकर्ता(गण) / बंधककर्ता(गण) / गारंटर(गण) उक्त राणि का प्रतिभुगतान करने में विफल हो चुके हैं, अतएव एतद्द्वारा ऋणकर्ता(ओं) / बंधककर्ता(ओं) / गारंटर(रों) को तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने यहां इसमें निम्न विवरणित संपत्ति का, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत मुझे प्रदत्त ऋणक्तियों के प्रयोगान्तर्गत **कब्जा** कर लिया है।
ऋणकर्ता(ओं) को विणेष रूप में तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा सामान्य रूप में सावधान किया जाता है कि उक्त संपत्ति का लेन–देन न करें तथा इस संपत्ति का कोई व किसी भी प्रकार का लेन–देन, यहां इसमें निम्नांकितानुसार राशि तथा इस राशि पर संविदागत दरों पर नियत ब्याज हेतु बजाज फाइनेंस लिमिटेड के प्रभाराधीन होगा।
ऋणकर्ताओं का ध्यान, प्रतिभूत परिसंपत्तियों को ऋणमुक्त कराने के लिये उपलब्ध समय के संदर्भ में उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

ऋण खाता सं./ ऋणकर्ता(ओं)/ बंधककर्ताओं/गारंटर(रों) के नाम	प्रतिभूत अचल संपत्ति का विवरण	धारा 13(2) के अंतर्गत सूचना की तिथि तथा धारा 13(2) के अंतर्गत सूचना राशि तथा अधिग्रहण की तिथि
ऋण क्रमांक : PM40PBL 12430491 & P01MPBL 31174602 **1. रहमानी इंटरप्राइजेज तर्फे प्रो. मो. जाकिर हुसैन** **निवासी:** खाता नंबर 69, खसरा 164, पिता मो. मकबूल, बलभद्रपुर रोड, कोचगाव, सुपौल, बिहार 854339, ईमेल आईडी: mdzakirhusain325@gmail.com **अन्य पता :** निवासी मौजा- लालपुर गोध, खाता नं. 69 पुराना, 159 नया, खसरा नं. 164 पुराना, 666 नया, तौजी नं. 5662, थाना नं. 209, थाना- बीरपुर, सर्किल- बसंतपुर, परगना-धपहर, हल्का- बलभद्रपुर, एसआरओ- गणपतगंज, सुपौल, बिहार 854339 **2. संजीदा संजीदा C/o मोहम्मद जाकिर हुसैन** **3. मोहम्मद जाकिर हुसैन पुत्र मोहम्मद मकबूल** **दोनों निवासी:** वार्ड नं. 12, लालपुर गोठ, पोस्ट बलभद्रपुर, बलभद्रपुर पीओ बलुआ बाजार, जिला सुपौल, बिहार सहरसा 854339, ईमेल आईडी: sanjida2870@gmail.com	मौजा- लालपुर गोध, खाता नं. 69 पुराना, 159 नया, खसरा नं. 164 पुराना, 666 नया, तौजी नं. 5662, थाना नं. 209, थाना- बीरपुर, सर्किल बसंतपुर, परगना-धपहर, हल्का- बलभद्रपुर, एसआरओ- गणपतगंज, सुपौल, बिहार 854339 का शेष एवं संपूर्ण भाग, साथ ही कॉमन एरिया में अनुपातिक हिस्सा (कुल क्षेत्रफल लगभग 6 डेसिमल), डीड नं. 5738 के अनुसार, पुराना खाता नं. 69 नया 159, पुराना खसरा नं. 164, नया 666, क्षेत्रफल 4 डेसिमल, **चर्तुःसीमा:** पूर्वः सीमा कोयली, पश्चिम: सड़क कच्ची, उत्तर: बैलाल अहमद, दक्षिण: निज डीड संख्या 808 के अनुसार, **पुराना खाता नं. 69, पुराना खसरा नं. 164, क्षेत्रफल 2 डेसिमल, चर्तुःसीमा:** पूर्वः सीमा कोयली, पश्चिम: कच्ची सड़क, उत्तर: क्रेता, दक्षिण: माजाउद्दीन, **साइट विजिट के अनुसार:** पूर्व सीमा कोइली की खाली भूमि, पश्चिम: 12 फीट कच्ची रोड, उत्तर: मो. बैलाल का रिक्त स्थान, दक्षिण: निज विकेता मजाउद्दीन	**19.05.2026** **रु. 40,73,263.29/-** (रु.चालीस लाख तिहत्तर हजार दो सौ तिरसठ एवं उनतीस पैसे मात्र) **सांकेतिक कब्जा दिनांक 03.09.2026**

दिनांक : 04.09.2026, स्थान : बिहार **ह/– प्राधिकृत अधिकारी, बजाज फाइनेंस लिमिटेड**

संक्षिप्त खबरें

बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह, राहत कार्यों का लिया जायजा

बड़हराः गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर से बड़हरा क्षेत्र के कई गांवों में बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। प्रभावित इलाकों से लोगों का पलायन भी जारी है। ऐसे में बड़हरा विधायक सह पूर्व मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा ले रहे हैं।शुक्रवार को विधायक ने घांघर, सरैया बिंदटोला, चंदा, मिल्की, जोकहरी, परशुरामपुर, बड़हरा, बबुरा और बिंदगांव समेत कई गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ित ग्रामीणों से उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए।विधायक ने सभी प्रभावित गांवों में जरूरत के अनुसार नावों की व्यवस्था, प्लास्टिक सीट (तिरपाल), दवाइयों एवं अन्य आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने सिन्हा बांध और दुर्गटोला सहित अन्य आवश्यक स्थानों पर सामुदायिक किचेन शुरू करने के निर्देश दिए।वहीं, बबुरा और बिंदगांव में संचालित सामुदायिक किचेन का निरीक्षण करते हुए विधायक ने स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने और बाढ़ पीड़ितों को संतुलित एवं पर्याप्त भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बबुरा हाई स्कूल में लगाए गए मेडिकल कैंप का भी निरीक्षण किया तथा मेडिकल टीम को सभी आवश्यक दवाइयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखने को कहा।बाढ़ पीड़ितों को भरोसा दिलाते हुए विधायक ने कहा कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। जलस्तर में अगले कुछ दिनों तक उतार-चढ़ाव की संभावना है, लेकिन प्रशासन और जनप्रतिनिधि राहत कार्यों को लेकर लगातार सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों तक हर संभव सहायता पहुंचाई जाएगी।विधायक ने बताया कि अधिकांश प्रभावित क्षेत्रों में नावों की व्यवस्था कर दी गई है और जहां अतिरिक्त नावों की आवश्यकता होगी, वहां तत्काल व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि वे लगातार प्रखंड से लेकर राज्यस्तरीय संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हैं और क्षेत्र का दौरा कर लोगों की समस्याओं से सीधे रूबरू हो रहे हैं।इस दौरान राजेंद्र सिंह मुखिया, प्रशांत सिंह, रंजीत गुप्ता, टुनटुन बिंद, नवीन सिंह, पिंटू सिंह और निशांत कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बाढ़ घोषित करने व राहत सुविधाओं की मांग को लेकर जनप्रतिनिधियों का अनिश्चितकालीन धरना

बड़हराः बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आपदा से संबंधित मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने और प्रभावित इलाकों को बाढ़ग्रस्त घोषित करने की मांग को लेकर बड़हरा प्रखंड के मुखिया, मुखिया प्रतिनिधि, पंचायत समिति सदस्य एवं वार्ड सदस्य अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं।

.धरना पर बैठे जनप्रतिनिधियों ने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को आवश्यक सुविधाएं और पर्याप्त राहत सामग्री नहीं मिल पा रही है। ऐसे में प्रभावित लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

एआई और तकनीक के क्षेत्र में बिहार को अग्रणी राज्य बनाने के लिए युवा आगे आएं : सीएम

बिहार में कम से कम 100 टेक्नोलॉजी सेंटर विकसित किए जाने की जरूरत

- इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक छात्रों को 24 घंटे के भीतर परीक्षा परिणाम उपलब्ध कराने की दिशा में होगी पहल

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजधानी पटना के पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र स्थित सिमेज आईटी पार्क में नवनिर्मित 1200 सीटिंग कैपेसिटी वाले बहुउद्देशीय सभागार का उद्घाटन किया। इस दौरान अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का युग है। यदि बिहार के युवा नई तकनीक को अपनाते हुए कड़ी मेहनत करें तो बिहार को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बिहार तेजी से बदल रहा है और हम सभी को अगले चार-पांच वर्षों में राज्य को स्वर्णिम युग की ओर ले जाने का संकल्प लेना चाहिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि सिमेज द्वारा तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में की गई पहल सराहनीय है। उन्होंने उद्योग विभाग को बधाई देते हुए कहा कि बिहार में ऐसे कम से कम 100 टेक्नोलॉजी सेंटर विकसित किए जाने चाहिए, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को आधुनिक तकनीकी शिक्षा और रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन में भी रणनीति, ज्ञान और तकनीक के प्रभावी उपयोग के उदाहरण मिलते हैं। आज समय के साथ तकनीक का स्वरूप बदल गया है। कंप्यूटर, मोबाइल, सोशल मीडिया और अब एआई ने दुनिया को नई दिशा दी है। एक समय लोगों को आशंका थी कि कंप्यूटर आने से रोजगार के अवसर कम हो जाएंगे, लेकिन आज यही तकनीक रोजगार, नवाचार और विकास का प्रमुख

माध्यम बन चुकी है।

बिहार के इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक कॉलेजों की परीक्षा व्यवस्था को भी पूरी तरह तकनीक आधारित बनाया जाएगा :

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार को लेकर यह धारणा बदलने की आवश्यकता है कि राज्य तकनीक के क्षेत्र में पीछे है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे एआई और उभरती तकनीकों के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें तथा बिहार को देश के अग्रणी तकनीकी राज्यों की श्रेणी में पहुंचाने में योगदान दें। उन्होंने सिमेज परिवार द्वारा सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को आईआईटी तथा अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों से जोड़कर तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराने की पहल की भी सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार निजी संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाती है, उसी प्रकार सरकारी विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को भी आधुनिक तकनीक और बेहतर शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने सहयोग कार्यक्रम एवं सहयोग पोर्टल का उल्लेख करते हुए कहा कि आम लोगों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए तकनीक का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक 7.13 लाख से अधिक लोगों ने इस व्यवस्था के माध्यम से आवेदन किया है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक आवेदन पर 30 दिनों के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। निर्धारित समय-सीमा में कार्रवाई नहीं होने पर संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारी को स्वतः नोटिफिकेशन भेजा जाता है तथा आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई भी की जाती है। उन्होंने कहा कि इस पूरी व्यवस्था में एआई और तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रत्येक माह के दूसरे मंगलवार को मुख्यमंत्री स्तर पर सहयोग कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसमें प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की जाती है तथा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई भी की जाती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक कॉलेजों की परीक्षा व्यवस्था को भी पूरी तरह तकनीक आधारित बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को परीक्षा के 24 घंटे के भीतर परिणाम उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य प्रारंभ किया जाएगा। साथ ही, किसी कारणवश असफल घोषित विद्यार्थियों को शीघ्र पुनर्परीक्षा का अवसर देने की व्यवस्था भी विकसित की जाएगी, ताकि उनका एक शैक्षणिक वर्ष व्यर्थ न हो।

राज्य की समृद्धि में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार का इतिहास गौरवशाली रहा है और राज्य ने देश को स्वर्णिम युग प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज आवश्यकता है कि बिहार के युवा भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए न्याय के साथ विकास और राज्य की समृद्धि में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। सभागार के उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने पूरे परिसर का भ्रमण कर कंप्यूटर क्लास, लैब एवं अन्य सुविधाओं का अवलोकन किया तथा छात्रों से संवाद किया। इस दौरान छात्रों ने उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित विभिन्न तकनीकी परियोजनाओं की जानकारी दी।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जन्माष्टमी महोत्सव के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए प्रदेशवासियों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा एवं विधि मंत्री संजय सिंह

डा विष्णु किशोर झा बेचन ने निरस आलोचना-साहित्य को सरस बनाया

- जयंती पर वरिष्ठ हिन्दी-सेवी पत्रकार कुमार कृष्णन को दिया गया स्मृति-सम्मान, कवियों ने दी काव्यांजलि

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। आलोचना-साहित्य के प्रतिमान-पुरुष थे ह्यबेचनह्न जी। उन्होंने साहित्य की इस विधा को को निरसता से बाहर निकाला और सरसता प्रदान की। भागलपुर विश्वविद्यालय के पूर्व प्रतिकुलपति और बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष रहे, मनीषी साहित्यकार डा विष्णु किशोर झा ह्यबेचनह्न एक बड़े कवि, कथाकार और नाटक कार थे। इसीलिए उनकी आलोचनात्मक टिप्पणी में भी किसी कथा-कहानी और काव्य का लालित्य पाया जाता है। यह बातें, सोमवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आहूत ह्यहिन्दी पखवारा-सह-पुस्तक चौदस मेलाह्न के चौथे दिन आयोजित डा बेचन जयंती की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि डा बेचन बहु-आयामी सारस्वत गुणों से युक्त एक आकर्षक व्यक्तित्व के साधु-पुरुष थे। साहित्य सम्मेलन से उनका गहरा लगाव था। अनेक वर्षों तक वे भागलपुर ज़िला हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष और १९९६ से २००१ तक बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष रहे।

समारोह का उद्घाटन करते हुए, पटना उच्चन्यायालय के पूर्व न्याधीश न्यायमूर्त्ति मान्धाता सिंह ने कहा कि बेचन जी ने हिन्दी साहित्य में अपने अवदान से बिहार का गौरव बढ़ाया। उन्होंने अपने रचनात्मक और आलोचनात्मक साहित्य से हिन्दी का भण्डार भरा। वे एक मनीषी विद्वान और शिक्षाविद थे। इस अवसर पर मुंगेर के वरिष्ठ पत्रकार और हिन्दी-सेवी कुमार कृष्णन को इस वर्ष का ह्यडा विष्णु किशोर झा बेचन स्मृति-सम्मान से विभूषित किया।

सम्मान-स्वरूप डा पाठक को वंदन-वस्त्र, प्रशस्ति-पत्र, स्मृति-चिन्ह के साथ ग्यारह हजार रूपए की सम्मान-राशि प्रदान की गयी। समारोह के मुख्य अतिथि और मिथिला विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो रत्नेश्वर मिश्र ने कहा कि बेचन जी का व्यक्तित्व बहु-आयामी था। बहुत आकर्षक थे और उतने ही प्रभावशाली भी। हर एक व्यक्ति उनके आकर्षण में निकट आना चाहता था, किंतु उनके प्रभावशाली व्यक्तित्त्व से संकोच भी करता था। वे अपनी रचनाओं में दबे-कुचलों की बात करते थे।

परसा पीएचसी में कार्यरत एएनएम सिंपल सुमन की इलाज के दौरान मौत, शोक

परसा।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक हृदय विदारक घटना सामने आई है.जिस अस्पताल में एक अठट सेवा दे रही थी, उसी अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. इस घटना से स्वास्थ्य केंद्र के कर्मियों में शोक की लहर है.मृतक अठट की पहचान मधेपुरा जिला के मुरलीगंज थाना क्षेत्र के रत्नपट्टी गांव निवासी गौतम प्रसाद मंडल की पुत्री सिंपल सुमन के रूप में हुई है.वह वर्तमान में परसा प्रखंड के बसरती-लोकनाथपुर स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (ऌहउ) पर कार्यरत थीं.घटना के संबंध में बताया जाता है कि डेरा पर अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई.

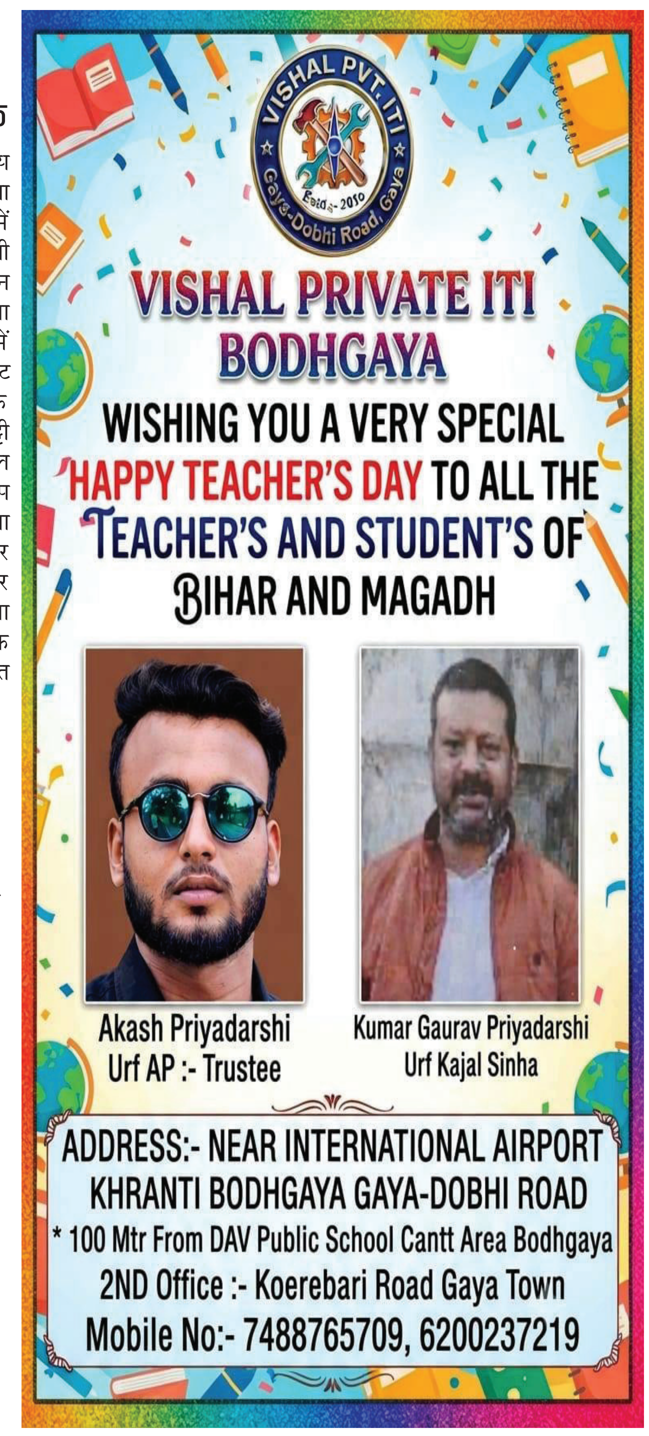

श्री विश्वेश्वर महादेव मंदिर में उल्लास के साथ मनी श्री कृष्ण जन्माष्टमी, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

अभय आर्या

पटना। आश्रम गली स्थित श्री विश्वेश्वर महादेव मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं द्वारा अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और दिन भर विशेष धार्मिक आयोजनों का सिलसिला चलता रहा।जन्माष्टमी पर्व के बारे में जानकारी देते हुए मंदिर के पुरोहित ब्रजेश पाण्डेय ने बताया कि इस बार की जन्माष्टमी को खास और भव्य बनाने के लिए पिछले कई दिनों से जोर-शोर से तैयारियां की जा रही थीं। आयोजन में व्यवस्था से लेकर सजावट तक, हर स्तर पर भव्यता का विशेष ध्यान रखा गया था।

समारोह के दौरान पुरोहित ब्रजेश पाण्डेय ने भगवान श्री कृष्ण के भाव में डूबकर एक से बढ़कर एक मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी। उनकी मधुर भजन गायकी ने वहां मौजूद सभी श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया और पूरा मंदिर परिसर जय श्री कृष्णा और हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की के जयकारों से गूंज उठा।

देर रात तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान में स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। पूजा-अर्चना और महाआरती के बाद श्रद्धालुओं के बीच भगवान श्री कृष्ण का विशेष प्रसाद वितरित किया गया।

भोजपुर में वेस्ट टू आर्ट बना महिलाओं के रोजगार और पर्यावरण संरक्षण का नायाब उदाहरण

पटना।बेकार सामानों को अवशिष्ट समझकर फेक देने की पुरानी सोच को बदलते हुए भोजपुर जिले ने अपशिष्ट से कला (वेस्ट टू आर्ट) की दिशा में एक नई और अनुकरणीय मिसाल पेश की है।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत शुरू हुई इस पहल से आज जिले में न केवल पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिली है बल्कि महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बनने के साथ-साथ उनकी आर्थिक आमदनी में वृद्धि हुई है।

वर्ष 2024 में स्वच्छता ही सेवा अभियान के दौरान भोजपुर जिला जल एवं स्वच्छता समिति ने होम डेकोर अलाइव, क्लाइमेट रिजिलिएंस और जन विकास क्रांति जैसी गैर-सरकारी संस्थाओं के सहयोग से एक अनोखे वेस्ट टू आर्ट पार्क की स्थापना की थी। इस पार्क में थ्री-आर (रिफ्यूज, रियूज, रिसाइकिल) के सिद्धांत को अपनाते हुए पुराने कपड़ों, प्लास्टिक बोतल और अन्य पुराने वस्तुओं से बनी कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया था।

इस विचार की सफलता और आकर्षण को देखते हुए तत्कालीन जिलाधिकारी के निर्देश पर जिले के सभी सरकारी आयोजनों और कार्यालयों में अतिथियों को पारंपरिक ताजे फूलों के गुलदस्ते की जगह वेस्ट-टू-आर्ट से बने फ्लावर पॉट में पौधा भेंट करने की नई परंपरा की शुरूआत की गई।

भोजपुर में कबाड़ से खूबसूरत और टिकाऊ वस्तुएं बनाने की इस प्रक्रिया में नवाचार का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। कबाड़ के फटे-पुराने कपड़ों को साफ कर उनकी धुनाई की जाती है, जिससे रेशा तैयार होता है। इस रेशे में प्लास्टर ऑफ पेरिस और अन्य सामग्री मिलाकर इसे सांचे में ढाला जाता है, जिसके बाद इन पर आकर्षक पॉलिश और लोक कला की पेंटिंग की जाती है।इसी प्रकार, प्लास्टिक अपशिष्ट को पिघलाकर भी सुंदर शो-पीस तैयार किए जा रहे हैं। जिला समन्वयक श्री रंजय बैठा के अनुसार, पहले चरण में विभिन्न स्वयं सहायता समूहों की 25 महिलाओं को जिला जल एवं स्वच्छता समिति और होम डेकोर अलाइव संस्था के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।

अब यह प्रशिक्षित जीविका दीदियां अन्य समूहों को

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496